WWW. bntonline.in | eBNT PAPER epaper.bntonline.in | Breaking News Today | bntnewschannel | breaking.news.today | BNTNews_2008

RNI NO.DELBIL/2008/24327

15 साल बेमिसाल

Breaking News Today

हम सबकी खबर लें, हम सबको खबर दें!

Vol. No. XV & Issue No. 16 | 26 August 2023 | Fortnightly | Pages 16 | ₹ 5

बीएनटी न्यूज

चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर चुका है, जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बन गया है। चंद्रयान-3 23 अगस्त, 2023 चंद्रमा पर उतरा। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरे देश को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि जब हम ऐसे ऐतिहासिक क्षण देखते हैं तो हमें बहुत गर्व होता है। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सुबह है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने धरती पर संकल्प किया और चांद पर उसे साकार किया...भारत अब चंद्रमा पर है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये पल अविस्मरणीय है, ये क्षण अभूतपूर्व है, ये क्षण विकसित भारत के शंखनाद का है, ये क्षण नए भारत के जयघोष का है, ये क्षण मुश्किलों के महासागर को पार करने का है, ये क्षण जीत के चंद्रपथ पर चलने का है, ये क्षण 140 करोड़ धड़कनों के सामर्थ्य का है, ये क्षण भारत में नई ऊर्जा, नए विश्वास, नई चेतना का है, ये क्षण भारत के उदयमान भाग्य के आह्वान का है। उन्होंने कहा कि इससे पहले कोई भी देश वहां (चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव) तक नहीं पहुंचा है। हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत से हम वहां तक पहुंचे हैं। मोदी ने कहा कि कभी कहा जाता था चंदा मामा बहुत दूर के हैं, अब एक दिन वो भी आएगा जब बच्चे कहा करेंगे चंदा मामा बस एक टूर के हैं।

मोदी ने कहा कि आज हम अंतरिक्ष में नए भारत की नई उड़ान के साक्षी बने हैं। नया इतिहास बनते

शेष पृष्ठ 2 पर

चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर उतरा है, उसका नाम 'शिव-शक्ति पॉइंट' रखा जाएगा: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना करते हुए कहा कि चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर उतरा है, उसका नाम 'शिव-शक्ति पॉइंट' रखा जाएगा और 23 अगस्त 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यूनान से सीधे बेंगलुरु पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने इसरो के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। मोदी ने कहा कि चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने 2019 में अपने पदचिह्न छोड़े थे, उसे 'तिरंगा पॉइंट' के नाम से जाना जाएगा और चंद्रयान-3 लैंडर चंद्रमा की सतह पर जिस स्थान पर (टच डाउन पॉइंट) उतरा है, उसका नाम 'शिव-शक्ति पॉइंट' रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर के चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक उतरने की याद में भारत 23 अगस्त 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट ने आरटीआई के तहत सूचनाएं प्रदान करने को कहा

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सूचना आयोगों को निर्देश जारी कर कहा है कि वे यह तय करें कि सार्वजनिक अधिकारी आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाओं को प्रदान करें। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोगों को आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के अधिदेश के कार्यान्वयन की निरंतर निगरानी करने का निर्देश दिया। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 में कहा गया है कि सभी सार्वजनिक प्राधिकरण स्वतः संज्ञान लेकर सूचना का खुलासा करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।जनता नियमित अंतराल पर इंटरनेट और अन्य माध्यमों का उपयोग कर रही है। इस तरह के प्रावधान को लागू करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि जानकारी उपलब्ध हो। आरटीआई कार्यकर्ता व वकील केसी जैन ने जनहित याचिका को शीर्ष अदालत के समक्ष प्रस्तुत करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों में किए गए पारदर्शिता ऑडिट से पता चलता है कि खुलासे कानून के अनुसार नहीं किए गए।

अंदर पढ़ें

खबरें	पृष्ठ
खरगे ने नई सीडब्ल्यूसी का...	02
भारत में आजादी की नींव...	03
भाजपा का 'मिशन बिहार'..	04
प्रधानमंत्री के खोखले...	05
लालकिले से मोदी ने परिवारवाद..	06
खड़गे ने फहराया तिरंगा...	07
भारत ने चुनौतियों को अवसरों...	08
सीनेटर अनवर-उल-हक काकर...	09
अटक जेल में इमरान खान...	10
विश्वकर्मा जयंती पर 15 हजार...	11
कैबिनेट ने मौजूदा नेटवर्क में...	12
देश में एम्स का कोई विकल्प...	13
राहुल, श्रेयस और तिलक...	14
सैयामी खेर ने केबीसी में...	15
दिल्ली की अदालत ने जैकलिन...	16

नदी के किनारे के पेड़, दूसरे आदमी के घर में एक महिला और बिना सलाहकार के राजा निस्संदेह तेजी से विनाश के लिए जाते हैं।

-चाणक्य

चंद्रयान-3 की सफलता पर सोनिया ने ISRO प्रमुख को लिखा पत्र

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ को पत्र लिखकर चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए बधाई दी और कहा कि यह शानदार उपलब्धि सभी भारतवासियों के लिए गर्व का विषय है। इसरो ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और रोवर 'प्रज्ञान' से लैस 'एलएम' की सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिग कराई। भारतीय समयानुसार शाम करीब छह बजकर चार मिनट पर इसने चांद की सतह को छुआ।

सोनिया गांधी ने सोमनाथ को लिखे पत्र में कहा, मैं आपको अवगत कराना चाहती हूं कि बीती शाम इसरो द्वारा हासिल की शानदार उपलब्धि से मैं बहुत प्रसन्न हुई। यह सभी भारतवासियों, खासकर युवाओं के लिए गर्व और उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा, बीते कई दशकों से इसरो की शानदार क्षमताओं का निर्माण हुआ है। इसके पास हमेशा बेहतरीन नेतृत्वकर्ता रहे और सामूहिक प्रयास की भावना रही, जिसने इसे (इसरो) हमेशा आगे बढ़ाया। सोनिया गांधी के अनुसार, इसरो 1960 के दशक से आत्मनिर्भरता के आधार पर आगे बढ़ा जिसका इसकी सफलता में बड़ा योगदान रहा। उन्होंने कहा कि इस मौके पर वह इसरो के प्रत्येक सदस्य को बधाई देती हैं।

जैसे ही चंद्रयान 3 के लैंडर मॉड्यूल विक्रम ने चंद्रमा पर सुरक्षित और नरम लैंडिंग की, इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा, "भारत चंद्रमा पर है"। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ऐतिहासिक उपलब्धि देखने वाले पीएम मोदी ने कहा कि यह "भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन" है।

आवश्यकता है

फ्रीलांस रिपोर्टर व विज्ञापन प्रतिनिधि की

संपर्क करें:

9990533306

माइनॉरिटी स्कॉलरशिप घोटाला

21 राज्यों की 53% संस्थाएं फर्जी

संपादक की कलम से...

राजेन्द्र कुमार गोयल
मुख्य संपादक
chiefeditor@bntonline.in

अल्पसंख्यक मंत्रालय ने माइनॉरिटी स्टूडेंट्स को एजुकेशन के लिए दी जाने वाली स्कॉलरशिप में घोटाले का भंड़ाफोड़ किया है। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मामले को सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन संस्थानों में पिछले 5 साल में रु144 करोड़ 83 लाख का घोटाला किया है।

मंत्रालय की इंटरनल इन्वेस्टिगेशन कमेटी की जांच में यह पता चला कि माइनॉरिटी स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत चल रहीं 53 फीसदी संस्थाएं फर्जी हैं। घोटाले की खबर सामने आते ही 830 संस्थान, जो सिर्फ कागज पर चल रहे थे, उन सभी के खाते फ्रीज कर दिए गए हैं।

मंत्रालय ने दर्ज कराई थी शिकायत, 34 राज्यों में हुई जांच

रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्पसंख्यक मंत्रालय ने 10 जुलाई 2023 को इस घोटाले की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद 34 राज्यों के 100 जिलों में पूछताछ की गई। 1572 संस्थानों में से 830 संस्थान फर्जी मिले। इन सभी संस्थानों के अकाउंट फ्रीज करने के आदेश दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर संस्थान या तो अस्तित्व में ही नहीं हैं या फिर काम नहीं कर रहे। अभी तक 21 राज्यों के आंकड़े सामने आए हैं। बाकी राज्यों में जांच जारी है।

2007 से 2022 तक योजना में रु22 हजार करोड़ का खर्च

देश के करीब 1 लाख 80 हजार संस्थान अल्पसंख्यक मंत्रालय की इस योजना में शामिल हैं। जिसमें पहली क्लास से पीएचडी तक के स्टूडेंट्स को हर साल रु4 हजार से लेकर रु25 हजार की स्कॉलरशिप दी जाती है। इसकी शुरूआत 2007-2008 में हुई। आंकड़ों को देखें तो, 2007-08 से लेकर 2022 तक इन संस्थानों को कुल रु22 हजार करोड़ की स्कॉलरशिप दी गई। यानी संस्थान फर्जी तरीके से माइनॉरिटी स्टूडेंट्स के लिए स्कॉलरशिप लेते रहे।

योजना के तहत घोटालों को ऐसे अंजाम दिया गया

पोर्ट के मुताबिक, छत्तीसगढ़ मेंजांच के दौरान सभी 62 संस्थान फर्जी या निष्क्रिय पाए गए। राजस्थान मेंजांच किए गए 128 संस्थानों में से 99 फर्जी या गैर-परिचालन थे। असम मेंचौंकानेवाली बात यह हैकि 68 प्रतिशत संस्थान फर्जी पाए गए। कर्नाटक में 64 फीसदी संस्थान फर्जी पाए गए। उत्तर प्रदेश में 44 फीसदी संस्थान फर्जी पाए गए।

केरल के मलप्पुर में एक बैंक की शाखा में 66 हजार स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप बांटी। जो रजिस्टर्ड स्टूडेंट्स से कहीं ज्यादा है। जम्मू कश्मीर के एक कॉलेज में 5 हजार रजिस्टर्ड स्टूडेंट्स हैं। जबकि 7 हजार स्टूडेंट्स के लिए स्कॉलरशिप का दावा किया गया। एक व्यक्ति का मोबाइल नंबर 22 स्टूडेंट्स से जुड़ा था। सभी 9वीं के स्टूडेंट्स हैं। एक संस्थान में छात्रावास तक नहीं फिर हॉस्टल स्कॉलरशिप का दावा किया और राशि ली। पंजाब में कई स्टूडेंट्स ऐसे मिले, जिनका स्कूल में एडमिशन ही नहीं। फिर भी उन्हें स्कॉलरशिप मिलती रही।

फजीर्वाड़ा सामने आने के बाद आगे क्या

घोटाले की जांच उइक कर रही है। मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, इस फजीर्वाड़े में शक की सुई जिले के नोडल अधिकारी से लेकर बैंक कर्मचारियों, मदरसों या संस्थानों के पदाधिकारियों से लेकर लाभार्थी और उसके परिवारीजनों तक पर जा रही है। फजीर्वाड़े में जिन राज्यों में बड़ी संख्या में मामले सामने आए हैं, उनमें असम, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, यूपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान, केरल, पंजाब और जम्मू कश्मीर जैसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। इसमें नोडल अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी, जिन्होंने फर्जी मामलों का वैरिफिकेशन कर संस्थानों को अप्रूवल दिया। मंत्रालय ने ये भी पूछा है कि बैंकों ने फर्जी आधार कार्ड और KYC डॉक्यूमेंट्स के साथ लाभार्थियों को खाते खोलने के मंजूरी कैसे दी। ऐसे में बैंक के तमाम अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जा सकती है।

इस तरह के घोटालों से एक तरफ जहां राजस्व की घोर हानि होती है वहीं दूसरी तरफ लोगों का विश्वास कानून व्यवस्था और तंत्र पर shake होता है। लोगों में यह भावना घर कर रही है कि घोटालेबाजों का कुछ नहीं होगा। यह एक आम धारणा है कि ये घोटालेबाज अपनी धन शक्ति एवं संपर्क का इस्तेमाल कर बच निकलेंगे। घोटालेबाजों का राजनैतिक गठजोड़ भी एक बड़ी समस्या है। निष्पक्ष जांच नहीं हो पाती। जांच एजेंसियां पर राजनीतिक दबाव डाला जाता है।

घोटालेबाजों को कानून का कोई भय नहीं कानूनों को कठोरता से लागू किया जाना चाहिए। जांच समयबद्ध तरीके में की जानी चाहिए। संपत्तियां जब्त कर नीलामी होनी चहिए। वित्तीय अपराध के मामले लंबे समय तक अदालतों में लंबित नहीं रहने चाहिए। इनका फास्ट ट्रैक कोर्ट में वरीयता से निपटारा होना चाहिए। जरा सोचिए! फैसला आप खुद कीजिये।

जन्म देने की क्षमता केवल नारी में, नारीत्व में नेतृत्व भी समाहित है : राष्ट्रपति मुर्मू

बीएनटी न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 21 अगस्त को दिल्ली में आर्मी वाइव्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'अस्मिता-आर्मी वाइव्स की प्रेरक कहानियां' में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने सभी भारतीयों की ओर से 'वीर नारियों' के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने 'वीर नारियों' की प्रशंसा की, जिन्हें अस्मिता प्रतीक के रूप में सम्मानित किया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा, मुझे यह जानकर संतोष हुआ है कि वीर-नारी बहनों के कल्याण के लिए 'आह्वान' नामक योजना चलाई जा रही है। इसके लिए मैं विशेष सराहना करती हूं।

राष्ट्रपति ने कहा, आर्मी वाइव्स एसोसिएशन द्वारा यहां प्रदर्शित की गई एंटरप्रेन्योर एग्जिबिशन से भारत की नारी प्रतिभा की सुंदर झलक देखने को मिली है। हमारी बहनें, डेकोरेशन से लेकर यूटिलिटी तक, अनेक सुंदर और उपयोगी वस्तुएं कुशलता के साथ बना रही हैं और प्रस्तुत कर रही हैं। मैं आशा करती हूं कि उद्यमशील महिलाओं की प्रतिभा और परिश्रम को निरंतर प्रोत्साहन मिलता रहेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि 'अस्मिता' शब्द के प्रचलित अर्थ हैं 'अस्तित्व का बोध होना' तथा 'आत्म- गौरव का भाव होना'। नारी समुदाय में आत्म गौरव की भावना के आधार पर ही एक गौरवशाली समाज और राष्ट्र का निर्माण करना संभव होता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी बदलाव की शुरूआत, विचारों में बदलाव के साथ ही होती है। कुछ पुराने विचारों को छोड़ने और नए विचारों को अपनाने की जरूरत होती है। एक पुरानी कहावत है ह्यहर सफल व्यक्ति के पीछे एक महिला होती है। इस कहावत की जगह आज यह कहना चाहिए, हर सफल व्यक्ति के साथ एक महिला खड़ी है। ऐसी सोच के साथ ही, नारी की अस्मिता को मजबूत बनाना तथा नारी के आत्म-गौरव का सम्मान करना, संभव हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि यहां अधिकांश बहनें किसी न किसी की धर्मपत्नी के रूप में उपस्थित हैं। यह अच्छी बात है। लेकिन आप सब बहनों की अपनी अलग अस्मिता भी है। शिव और शक्ति का, सृष्टि के निर्माण और विकास में समान और समग्र योगदान है। नारी और पुरुष रथ के दो पहियों की तरह हैं। जन्म देने की क्षमता केवल नारी में ही है। नारी में नेतृत्व देने की क्षमता भी है, यह विश्वास सभी बहनों में होना चाहिए। नारीत्व में नेतृत्व समाहित है।

मुद्दों की बात

जनता की परेशानी सत्ता के गलियारे तक आवाज पहुंचाएं

आओ मिलकर
आवाज उठाएं

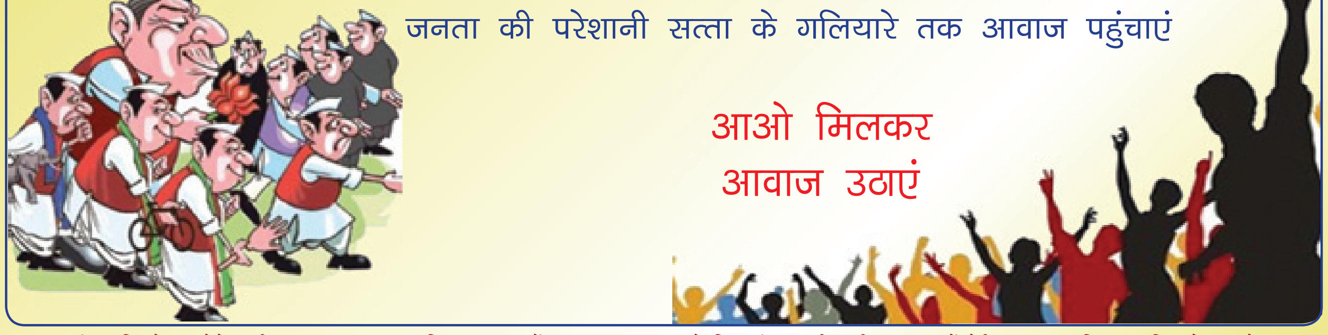

जनसंख्या विस्फोट * बेरोजगारी * आत्महत्या करता किसान * दमघोंटू प्रदूषण * अनाज के लिए भंडारण की कमी * न्याय में देरी * भूख * शिक्षा, आदि अनेक मुद्दे...

Breaking News Today

339, 3rd Floor , Tower B-3, Spaze Techpark, Sohna Road, Gurgaon-122002 Haryana, India.

केंद्र कर्नाटक पर एनईपी थोप नहीं सकता हम अपनी शिक्षा नीति तैयार करेंगे : सिद्दारमैया

बीएनटी न्यूज

मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने घोषणा की कि कर्नाटक के लिए नई शिक्षा नीति तैयार करने के लिए समिति बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला लिया गया कि पुरानी शिक्षा व्यवस्था को फिलहाल जारी रखते हुए नई शिक्षा नीति बनाने के लिए एक समिति गठित की जाए।

उन्होंने कहा, चूंकि यह राज्य का विषय है, इसलिए केंद्र सरकार कर्नाटक के लिए शिक्षा नीति नहीं बना सकती। केंद्र ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति राज्य सरकारों को विश्वास में लिए बिना तैयार की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति थोपना एक साजिश है। भारत जैसे बहुसांस्कृतिक और बहुलतावादी समाज वाले देश में एक समान शिक्षा प्रणाली स्थापित नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्य भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू करने में झिझक रहे हैं। केरल और तमिलनाडु राज्यों ने केंद्र सरकार को स्पष्ट कह दिया है कि वे एनईपी लागू नहीं करेंगे। सीएम को भरोसा था कि राज्य के साथ गलत व्यवहार नहीं किया जा सकता, क्योंकि केंद्र पोषित योजनाएं सभी राज्यों पर लागू होती हैं।

उन्होंने चिंता व्यक्त की कि एनईपी गरीबों, अनुसूचित जाति, आदिवासियों, पिछड़ों और ग्रामीण लोगों को प्रभावित करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस शिक्षा नीति को लागू करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के पास आवश्यक बुनियादी ढांचा नहीं है। इससे अनावश्यक भ्रम पैदा हो गया है।

राज्य की कांग्रेस सरकार ने पहले ही घोषणा की थी कि वह पिछली भाजपा सरकार द्वारा लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को रद्द कर देगी। कर्नाटक एनईपी लागू करने वाला पहला राज्य था।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने एनईपी को 'नागपुर शिक्षा नीति' करार देते हुए घोषणा की थी कि राज्य में एनईपी को खत्म कर दिया जाएगा और एक नई शिक्षा नीति लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह में शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों की बैठक कर इस बारे में अवगत कराया जाएगा और भावी पीढ़ियों की भलाई के लिए नई नीति बनाई जाएगी।

शिवकुमार ने सवाल किया, हम अपने घोषणापत्र के अनुसार एनईपी को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दो कैबिनेट मंत्री कमेटी बनाने के लिए प्रस्ताव देंगे। जल्द ही नई नीति बनाई जाएगी। हम सभी क्षेत्रों में आगे हैं, दोषपूर्ण एनईपी यहां लागू नहीं होगी। गुजरात, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने एनईपी लागू नहीं किया है, तब कर्नाटक के लिए इसकी जरूरत क्यों है?

डीम्ड विश्वविद्यालयों द्वारा एनईपी को जारी रखने के निर्णय पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इस संबंध में कदम विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, शिक्षा राज्य का विषय है, हम इसमें हस्तक्षेप नहीं चाहते।

कांग्रेस ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की जयंती पर उनके योगदान को किया याद

बीएनटी न्यूज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। कई नेताओं ने उनके कार्यों को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर पार्टी के शीर्ष नेता, प्रियंका गांधी वाद्रा और के.सी. वेणुगोपाल भी उपस्थित थे। उन्होंने वीर भूमि पर पूर्व प्रधानमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने लद्दाख में पैंगोंग त्सो झील के सामने पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

देश के लिए पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान को याद करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि राजीव गांधी भारत के एक महान पुत्र थे। वह एक ऐसे नेता थे, जिन्होंने लाखों भारतीयों में आशा जगाई थी।

खड़गे ने ट्विटर पर लिखा, हम आज सद्भावना दिवस मना रहे हैं, उनके विशाल योगदान को याद करना प्रासंगिक है जिसने भारत को 21वीं सदी में आगे बढ़ाया। उनके कई कार्यों से देश में परिवर्तनकारी बदलाव आए, जिनमें मतदान की आयु को 18 वर्ष करना, पंचायती राज, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम और समावेशी शिक्षा पर जोर देने वाली नई शिक्षा नीति शामिल है।

उन्होंने कहा, हम राजीव गांधी जी को उनकी जयंती पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

इस बीच राहुल ने ट्विटर पूर्व प्रधानमंत्री का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पापा आपकी तरह ही मैं भी भारतीयों के संघर्ष और सपनों को समझने और भारत माता की आवाज सुनने की राह पर हूं।

प्रियंका ने ट्विटर पर लिखा, मशहूर गाने ह्यजीना इसी का नाम हैंह्व की पंक्तियां मुझे हमेशा आपकी (राजीव गांधी) याद दिलाती हैं। जब भी मैं यह गाना सुनती हूं तो मेरी आंखें भर आती हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने ट्विटर पर लिखा, राजीव गांधी आज 79 साल के होते, उनका कार्यकाल संक्षिप्त होते हुए भी बहुत महत्वपूर्ण था। यह व्यापक उपलब्धियों का दौर था जिसका उन्होंने कभी घमंड नहीं किया।

प्रधानमंत्री के रूप में उनके कुछ कार्यों को याद करते हुए, रमेश ने कहा, उनके अभियान और नेतृत्व ने सुनिश्चित किया कि 18 साल के युवाओं को वोट देने का अधिकार है। असम, पंजाब, मिजोरम और त्रिपुरा में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। अन्य बातों के अलावा, सांसद ने कहा कि भारत को आईटी युग में लाने के लिए उन्होंने निर्णायक कदम उठाए हैं। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कुमार चौधरी ने भी यहां पार्टी कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।

खड़गे ने नई सीडब्ल्यूसी का किया गठन : थरूर, पायलट, प्रियंका शामिल

बीएनटी न्यूज

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा नई कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) का गठन करने के एक दिन बाद असंतोष की आवाजें सामने आने लगीं है। इस पर पार्टी के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने नाराज नेताओं से कहा कि वो सीधे पार्टी प्रमुख से बात करें।**
- **राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने तीन साल के अंतराल के बाद फिर से कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों की सूची में वापसी की है। राजस्थान से एकमात्र मंत्री महेंद्रजीत मालवीय को भी सदस्य बनाया गया है।**

कई महीनों के सस्पेंस को खत्म करते हुए, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के गठन की घोषणा की। इसमें शशि थरूर, सचिन पायलट, प्रियंका गांधी समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

राजस्थान में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले इसमें पायलट को शामिल किया गया।

जबकि पैनल में 39 सामान्य सदस्य शामिल हैं। इसमें 32 स्थायी आमंत्रित सदस्य, कुछ राज्य प्रभारी और 13 विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। सूची में पदेन सदस्यों के रूप में युवा कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ, महिला कांग्रेस और सेवा दल के अध्यक्ष भी शामिल हैं।

50 साल से कम उम्र में 50 फीसदी के फॉर्मूले के तहत भी पायलट, के पटेल और गौरव गोगोई जैसे नेताओं को जगह मिली है.

सुप्रिया श्रीनेत, अलका लांबा, दीपेंद्र हुडा, प्रिनीति शिंदे, यशोमति ठाकुर, जोथिमनी और अन्य को भी इसी फॉर्मूले के तहत शामिल किया गया है।

पार्टी ने एक बयान में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष ने सीडब्ल्यूसी का गठन किया है।

इसमें खड़गे के अलावा, पार्टी की पूर्व प्रमुख सोनिया गांधी, राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, पार्टी के दिग्गज नेता ए.के. एंटनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, पी. चिदंबरम, तारिक अनवर, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, कुमारी शैलजा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, अजय माकन का नाम है।

नई सीडब्ल्यूसी में पायलट, थरूर, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, प्रियंका गांधी का नाम भी शामिल है.

39 सदस्यीय सीडब्ल्यूसी सूची में पार्टी नेता ललथनहवला, अशोकराव चव्हाण, गइखंगम, एन रघुवीरा रेड्डी, ताम्रध्वज साहू, अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, जितेंद्र सिंह, दीपक बाबरिया, जगदीश ठाकोर, जीए मीर,, अविनाश पांडे, दीपा दास मुंशी, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, गोगोई, सैयद नसीर हुसैन, कमलेश्वर पटेल और केसी वेणुगोपाल शामिल हैं।

इसके अलावा पार्टी ने वीरप्पा मोइली, हरीश रावत, पवन कुमार बंसल, मोहन प्रकाश, रमेश चेन्निथला, बी. के. हरिप्रसाद, प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी, तारिक हमीद कर्रा, दीपेंद्र सिंह हुडा, गिरीश राया चोदनकर, टी. सुब्बारामी रेड्डी, के. राजू, चंद्रकांत हंडोरे, मीनाक्षी नटराजन, फूलो देवी नेताम, दामोदर राजा नरसिम्हा और सुदीप रॉय बर्मन स्थाई आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया है।

पार्टी ने विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में पल्लम राजू, खेरा, गणेश गोदखल, कोडिकुनिल सुरेश, यशोमति ठाकुर, श्रीनेत, शिंदे, लांबा और वामशी चंद रेड्डी को शामिल किया है।

प्रदेश प्रभारी ए चेल्लाकुमार, भक्त चरण दास, अजॉय कुमार, हरीश चौधरी, राजीव शुक्ला, मनिकम टैगोर, सुखविंदर रंधावा, मानिकराव ठाकरे, रजनी पटेल, कन्हैया कुमार, गुरदीप सप्पल, सचिन राव, देवेंदर यादव और मनीष चतरथ को भी जगह मिली है।

पिछले साल अक्टूबर में खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लगभग 10 महीने बाद नई सीडब्ल्यूसी की घोषणा की गई है।

गौरतलब है कि सीडब्ल्यूसी में शामिल किए गए थरूर ने खड़गे के खिलाफ पार्टी का अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा था।

पायलट को 39 सदस्यीय पैनल में शामिल किया गया है, जिसे राजस्थान चुनाव से पहले लोकप्रिय नेता को संतुष्ट करने के एक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

पायलट ने 2020 में अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था, इसके बाद उन्हें उपमुख्यमंत्री और राजस्थान कांग्रेस प्रमुख के पद से हटा दिया गया था।

जबकि, पैनल में शामिल अन्य नए लोगों में दीपा दास मुंशी और सैयद नसीर हुसैन शामिल हैं।

दास मुंशी पश्चिम बंगाल से पूर्व सांसद और दिग्गज कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत प्रिय रंजन दास मुंशी की पत्नी हैं।

पिछड़ों का सम्मान और कल्याण सिंह के कामों को पूरा कर रही सरकार - शाह

बीएनटी न्यूज

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पिछड़ा समाज के कल्याण के लिए बाबूजी ने जिन कार्यों की शुरूआत की थी, 2014 से प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हीं कार्यों को आगे बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस श्री रामजन्मभूमि के मामले को लटका कर रखी थी, जिसका निराकरण प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में हुआ। गरीब कल्याण, पिछड़ों को सम्मान और राम मंदिर के अधूरे काम को नौ वर्षों में अंजाम तक पहुंचाने का कार्य किया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भारतीय पिछड़ा जाति आयोग को संवैधानिक दर्जा देकर पिछड़ी जातियों को सशक्त करने का कार्य कर रहे हैं।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि वो वक्त था, जब राम भक्तों का सैलाब अयोध्या में उमड़ पड़ा। लोगों ने दबाव बनाया कि गोलियां चलाकर कार सेवकों को रोका जाना चाहिए। बाबूजी ने बड़ा निर्णय लिया कि मैं गोली नहीं चलाऊंगा, मैं मुख्यमंत्री पद त्याग दूंगा। ये बड़ा बलिदान था।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कल्याण सिंह (बाबूजी) पिछड़ों और गरीबों की असीम संवेदना के प्रतीक थे। बाबूजी ने कभी जातिवाद की बात नहीं की बल्कि पिछड़ी जातियों को संबल प्रदान करने का कार्य किया।

श्रद्धेय कल्याण सिंह बाबूजी ने तीन लक्ष्यों पर जोर दिया था। पहला श्री रामजन्म भूमि आंदोलन को गति देना, दूसरा गरीब कल्याण और तीसरा था सामाजिक सद्भाव बिगाड़े बगैर पिछड़े समाज का कल्याण हो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'बाबूजी' के काम को तेज गति से आगे बढ़ा रहे हैं। करोड़ों गरीबों के घर पानी, बिजली की सुविधाएं पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव में जब प्रभारी बनकर आया था तो मुझे उत्तर प्रदेश का एकदम ज्ञान नहीं था। बाबूजी ने 11 घंटे बैठाकर उत्तर प्रदेश की हर जनपद की बारीकियों से अवगत कराया। हर रोज दो बार फोन पर मार्गदर्शन करते थे। इसके नतीजे ये आए कि उत्तर प्रदेश में हर रिकॉर्ड टूट गए।

उन्होंने सवाल किया कि क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में 73 सीटों पर जीत का रिकार्ड तोड़कर 80 सीटों पर कमल खिलाया जाएगा?

उन्होंने कहा अगर ऐसा होता है तो बाबूजी को इससे बड़ी कोई श्रद्धांजलि नहीं हो सकती।

श्रीराम के लिए कल्याण सिंह ने छोड़ी थी राजगद्दी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रद्धेय बाबू कल्याण सिंह ने अपने लिए राजगद्दी प्राप्त करने से महत्वपूर्ण प्रभु श्रीराम के चरणों में उसको समर्पित करने का कार्य किया था। राममंदिर के लिए जो अभियान 1990 से लेकर 1992 और उसके बाद तक चला, उसी का परिणाम है कि आज प्रभु श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। जब जनवरी 2024 में 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होकर हमें आशीर्वाद दे रहे होंगे तो श्रद्धेय बाबूजी की आत्मा को असीम संतुष्टि मिलेगी। उनकी आत्मा हमें आशीर्वाद देगी कि जिस कार्य के लिए उन्होंने राजसत्ता छोड़ी थी, आज वो सपना साकार हुआ है।

पृष्ठ 1 का शेष

चंद्रमा पर इसरो ने रचा इतिहास

ही हर भारतीय जश्न में डूब गया है, हर घर में उत्सव शुरू हो गया है। मैं टीम चंद्रयान को, इसरो को और देश के सभी वैज्ञानिकों को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस पल के लिए वर्षों तक इतना परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि उत्साह, उमंग, आनंद और भावुकता से भरे इस अद्भुत पल के लिए मैं 140 करोड़ देशवासियों को भी कोटि-कोटि बधाई देता हूं। हमारे वैज्ञानिकों के परिश्रम और प्रतिभा से भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचा है, जहां आज तक दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच सका है।

बेंगलुरु में इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) के मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अधिकारियों का पूरा समूह, इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ के नेतृत्व में अपने-अपने मॉनिटर से चिपके हुए थे, वे चंद्रयान के चंद्रमा पर खड़े होते ही तालियां बजाने लगे। लैंडर सुरक्षित तरीके से धीरे-धीरे चंद्रमा की धरती पर उतर गया।

सभी को बड़ी राहत की भावना से मुस्कुराते हुए देखा गया और खासकर सोमनाथ, जिनके नाम का अर्थ चंद्रमा का स्वामी है।

चंद्रयान के चंद्रमा पर उतरने के बाद यू.आर. राव सैटेलाइट सेंटर के निदेशक एम. शंकरन ने कहा, 'लोग चाहते थे कि हम सफल हों। इसरो की चंद्रयान-3 परियोजना टीम ने जबरदस्त प्रयास किया है। वे पिछले चार वर्षों से चंद्रयान-3 पर काम कर रहे हैं।"

शंकरन ने यह भी कहा कि चंद्रयान-3 टीम को नेविगेशन, प्रणोदन और अन्य टीमों का भरपूर सहयोग मिला। उनके अनुसार, इस सफलता ने उन पर और जिम्मेदारी डाल दी है।

मिशन की सफलता के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की टीम को बधाई देते हुए कहा, "यह प्रत्येक भारतीय की सामूहिक सफलता है, और हमने दुनिया के सामने अपनी वैज्ञानिक शक्ति प्रदर्शित की है।"

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा कि चंद्रयान- 3 की सफलता प्रत्येक भारतीय की सामूहिक सफलता है। हम सब के लिए गर्व की बात है। 140 करोड़ भारतीयों ने अपने छह दशक पुराने अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक और उपलब्धि देखी।

हम अपने वैज्ञानिकों, स्पेस इंजीनियर्स, रिसर्चर्स और इस मिशन को सफल बनाने में शामिल सभी लोगों की लगन, कड़ी मेहनत, और समर्पण को सलाम करते हैं। 2008 में, जब चंद्रयान-1, मून इंपैक्ट प्रोब (एमआईपी), भारतीय राष्ट्रीय ध्वज लेकर, चंद्रमा पर उतरा, तो भारत चंद्रमा की सतह पर 'किसी वैज्ञानिक उपकरण' को उतारने वाला चौथा देश बन गया था। चंद्रयान-3 के माध्यम से हमने दुनिया के सामने अपनी शानदार वैज्ञानिक क्षमता का परिचय दिया है। विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर की बेहतरीन सॉफ्ट लैंडिंग, डॉ. होमी भाभा, डॉ. विक्रम साराभाई, डॉ. सतीश धवन, डॉ. मेघनाद सहा, डॉ. शांति स्वरुप भटनागर, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम और उन सभी महान वैज्ञानिकों को एक सच्ची श्रद्धांजलि है जिन्होंने भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान और वैज्ञानिक निपुणता में अपार सफलता दिलाई। ये उपलब्धियां पंडित जवाहर लाल नेहरू के विजन का प्रमाण है, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साइंटिफिक टेम्पर ही एक स्वतंत्र राष्ट्र के विकास की भावना को आगे बढ़ा सकता है। उनके लिए, विज्ञान लोगों के जीवन में तेजी से बदलाव लाने का प्रमुख साधन था। भारत के अन्य प्रधानमंत्रियों ने भी इस भावना को आगे बढ़ाया।

आर्यभट्ट मिशन हो या राकेश शर्मा की स्पेस (आंतरिक्ष) यात्रा या फिर उसके बाद के अन्य मिशन हों, भारत ने स्पेश रिसर्च और खोज यात्रा में एक लंबा और सफल सफर तय किया है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा विश्व शांति और भाईचारे को आगे बढ़ाने में विश्वास किया है।

विक्रम लैंडर का चंद्रमा की सतह पर उतरना, शांतिपूर्ण और वेलफेयर उद्देश्यों के लिए विज्ञान का उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि है। सब को मुबारकबाद, सभी को बधाई! जय हिन्द। जय विज्ञान।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इसरो की उपलब्धि की सराहना की और कहा, "उपलब्धि के लिए टीम इसरो को बधाई। चंद्रमा के अज्ञात दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग हमारे वैज्ञानिक समुदाय की दशकों की जबरदस्त प्रतिभा और कड़ी मेहनत का परिणाम है। 1962 के बाद से, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम नई ऊंचाइयों को छू रहा है और सपने देखने वाली युवा पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है।"

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर देश को बधाई दी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चंद्रयान-3 की सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग के बाद इसरो को बधाई दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक वीडियो संदेश में कहा कि आज चंद्रयान-3 मिशन की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के साथ,हमारे वैज्ञानिकों ने न केवल इतिहास रचा है, बल्कि भूगोल के विचार को भी नया रूप दिया है। यह सचमुच एक महत्वपूर्ण अवसर है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के साथ, भारत चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला चौथा देश बन गया है, और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर यह प्रयास करने वाला पहला देश बन गया है। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, "यह भारत के उत्थान का संकेत देने वाली एक ऐतिहासिक उपलब्धि है! इस मिशन से जुड़े सभी लोगों को बधाई और देश के दूरदर्शी नेतृत्व को बधाई।"

चंद्रयान की सफलता पर राज्यों के नेताओं ने दी बधाई

चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद कई राज्यों के नेताओं ने खुशी जताई।

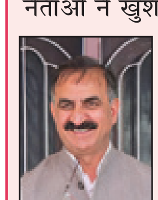

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी इस मौके पर नेहरू को याद किया। उन्होंने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री ने देश के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मजबूत नींव रखी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, ''पृथ्वी से चंद्रमा तक जय विज्ञान, जय हिंदुस्तान।'' जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने एक्स पर कहा, ''चांद पर भारत।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, 'चक दे इंडिया।'

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, ''चांद मुबारक। अब हमें और आगे बढ़ना है।'' इसरो ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडर 'विक्रम' और 26 किलोग्राम वजनी रोवर 'प्रज्ञान' से लैस लैंडर मॉड्यूल की 'सॉफ्ट लैंडिग' कराने में सफलता हासिल की।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा, ''इसरो के वैज्ञानिकों के लिए बहुत खुशी की बात है। 2019 में चंद्रयान-2 से मिले झटके के बाद, उन्होंने खुद को संभाला, निराशा के आंसू पोंछे और फिर से सफल होने के लिए दृढ़ संकल्पित हुए।''

रतन टाटा को 'उद्योग रत्न' पुरस्कार

बीएनटी न्यूज

भारत के दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा को 'उद्योग रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार ने दिया।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में टाटा के अहम योगदान पर प्रकाश डाला गया।

रतन टाटा के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनके आवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां उन्हें उद्योग रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह असाधारण सम्मान महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू किए गए सम्मानित पुरस्कारों की श्रृंखला में नया जोड़ा गया है।

उद्योग रत्न पुरस्कार की शुरूआत के साथ, राज्य सरकार उन असाधारण व्यक्तियों और समूहों की सराहना करना चाहती है, जिनके अमिट योगदान ने विभिन्न क्षेत्रों पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है। ये क्षेत्र व्यवसाय, उद्योग, शिक्षा, रियल एस्टेट, पर्यटन, वित्तीय सेवाएं, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, भोजन, स्वास्थ्य सेवा और बहुत कुछ के दायरे में फैले हुए हैं।

मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा
3 जजों की समिति ने सुप्रीम कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी

बीएनटी न्यूज

मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन महिला न्यायाधीशों वाली समिति ने शीर्ष अदालत के समक्ष तीन रिपोर्ट पेश की हैं, जिसमें महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेजों को फिर से जारी करने, मुआवजा योजना के उन्नयन की जरूरत पर जोर दिया गया है और इसके कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए डोमेन विशेषज्ञों की नियुक्ति की सिफारिश की है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिकाकर्ताओं और केंद्र और मणिपुर सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को सुझाव के लिए इन रिपोर्टों को प्रसारित करने का आदेश दिया। पीठ ने निर्देश दिया कि सुझावों का संकलन अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर करेंगी। आगे वह इन्हें मणिपुर राज्य के महाधिवक्ता के साथ साझा करेंगी।

एक संक्षिप्त सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत द्वारा नियुक्त समिति ने तीन रिपोर्ट दायर की हैं: (1) इस तथ्य पर प्रकाश डालने वाली एक रिपोर्ट कि मणिपुर के कई निवासियों ने हिंसा में अपने आवश्यक दस्तावेज खो दिए होंगे। रिपोर्ट में आधार कार्ड आदि के पुनर्निर्माण में सहायता की मांग की गई है, (2) मणिपुर पीड़ित मुआवजा योजना को एनएएलएसए (राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण) के अनुरूप लाने के लिए इसे उन्नत करने की जरूरत है, (3) अपने कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए डोमेन विशेषज्ञों की नियुक्ति का प्रस्ताव रखा गया है।

शीर्ष अदालत ने कुछ प्रक्रियात्मक निर्देश पारित करने के लिए याचिकाओं के समूह को 25 अगस्त को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन महिला न्यायाधीशों – जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल, बॉम्बे उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश शालिनी फणसलकर जोशी और दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश आशा मेनन की एक समिति गठित की थी।

इसने समिति को मणिपुर में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित जानकारी एकत्र करने के साथ-साथ राहत शिविरों की स्थितियों की निगरानी करने और पीड़ितों को मुआवजे पर निर्णय लेने का काम सौंपा था।

समिति को हिंसा के पीड़ितों को मुआवजा और मुआवजा देने का काम सौंपा गया है।

समिति राज्य सरकार को हिंसा से प्रभावित व्यक्तियों की चल और अचल संपत्तियों को हुए नुकसान के मुआवजे का निपटान करने के निर्देश जारी कर सकती है। इसे पाक्षिक आधार पर अपनी अद्यतन स्थिति रिपोर्ट सीधे शीर्ष अदालत को सौंपने का आदेश दिया गया है।

भारत में आजादी की नींव हमारा संविधान है: राहुल गांधी

बीएनटी न्यूज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लेह में कहा कि भारत में आजादी की नींव हमारा संविधान है।

राहुल गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर अपने लोगों को संस्थागत ढांचे के प्रमुख हिस्सों में रखने का भी आरोप लगाया।

लेह पहुंचे राहुल गांधी ने युवाओं से बातचीत करते हुए कहा था कि भारत को 1947 में आजादी मिली और भारत में आजादी की नींव भारत का संविधान है।

राहुल गांधी ने कहा कि संविधान के कुछ नियम हैं। इसलिए आप संविधान को कैसे लागू करते हैं? जिस तरह से आप संविधान को लागू करते हैं, वह ऐसी संस्थाओं की स्थापना करके होता है जो संविधान के दृष्टिकोण का समर्थन करती हैं। लोकसभा, राज्यसभा, योजना आयोग, फोर्स ये सभी तत्व हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि अब क्या हो रहा है... जब आप सीधे संविधान पर हमला करते हैं? अब भाजपा और आरएसएस क्या कर रहा है कि वह अपने लोगों को संस्थागत ढांचे के प्रमुख हिस्सों में रख रहा है।

इससे पहले दिन में राहुल गांधी ने लेह में एक फुटबॉल मैच भी देखा और लोगों से बातचीत की। पार्टी नेताओं के मुताबिक, राहुल गांधी 25 अगस्त तक अपने लद्दाख दौरे के दौरान डुमरा घाटी का दौरा करेंगे और वह पैंगोंग त्सो झील का दौरा करेंगे। राहुल गांधी अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि भी अर्पित करेंगे।

इसके बाद राहुल गांधी कारगिल जाएंगे और वहां एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे और अपनी यात्रा के दौरान वह लद्दाख के लोगों के साथ बातचीत भी करेंगे।

शरद पवार ने विपक्ष शासित राज्य सरकारों को 'अस्थिर' करने में भूमिका के लिए भाजपा की आलोचना की

बीएनटी न्यूज

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने विधिवत रूप से चुनी हुई विपक्ष शासित राज्य सरकारों को कमजोर करने में भूमिका के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की।

महाराष्ट्र के बीड में एक रैली में पवार ने कहा कि भले ही भाजपा स्थिर शासन की वकालत करती है, लेकिन सच तो यह है कि वह वैध रूप से चुनी हुई दूसरी पार्टियों की राज्य सरकारों को अस्थिर करने की साजिश रचती है।

स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पवार ने कहा: 15 अगस्त को पीएम मोदी ने कहा था 'मैं फिर वापस आऊंगा।' मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि इसी तरह का वादा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने भी किया था। वह सत्ता में लौटे जरूर, लेकिन निचले पद पर।

पवार ने मौजूदा सरकार पर सत्ता में बने रहने के लिए जाति, धर्म और भाषा पर केंद्रित विभाजनकारी रणनीतियां अपनाने का भी आरोप लगाया।

महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), कांग्रेस और शिवसेना के गठबंधन वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को सत्ता गंवानी पड़ी है।

एमवीए गठबंधन के पीछे वास्तुकार माने जाने वाले शरद पवार को एक और झटका तब लगा, जब उनके भतीजे अजीत पवार ने भी बगावत कर की। अजीत ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के साथ गठबंधन किया और उपमुख्यमंत्री बन गए। इन घटनाक्रमों के बाद से शरद पवार एनसीपी के बागियों को यह समझाने के लिए लगातार रैलियां कर रहे हैं कि वे गफलत में गलत जगह चले गए हैं।

अधीर रंजन चौधरी को 30 अगस्त को बुला सकती है लोकसभा की विशेषाधिकार समिति

बीएनटी न्यूज

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी के निलंबन के मसले पर सदन की विशेषाधिकार समिति की हुई पहली बैठक में यह फैसला किया गया है कि कांग्रेस सांसद चौधरी को समिति के सामने पेश होकर अपने ऊपर लगे आरोपों का जवाब देने का मौका दिया जाए।

सूत्रों के मुताबिक, विशेषाधिकार समिति लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को अपना पक्ष रखने के लिए 30 अगस्त को समिति के सामने पेश होने के लिए बुला सकती है।

हालांकि, तारीख को लेकर अभी आधिकारिक तौर पर अंतिम फैसला होना बाकी है।

आपको बता दें कि संसद के मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर 10 अगस्त को सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को सदन से निलंबित करते हुए उनके मामले को सदन की विशेषाधिकार समिति को भेज दिया गया था।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा 10 अगस्त को ही लोकसभा में पेश किए गए प्रस्ताव को सदन द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उसी दिन अधीर रंजन चौधरी द्वारा सदन में लगातार किए जा रहे व्यवहार की जांच का मामला सदन की विशेषाधिकार समिति को भेजते हुए समिति की रिपोर्ट आने तक उन्हें सदन से निलंबित करने की घोषणा कर दी थी।

खड़गे ने मोदी से पूछा, आप 'इंडिया' से क्यों डरते हैं?

बीएनटी न्यूज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह अहंकारी हैं, मगर डरे हुए हैं।

खड़गे ने मोदी के खुद को गरीब आदमी का बेटा होने के दावे को लेकर भी उन पर तंज कसा और कहा, अगर हर कोई आपकी तरह गरीब होता और 10 लाख रुपये का सूट पहनता तो भारत एक महान और समृद्ध देश होता।'

खड़गे ने आज यहां आयोजित महिला कांग्रेस के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'प्रतिज्ञा उज्ज्वल भारत की' को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से यह संकल्प लेने का आ'न किया कि चाहे कुछ भी करना पड़े, देश को भाजपा सरकार से छुटकारा दिलाना है, क्योंकि इस पार्टी ने समाज के सभी वर्गों को निराश किया है, चाहे वे अल्पसंख्यक हों, महिलाएं हों, युवा हों, गरीब हों या छात्र हों।

यह कहते हुए कि मोदी अहंकारी होने के साथ डरे भी हुए हैं, उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री 'एक अकेला सब पे भारी' कहकर दावा करते हैं कि पूरे विपक्ष के लिए वह अकेले ही काफी हैं। मगर सच्चाई यह है कि वह विपक्षी गठबंधन 'भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया)' से डरे हुए हैं, इसलिए देखादेखी एनडीए बनाने में लगे हुए हैं और इंडिया के नेताओं को बदनाम करने और उन पर आधारहीन

आरोप लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वह अपने हर भाषण में ज्यादा समय इंडिया पर बोलने के लिए मजबूर हो गए हैं।

राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, अगर वह खुद को अकेले ही विपक्ष से मुकाबला करने के लिए पर्याप्त समझते हैं, तो इंडिया से क्यों डरते हैं और हमेशा डर के मारे रोते रहते हैं।

खड़गे ने कहा, 'मोदी अक्सर यह दावा करते रहे हैं कि विपक्ष उन्हें स्वीकार नहीं कर रहा है और बर्दाश्त नहीं कर रहा है, क्योंकि वह एक 'गरीब आदमी के बेटे' हैं। काश हर भारतीय उनकी तरह गरीब होता जो 10 लाख रुपये का कोट पहन सकता।'

उन्होंने मोदी को याद दिलाया, 'गुजरात के 12 साल के मुख्यमंत्री और नौ साल के प्रधानमंत्री के रूप में हमने आपको काफी सहन किया है और फिर भी आप कहते हैं कि आपको बर्दाश्त नहीं किया जा रहा है। आपको बर्दाश्त ही तो किया जा रहा है, मगर यह मत भूलिए कि बर्दाश्त करने की भी एक सीमा होती है।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने राहुल गांधी को 'मनमाने ढंग से' और 'साजिश रचकर' सांसद के तौर पर अयोग्य ठहराए जाने का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने एक अभियान भाषण के दौरान किसी जाति या समुदाय विशेष का नाम लिए बिना केवल एक उपनाम का उल्लेख किया था। इसके लिए उन्हें अधिकतम दो साल की सजा दी गई और 24 घंटे के भीतर उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।... और दूसरी तरफ हमारा बड़ा दिल देखिए कि पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने पति राजीव गांधी के हत्यारों को माफ कर दिया।

खड़गे ने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा, एक तरफ सोनिया गांधी जैसी करुणा से भरी महिला और नेता हैं और दूसरी तरफ ऐसे नेता हैं, जो उन लोगों को मारते हैं और जेल में डालते हैं जो केवल उनके गलत काम का विरोध करते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि मोदी सरकार किस तरह विपक्षी नेताओं के खिलाफ झूठे और निराधार आरोप लगाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय, आयकर और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि एकजुट विपक्ष से डरी हुई है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और खुद उन्हें ईडी ने तलब किया था। खड़गे ने कहा, 'लेकिन हम इन चीजों से डरेंगे नहीं। कांग्रेस पार्टी डरेगी नहीं और लड़ती रहेगी। यह कुर्बानी लेने वाली नहीं, देने वाली पार्टी है और इतिहास इसका गवाह है।'

पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं, जिनमें देशभर के लगभग 4,000 ब्लॉक अध्यक्ष, जिला और राज्य अध्यक्ष शामिल थे, से जोरदार अपील करते हुए खड़गे ने कहा, अगर वे भाजपा से छुटकारा पाने का संकल्प लें, तो वे उन्हें सबक सिखा सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि पहले महिलाओं को अतिरिक्त लाभ मिलता था, क्योंकि महिला मतदाता पुरुष मतदाताओं की तुलना में एक प्रतिशत अधिक हैं।

उन्होंने कहा, यह पंडित जवाहरलाल नेहरू, अंबेडकर और अन्य नेताओं की प्रगतिशील दृष्टि और दूरदर्शिता थी, जिन्होंने आजादी के तुरंत बाद महिलाओं को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के माध्यम से वोट देने का समान अधिकार दिया।

खड़गे ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों ने भी आजादी के समय महिलाओं को समान मतदान का अधिकार नहीं दिया था और उन्हें यह अधिकार बहुत बाद में मिला।

उन्होंने कहा, 'एक सफाई कर्मचारी और एक पूंजीपति दोनों को समान अधिकार प्राप्त है, यही हमारे लोकतंत्र और संविधान की ताकत है, जिसे मौजूदा सराकर खत्म करने पर तुली हुई है।'

राज्यसभा के 225 सांसदों में से 75 पर आपराधिक आरोप : रिपोर्ट

बीएनटी न्यूज

मौजूदा 225 राज्यसभा सांसदों में से 75 ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, इनमें से चार पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोप हैं। एक नई रिपोर्ट से यह पता चला। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच (एनईडब्ल्यू) ने एक रिपोर्ट में कहा कि उसने 233 राज्यसभा सांसदों में से 225 की आपराधिक पृष्ठभूमि के विवरण का विश्लेषण किया है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा राज्यसभा में एक सीट खाली है, जबकि तीन सांसदों का विश्लेषण नहीं किया गया है, क्योंकि उनके हलफनामे अनुपलब्ध हैं और जम्मू-कश्मीर की चार सीटें अपरिभाषित हैं।

विश्लेषण किए गए 225 राज्यसभा सांसदों में से 75, यानी 33 प्रतिशत सांसदों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि 41 यानी 18 फीसदी राज्यसभा सांसदों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि दो सांसदों ने हत्या (आईपीसी धारा 302) से संबंधित मामले घोषित किए हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि चार सांसदों ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की घोषणा की है। चार सांसदों में से, के.सी. वेणुगोपाल, राजस्थान ने बलात्कार (आईपीसी धारा-376) से संबंधित मामला घोषित किया है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चार मौजूदा सांसदों ने हत्या के प्रयास (आईपीसी धारा 307) से संबंधित मामलों की घोषणा की है।

इसमें आगे कहा गया है कि भाजपा के 85 राज्यसभा सांसदों में से 23 (जो कि 27 प्रतिशत), कांग्रेस के 30 में से 12 (40 प्रतिशत), तृणमूल कांग्रेस के 13 में से चार (31 प्रतिशत), राजद के छह में से पांच (83 प्रतिशत), राजद के छह में से चार (80 प्रतिशत), सीपीआई (एम) के पांच में से चार (80 प्रतिशत), आप के 10 में से तीन (30 प्रतिशत), वाईएसआरसीपी के नौ में से तीन (33 प्रतिशत) और एनसीपी के तीन में से दो (67 प्रतिशत) ने अपने हलफनामे में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बीजेपी के 85 में से 12 (14 फीसदी), कांग्रेस के 30 में से आठ (27 फीसदी), तृणमूल कांग्रेस के 13 में से दो (15 फीसदी), राजद के छह में से तीन (50 फीसदी), सीपीआई (एम) के पांच में से दो (40 प्रतिशत), आप के 10 में से एक (10 प्रतिशत), वाईएसआरसीपी के नौ में से तीन (33 प्रतिशत) और एनसीपी के तीन में से एक (33 प्रतिशत) ने अपने हलफनामे में अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महाराष्ट्र में आपराधिक मामलों वाले राज्यसभा सांसदों की संख्या सबसे अधिक है, इसके बाद बिहार और उत्तर प्रदेश का स्थान है। इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र से 19 राज्यसभा सांसदों में से 12 (63 प्रतिशत), बिहार से 16 में से 10 (63 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश से 30 में से सात (23 प्रतिशत), तमिलनाडु के 18 में से छह (33 प्रतिशत), केरल के नौ में से छह (67 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल के 16 में से पांच (31 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

राजस्थान ने आपदा राहत के लिए हिमाचल को दिए 15 करोड़ रुपये

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राजस्थान सरकार ने राज्य में प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए आपदा राहत कोष में 15 करोड़ रुपये दिए हैं। सुक्खू और लोगों ने आपदा की इस घड़ी में सहायता प्रदान करने के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त किया। इस राशि से आपदा प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने विभिन्न संगठनों और जनता से इस कोष में योगदान देने का आग्रह किया ताकि प्रभावित लोगों को पर्याप्त सहायता प्रदान की जा सके। इस महीने की शुरुआत में, हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 22 लोग मारे गए थे। राज्य की राजधानी में भगवान शिव को समर्पित एक मंदिर के ढह जाने से नौ लोगों की मौत हो गई थी। एक अन्य प्राकृतिक आपदा में, सोलन जिले के कंडाघाट क्षेत्र में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद सात लोग जिंदा दफन हो गए थे। बारिश के कहर ने बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया है और पहाड़ी राज्य में कई लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। मंडी जिले में बारिश के कारण छह लोगों की मौत हुई है।

भाजपा ने दिल्ली की सभी 7 लोकसभा सीटों के लिए प्रभारियों के नामों की घोषणा की

2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा ने दिल्ली की सभी सात संसदीय सीटों के लिए अपने प्रभारियों के नामों का ऐलान कर दिया है। भाजपा ने कहा कि दिनेश प्रताप सिंह को नई दिल्ली लोकसभा सीट का प्रभारी, हर्ष मल्होत्रा को पूर्वी दिल्ली सीट का प्रभारी, योगेन्द्र चंदोलिया को उत्तर पश्चिम दिल्ली का प्रभारी और कमलजीत सहरावत को उत्तर पूर्वी दिल्ली का प्रभारी नियुक्त किया गया है। राजेश भाटिया को चांदनी चौक लोकसभा सीट, राजीव बब्बर को दक्षिणी दिल्ली सीट और जय प्रकाश को पश्चिमी दिल्ली सीट का प्रभारी नियुक्त किया गया है। बीजेपी ने दिल्ली में जिला प्रभारी और सह-प्रभारी भी नियुक्त किए हैं।

एमसीडी कर्मचारियों को 13 साल बाद महीने की पहली तारीख को वेतन मिला

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने त्यागराज स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों से मुलाकात की और 317 कर्मचारियों को स्थायित्व प्रमाणपत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान केजरीवाल ने कहा कि 13 साल बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों को महीने की पहली तारीख को वेतन मिला। उन्होंने कहा, अब सभी कर्मचारियों से मिला और हर कोई बेहद खुश है।

राहुल ने दिल्ली के औद्योगिक क्षेत्र का दौरा कर लोगों को चौंकाया

बीएनटी न्यूज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दक्षिणी दिल्ली के ओखला औद्योगिक क्षेत्र के अपने अघोषित दौरे से लोगों को चौंका दिया।

सबसे पुरानी पार्टी के आधिकारिक चैनल कांग्रेस टेलीविजन ने एक ट्वीट में कहा, "राहुल गांधी आज लोगों को सुनने के लिए अचानक ओखला औद्योगिक क्षेत्र का दौरा किया।"

हालांकि, पार्टी नेता उनकी यात्रा के उद्देश्य पर चुप्पी साधे हुए हैं। राहुल गांधी ने 1 अगस्त को एशिया की सबसे बड़ी सब्जी और फल मंडियों में से एक आजादपुर मंडी का दौरा किया था, जहां उन्होंने व्यापारियों के साथ कुछ सब्जी और फल विक्रेताओं से मुलाकात की थी और उनकी परेशानियों पर उनके साथ चर्चा की थी।

इससे पहले भी कांग्रेस नेता अपने अघोषित दौरे से लोगों को चौंका चुके हैं। पिछले महीने, उन्होंने हरियाणा के सोनीपत में खेतों का दौरा किया था और धान की बुआई की थी और महिला किसानों को दोपहर के भोजन के लिए अपने आवास पर भी आमंत्रित किया था। उन्होंने ट्रक ड्राइवरों की समस्याओं को समझने के लिए मई में हरियाणा के मुरथल से अंबाला तक ट्रक की सवारी भी की थी।

कांग्रेस नेता ने पहले बेंगलुरु में गिग श्रमिकों से मुलाकात की और एक डिलीवरी पार्टनर के साथ स्कूटी भी चलाई थी।

उन्होंने यूपीएससी उम्मीदवारों के साथ बातचीत करने के लिए दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके का दौरा करने के अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजी पुरुष छात्रावास का भी दौरा किया और छात्रों के साथ दोपहर का भोजन किया। उन्होंने इस साल अप्रैल में फूड व्लॉगर कुणाल विजयकर के साथ जामा मस्जिद और बंगाली मार्केट इलाकों की भी यात्रा की थी।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और मोदी ने वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

बीएनटी न्यूज

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी समाधि 'सदैव अटल' पर पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी के समाधि स्थल 'सदैव अटल' पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं प्रार्थना सभा में शामिल होकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी समेत केंद्र सरकार के कई अन्य मंत्रियों और भाजपा के दिग्गज नेताओं ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अटल बिहारी वाजपेयी की बेटी नमिता भट्टाचार्य और दामाद रंजन भट्टाचार्य ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रफुल्ल पटेल, एम थंबीदुरई और जीतन राम मांझी सहित एनडीए में शामिल कई घटक दल के नेताओं ने भी 'सदैव अटल' पहुंच कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश भी पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं प्रार्थना सभा में शामिल हुए। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भाजपा के दिग्गज नेता रहे भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व से भारत को बहुत लाभ हुआ है और उन्होंने देश को 21वीं सदी में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक्स (पहले ट्विटर) कर कहा, "मैं भारत के 140 करोड़ लोगों के साथ मिलकर अटल जी को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

उनके नेतृत्व से भारत को बहुत लाभ हुआ। उन्होंने हमारे देश की प्रगति को बढ़ावा देने और कई क्षेत्रों में इसे 21वीं सदी में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।"

द्वारका एक्सप्रेस-वे भारत में राजमार्ग विकास का बड़ा प्रतीक, बदनाम करने की आप की कोशिश निंदनीय - भाजपा

बीएनटी न्यूज

भाजपा ने द्वारका एक्सप्रेस-वे को भारत में राजमार्ग विकास का एक बड़ा प्रतीक बताते हुए आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी एक्सप्रेस-वे को बदनाम करने और इस पर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है जो कि निंदनीय है।

भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आप के रवैए की आलोचना करते हुए कहा कि द्वारका एक्सप्रेस-वे को बदनाम करने के लिए सीएजी की जिस रिपोर्ट का हवाला दिया जा रहा है, वह कोई समग्र रिपोर्ट नहीं है। दरअसल यह इस धारणा पर आधारित है कि चार लेन का फ्लाईओवर बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा है कि आठ साल की सरकार के बाद भी आम आदमी पार्टी के पास बताने के लिए कोई विकास परियोजना नहीं है, जबकि केंद्र सरकार ने दिल्ली को इंजीनियरिंग के कई चमत्कार दिए हैं।

सचदेवा ने कहा कि द्वारका एक्सप्रेस-वे एक इंजीनियरिंग कौशल है और भारत में राजमार्ग विकास का एक बड़ा प्रतीक है, जो दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ शहरी राजमार्गों के बराबर है। द्वारका एक्सप्रेस-वे ने दिल्ली शहर में प्रदूषण के स्तर को कम करने के अलावा देश के पश्चिमी हिस्से के साथ उत्तर भारतीय राज्यों और पश्चिमी दिल्ली की कनेक्टिविटी को बहुत आसान बना दिया है क्योंकि उत्तर भारतीय राज्यों से पश्चिमी भारत की ओर जाने वाले भारी यातायात को इस पर मोड़ दिया गया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोग द्वारका एक्सप्रेस-वे, अक्षरधाम - मेरठ एक्सप्रेस-वे, धौला कुआं - एयरपोर्ट रोड, दिल्ली - मुंबई एक्सप्रेस-

वे, महरौली - बदरपुर रोड और यूईआर -2 जैसे चमत्कार देने के लिए केंद्र सरकार की आभारी है।

उन्होंने आगे कहा कि यह योजना पहली बार 2000 की शुरूआत में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखे बिना तत्कालीन यातायात की मात्रा के आधार पर बनाई गई थी, इसलिए अनुमानित लागत भी कम थी। इसे सबसे पारदर्शी अंतर्राष्ट्रीय टेंडर प्रक्रिया के बाद ठेकेदारों द्वारा बनाया गया है। द्वारका एक्सप्रेसवे की लंबाई 29 किमी है और यह 14 लेन का है। 8 लेन एलिवेटेड हैं जबकि 6 लेन सर्विस लेन हैं, जिससे यह 563 किलोमीटर लंबी लेन परियोजना बन गई है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी को द्वारका एक्सप्रेसवे

द्वारका एक्सप्रेस-वे को बदनाम करने के लिए सीएजी की जिस रिपोर्ट का हवाला दिया जा रहा है, वह कोई समग्र रिपोर्ट नहीं है। दरअसल यह इस धारणा पर आधारित है कि चार लेन का फ्लाईओवर बनाया जा रहा है।

जैसे कौशल को बदनाम करने की कोशिश करने के बजाय अपनी खुद की बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएं पेश करनी चाहिए।

सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल को चुनौती देते हुए कहा कि वे दिल्ली में 2014 से केंद्र सरकार द्वारा पूरी की गई विकास परियोजनाओं की तुलना में 2015 से दिल्ली में उनकी सरकार द्वारा किए गए विकास परियोजनाओं पर चर्चा के लिए दिल्ली विधानसभा का सत्र बुलाएं।

उन्होंने कहा कि 2020 के चुनावों के बाद से, दिल्ली के लोगों ने अब अरविंद केजरीवाल की सांप्रदायिकता, निष्क्रियता, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का असली चेहरा देखा है और 2025 में उन्हें सत्ता से बाहर कर देंगे।

उन्होंने दिल्ली सीएम की आलोचना करते हुए यह भी कहा कि आज फिर से दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल को मुफ्त पानी और बिजली के मुद्दे उठाते हुए और दिल्ली विधानसभा में पीड़ित कार्ड खेलते हुए देखा है। लेकिन लोगों को सच्चाई पता है कि केजरीवाल असंतुष्ट हैं क्योंकि उन्होंने ट्रांसफर पोस्टिंग की अपनी शक्तियां खो दी हैं, जिसका दुरुपयोग वह चुनावी निधी एकत्र करने के लिए कर रहे थे।

हिमाचल के सामने 'पहाड़ जैसी चुनौती': सुक्खू

बीएनटी न्यूज

हिमाचल प्रदेश मूसलाधार मानसूनी बारिश के कारण नष्ट हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए एक वर्ष का लंबा समय लग सकता है। यह बात राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कही। उन्होंने दावा किया कि राज्य इससे निपटने में सक्षम है। सुक्खू ने खुलासा किया कि भारी बारिश के दो गंभीर दौरों के दौरान हुए विनाश की अनुमानित लागत - एक चालू सप्ताह में और दूसरी जुलाई में - कुल मिलाकर लगभग 10,000 करोड़ रुपये है। इस सप्ताह राज्य में बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं हुईं, जिनके चलते सड़कें बंद हो गईं और घर ढह गए। लगभग 60 लोगों की मौत हो गई तथा कुछ और लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज कई क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि कांगड़ा से 650 लोगों को निकाला गया। कांगड़ा में अभी भी करीब 100 लोग फंसे हुए हैं, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। शिमला में एक और शव बरामद हुआ है। राज्य को करीब 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हमें राज्य के बुनियादी ढांचे के पुनर्विकास में लगभग 1 साल लगेंगे। उन्होंने कहा कि हमें एक वर्ष में बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से बहाल करना होगा। मैं इसी को ध्यान में रखकर काम कर रहा हूं। यह एक बड़ी चुनौती है, पहाड़ जैसी चुनौती है। लेकिन हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जगह-जगह इमारतें जल प्रवाह के प्राकृतिक मार्ग को बाधित करती हैं, और संरचनाओं को तैयार करने पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार हर संभव मदद उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। हम भी लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा के समय सब मिलकर काम कर रहे हैं...लोगों के लिए आश्रय की व्यवस्था की जा रही है। राज्यपाल ने कहा कि रउन्ट को निर्देश दिए गए हैं कि जिन पेड़ों को कटवाना आवश्यक है, उन्हें कटा दें जिससे लोगों के घरों की सुरक्षा हो सके। लगभग 250-300 परिवार आश्रय गृह और सामुदायिक केंद्र में रह रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि कृष्णानगर घनी आबादी वाला इलाका है और यहां बड़े पैमाने पर क्षति हुई है। करीब 250 परिवारों जो प्रभावित हुए हैं उनके लिए सामुदायिक केंद्रों में रहने की व्यवस्था की गई है...कई राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग बंद हैं। उन्हें खोलने का प्रयास कर रहे हैं। हम पर्यटकों से अपील करेंगे कि यात्रा के दौरान सतर्क रहें।

सरकार बदलते ही बुलडोजर की दिशा जायेगी बदल : अखिलेश

बीएनटी न्यूज

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि सरकार बदलते ही बुलडोजर की दिशा बदल जाएगी।

सपा मुखिया अखिलेश यादव लोक जागरण अभियान के तहत फतेहपुर में पार्टी के प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि बुलडोजर वाली भाजपा सरकार सबसे बड़ी भूमाफिया भाजपा सरकार है। अयोध्या में भाजपा नेताओं ने सबसे ज्यादा जमीन पर कब्जा किया है। पिछड़े, दलितों, अल्पसंख्यकों पर अन्याय, अत्याचार कर रही है। लेकिन, याद रखें बुलडोजर का दिमाग नहीं होता है। सरकार बदलेगी तो बुलडोजर की दिशा बदल जाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। बिजली, स्वास्थ्य, पुलिस सब में भारी भ्रष्टाचार है। भाजपा की विचारधारा के

लोगों और उनके मातृ संगठन ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में हुए भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था। उसी को छिपाने के लिए अब घर-घर झंडा लगाने का काम करते हैं।

भाजपा के लोगों ने अंग्रेजो के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, क्रांतिकारियों और समाजवादियों का साथ नहीं दिया था।

उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार में आने के बाद भाजपा नए तरीके का भारत छोड़ो आंदोलन चला रही है। भाजपा के तमाम करीबी उद्योगपति बैंकों से पैसा लेकर भारत छोड़ गए। बेंगलुरु के उद्योगपति से लेकर गुजरात के कारोबारियों तक की लम्बी सूची है। जनता यह सब जानती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस के दाम बहुत बढ़ा दिए हैं। महंगाई आसमान पर है। भाजपा गरीबों की जेब काटकर अमीरों की जेब भर रही है।

सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सरकार के विकास कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। सड़कों में गड्ढे भरे पड़े है। केवल 100 रुपये का राशन देकर गरीबों को धोखा दे रही है। किसानों की आय दुगनी नहीं हुई। खेती का लागत मूल्य दुगना हो गया।

अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली नहीं आती है लेकिन सरकार भारी भरकम बिजली का बिल भेज देती है। बड़े पैमाने पर लूट और भ्रष्टाचार है। स्वास्थ्य सेवायें खराब हो चुकी है। गरीबों को दवा, इलाज नहीं मिल रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने नौजवानों को धोखा दिया है। समाजवादी पार्टी की सरकार आएगी तो अग्निवीर योजना की जगह नौजवानों को पूरी नौकरी देंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा दरारजीवी पार्टी है। ये समाज में दरार पैदा कर राजनीति करते हैं। इंडिया गठबंधन से घबराए हुए हैं। भाजपा अपनी सत्ता बचाने और वोट के लिए लोगों और पार्टियों में दरार डालने का काम करती है।

समंदर पटेल कांग्रेस में शामिल

बीएनटी न्यूज

मध्य प्रदेश में दल-बदल का दौर जारी है। इसी क्रम में भाजपा को बड़ा झटका लगा, जब नीमच जिले के जावद के भाजपा नेता समंदर पटेल ने कांग्रेस का दामन थाम लिया।

उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ली। सैकड़ों वाहनों के काफिले और अपने समर्थकों के साथ भोपाल पहुंचे समंदर पटेल का कमलनाथ ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर कांग्रेस में स्वागत किया।

कमलनाथ ने पटेल के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर कहा कि ये कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, रीति-नीति, सिद्धांतों और अपनी निष्ठा के साथ बिना कोई शर्त के कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं, इन्हें इनकी सच्चाई यहां लायी है और मुझे पूरा विश्वास है कि इसी सच्चाई को ये अपने क्षेत्र के लोगों को बतायेंगे।

उन्होंने कहा कि 2018 में कांग्रेस की जनमत वाली सरकार बनी थी, लेकिन शिवराज सिंह ने खरीद फरोख्त कर धनमत की सरकार बना ली। 18 साल से भाजपा की सरकार है, लेकिन प्रदेश की तस्वीर आप सबके सामने हैं, जहां देखो वहां भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार, घोटाला ही घोटाला। शिवराज सरकार भ्रष्टाचार में नंबर वन तो है ही, महिलाओं, किसानों, युवाओं पर अत्याचार में भी नंबर वन है। अब तो प्रदेश की जनता ने शिवराज सरकार को विदा करने का मन बना लिया है और मैं भी उन्हें विदा करूंगा, मगर प्यार से।

भाजपा का 'मिशन बिहार' : सहयोगियों का फिक्स किया कोटा, अपने सांसदों को दिया यह निर्देश

बीएनटी न्यूज

भाजपा ने 2024 के लोक सभा चुनाव में नीतीश-तेजस्वी-कांग्रेस और अन्य दलों के महागठबंधन को मात देने के लिए 'मिशन बिहार' का अपना ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है।

इस ब्लू प्रिंट के तहत जहां एक तरफ भाजपा ने अपने सहयोगी दलों को दी जाने वाली लोकसभा की सीटों का कोटा फिक्स कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ अपनी पार्टी के सांसदों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर डट जाने का निर्देश दिया है।

भाजपा ने इसके साथ ही छोटे-छोटे सहयोगी दलों और अपने खास नेताओं के बल पर बिहार के जातीय समीकरण को साधते हुए कुशवाहा, निषाद, दलित और महादलित मतदाताओं के साथ ही नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के सबसे मजबूत वोट बैंक माने जाने वाले अति पिछड़ा समाज के कुर्मी और कोइरी वोटरों को भी लुभाने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। भाजपा न केवल नीतीश कुमार के वोट बैंक को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है बल्कि उनके सांसदों पर भी भाजपा की नजरें बनी हुई है।

सूत्रों की माने तो, भाजपा इस बार बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से 31 सीटों पर स्वयं लड़ने की तैयारी कर रही है और अपने गठबंधन के सहयोगी दलों को 9 सीट देने का प्लान बना चुकी है।

भाजपा केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की पार्टी रालोजपा और हाल ही में फिर से एनडीए गठबंधन के साथ जुड़े चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास), दोनों दलों

को मिलाकर सिर्फ छह सीटें ही देने के मूड में है।

बताया जा रहा है कि चाचा और भतीजे दोनों को यह संकेत दे दिया गया है कि वे हाजीपुर लोकसभा सीट सहित अपने सभी विवादित मुद्दों को सुलझा लें।

भाजपा इस बार फिर से साथ आए उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी रालोजद को इस बार सिर्फ दो लोकसभा सीट ही देने के मूड में है और अगर हम के जीतन राम मांझी लोकसभा सीट को लेकर अड़े रहे तो भाजपा उनके या उनके बेटे के लिए सिर्फ एक सीट देने को तैयार है। वीआईपी के मुकेश सहनी के भी फिर से एनडीए गठबंधन में वापसी के दरवाजे अभी पूरी तरह से बंद नहीं हुए हैं। वहीं, इसके साथ ही भाजपा ने अपने वर्तमान सांसदों को भी अपने-अपने संसदीय इलाकों में जाकर टिक जाने का निर्देश दे दिया है।

पार्टी ने सांसदों को सख्त हिदायत दी है कि आधिकारिक काम के बिना वे अनावश्यक रूप से न तो दिल्ली आएं और न ही अपने संसदीय क्षेत्र को छोड़कर कहीं और जाएं।

ऐसा नहीं करने वाले सांसदों का पार्टी टिकट तक काटने की चेतावनी दे चुकी है। यह माना जा रहा है कि पार्टी इस बार अपने 2-3 सांसदों का टिकट काट सकती है या उनके संसदीय क्षेत्र में बदलाव भी कर सकती है।

पार्टी बिहार की मुस्लिम बहुल सीटों पर भी ज्यादा ध्यान दे रही है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जहां एक तरफ नीतीश के वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास लगातार जारी है तो वहीं अपने सहयोगियों पासवान, मांझी और कुशवाहा के समर्थन के अलावा जेडीयू के कुछ सांसदों को भाजपा में शामिल कराकर जातीय गणित को भी साधने की योजना बना ली गई है।

बता दें कि भाजपा ने सैद्धांतिक रूप से यह भी फैसला किया है कि इस बार एनडीए गठबंधन के सहयोगियों को भी उनके उम्मीदवार की जीत पाने की संभावना के आधार पर ही सीटें दी जाएगी और अगर किसी सहयोगी के पास जीतने वाले उम्मीदवार नहीं हुए तो फिर भाजपा अपने नेता को उस सहयोगी दल के बैनर तले लड़ा सकती है।

हरियाणा के नए डीजीपी बने शत्रुजीत कपूर

बीएनटी न्यूज

हरियाणा सरकार ने 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी शत्रुजीत सिंह कपूर को नया पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया। उन्होंने पी.के. अग्रवाल का स्थान लिया है जो दो साल का कार्यकाल पूरा होने से एक दिन पहले ही सेवानिवृत्त हो गए।

कपूर का नाम दो आईपीएस अधिकारियों – मुहम्मद अकील (1988 बैच), और रमेश चंद्र मिश्रा (1989 बैच) के साथ यूपीएससी की पैनल समिति द्वारा शॉर्टलिस्ट किया गया था।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक रहे कपूर को भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का विश्वासपात्र माना जाता है।

2014 में मौजूदा सरकार के सत्ता में आने पर उन्हें राज्य का पहला सीआईडी प्रमुख नियुक्त किया गया था।

कपूर का कार्यकाल सीबीआई में भी रहा है।

दिग्विजय और कमलनाथ का वोट की फसल पर नजर : शिवराज

बीएनटी न्यूज

मध्य प्रदेश की सियासत में एक बार फिर हिंदुत्व पर वार-पलटवार का खेल शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के हिंदुत्व को लेकर आए बयान पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इन दोनों नेताओं को वोट की फसल की चिंता है। मुख्यमंत्री चौहान से संवाददाताओं ने दिग्विजय सिंह और कमलनाथ के हिंदुत्व पर आए बयान पर सवाल किया तो उन्होंने कहा दिग्विजय सिंह और कमलनाथ को न तो हिंदुत्व से लेना देना है, न ही देश से और न समाज से कोई लेना देना है। यह तो वोटों की फसल काटने के लिए जब जो ठीक समझते हैं वह कहते रहते हैं। इनको किसी से लेना देना नहीं है।

बीते रोज पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा था कि 'सॉफ्ट' या 'हार्ड' हिन्दुत्व जैसी कोई चीज नहीं होती है। 'हिंदुत्व' शब्द के रचयिता सावरकर हैं और उन्होंने ही कहा है कि 'हिंदुत्व' का हिंदू या सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं है।

सिंह ने यह भी कहा कि संविधान की शपथ लेकर काम करने वाला कोई भी व्यक्ति 'हिन्दू राष्ट्र' की बात करता है तो उन्हें पहले अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उसके बाद ही कुछ कहना चाहिए।

इससे पहले कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमल नाथ ने कहा था कि हिंदू राष्ट्र बनाने की क्या बात है, विश्व की सबसे बड़ी हिंदू आबादी अपने देश में हैं। यहां 82 प्रतिशत हिंदू निवास करते हैं। कोई बहस की बात है क्या, यह तो है ही। 82 प्रतिशत भारत मे हिंदू हैं तो हम कहें कि यह हिंदू राष्ट्र है, यह कहने की क्या बात है। यह तो आंकड़े बताते हैं।

प्रधानमंत्री के खोखले वायदे

बीएनटी न्यूज

विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन को खारिज करते हुए इसे झूठ, अतिशयोक्तियों और खोखले वादों से भरा चुनावी भाषण करार दिया और दावा किया कि यह मोदी का लाल किले की प्राचीर से विदाई भाषण है। कांग्रेस ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर देश को एकजुट करने के बजाय प्रधानमंत्री ने केवल अपने बारे में और अपनी छवि की बात की और आगे की चुनौतियों को स्वीकार नहीं किया। अगले वर्ष लाल किले पर ध्वजारोहण करने और अपनी उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड देने संबंधी प्रधानमंत्री के दावे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अगले साल मोदी अपने आवास पर ही झंडा फहराएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के इस दावे में अहंकार दिखाई देता है कि अगले साल वह फिर लाल किले से देश को संबोधित करेंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में आरोप लगाया, 15 अगस्त 2023 को लोगों को यह बताने के बजाय कि उनकी सरकार ने पिछले नौ वर्षों में क्या हासिल किया है, प्रधानमंत्री मोदी ने झूठ, अतिशयोक्ति और अस्पष्ट वादों से भरा एक बेतुका चुनावी भाषण दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास जताया कि वह अगले साल लाल किले की प्राचीर से एक बार फिर राष्ट्र को संबोधित करेंगे और जनता से किए गए वादों की प्रगति उनके समक्ष प्रस्तुत करेंगे। लाल किले की प्राचीर से 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, अगली बार 15 अगस्त को इसी लाल किले से मैं आपको देश की उपलब्धियां, आपके सामर्थ्य, आपके संकल्प, उसमें हुई प्रगति, उसकी सफलता और गौरवगान... पूरे आत्मविश्वास के साथ आपके सामने प्रस्तुत करूंगा।

उनके संबोधन के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संवाददाताओं से कहा, हर आदमी यही कहता है कि बार-बार जीतकर आऊंगा, लेकिन हराना जिताना मतदाताओं के हाथ में है। वह अगले साल झंडा फहराने की बात कर रहे हैं, यह अहंकार है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, वह (प्रधानमंत्री) अगले साल झंडा फहराएंगे, लेकिन अपने घर पर।

आम आदमी पार्टी (आप) ने दावा किया कि मोदी ने लाल किले की प्राचीर से अपना विदाई भाषण दिया। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया, मेरा मानना है कि यह प्रधानमंत्री मोदी का विदाई भाषण था।

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओब्रायन ने सरकार को चुनौती दी कि यदि वह वंशवाद की राजनीति के खिलाफ है, तो 'प्रति परिवार एक व्यक्ति विधेयक' लाए।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने 'एक्स (पूर्व में ट्विटर)' पर अपने पोस्ट में भारत की अर्थव्यवस्था, मानव विकास सूचकांक और नवजात मृत्यु दर की तुलना अन्य देशों से करते हुए सरकार पर निशाना साधा।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मोदी को 'परिवारवाद' की बात करते समय सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर देखना चाहिए। यादव का इशारा आदित्यनाथ के गोरखपुर की गोरक्षपीठ के महंत भी होने की ओर माना जा रहा है।

बिहार के उप मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान से अहंकार की बू आती है कि वह अगले साल लाल किले से तिरंगा फहराएंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री भूल गये हैं कि कुछ भी स्थायी नहीं होता।

मोदी इसलिए पीएम बने, क्योंकि कांग्रेस ने लोकतंत्र व संविधान बचाया: खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनकी पार्टी ने लोकतंत्र और संविधान को बचाया है, इसीलिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे लोग प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के पद पर आसीन हो सके हैं।

पंचायतें भारत के लोकतंत्र के स्तंभ हैं : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पंचायतें भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्तंभ हैं। दमन और दीव में एक पंचायती राज समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि जिला पंचायत सदस्यों को लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए और जिलों के विकास में योगदान देना चाहिए और लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना चाहिए। उन्होंने कहा, पंचायतें हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्तंभ हैं। आपको (जिला पंचायत सदस्यों को) आम आदमी की समस्याओं के समाधान की दिशा में काम करना चाहिए। आपको अपने-अपने राज्यों में लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए काम करना चाहिए और योगदान देना चाहिए। पंचायत सदस्यों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके क्षेत्र के छात्र 10वीं और 12वीं की परीक्षा में कैसे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। मोदी ने आगे कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा सामूहिकता, संगठन और समर्पण के मूल्यों में विश्वास करती है। उन्होंने कहा, हम सभी जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए अपनी क्षमता और कौशल को लगातार बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं।

छत्तीसगढ़ में भाजपा ने भूपेश के सामने भतीजे को मैदान में उतारा

छत्तीसगढ़ में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं और भारतीय जनता पार्टी ने 21 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है पाटन विधानसभा क्षेत्र, जहां से भाजपा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ उनके भतीजे विजय सिंह बघेल को मैदान में उतारा है। राज्य में विधानसभा की 90 सीटें हैं और वर्तमान में कांग्रेस की राज्य में सरकार है। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव को पूरी ताकत से लड़ने की तैयारी में है और कांग्रेस के हर बड़े नेता को घेरने की उसकी रणनीति है। भाजपा ने अपनी रणनीति के मुताबिक, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को घेरने के लिए सांसद विजय बघेल को पाटन विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। विजय बघेल वर्तमान में पार्टी की चुनाव घोषणा समिति के संयोजक भी हैं। उम्मीदवारी घोषित होने के बाद बघेल का कहना है कि पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है और छत्तीसगढ़ की जनता की बदौलत कांग्रेस को चुनाव में पटकनी देंगे।

राजस्थान में 1.4 करोड़ से अधिक परिवारों को हर महीने मिलेगी मुफ्त अन्नपूर्णा किट

बीएनटी न्यूज

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना की शुरुआत के बाद 1.04 करोड़ से अधिक परिवारों को हर महीने मुफ्त अन्नपूर्णा किट मिलेगी जिसमें दालें, चीनी, नमक, खाद्य तेल, मिर्च, धनिया और हल्दी शामिल होगी।

यह योजना स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लॉन्च की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए, सीएम गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार जनता को अधिकतम राहत देने के इरादे से अपने फैसले ले रही है। योजना के तहत राज्य के 1.04 करोड़ से अधिक परिवारों को हर महीने मुफ्त अन्नपूर्णा भोजन पैकेट वितरित किए जाएंगे।

गहलोत ने जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में इस योजना के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे और लाभार्थियों को भोजन के पैकेट वितरित किये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को ध्यान में रखकर फैसले ले रही है, जिसकी चर्चा अब पूरे देश में हो रही है। राज्य सरकार ने तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर आम जनता को राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा, ये जनकल्याणकारी योजनाएं मुफ्तखोरी नहीं हैं, बल्कि यह आम जनता के प्रति लोकतांत्रिक सरकार की जिम्मेदारी है। 'कोई भूखा न सोए' के संकल्प को साकार करने की दिशा में इस अन्नपूर्णा खाद्य पैकेट में एक किलोग्राम चना दाल, चीनी और आयोडीन युक्त नमक, एक लीटर सोयाबीन रिफाइंड खाद्य तेल, 100 ग्राम मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर और 50 ग्राम हल्दी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अधिकतम सीमा निर्धारित किये जाने से कई जरूरतमंद परिवार वंचित रह जाते हैं।

कोविड के दौरान निराश्रित परिवारों के सर्वेक्षण के बाद लगभग 32 लाख एनएफएसए और गैर-एनएफएसए परिवारों को 5,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

उन्होंने कहा कि जिन गैर-एनएफएसए परिवारों को कोविड के दौरान आर्थिक सहायता दी गई थी, उन्हें भी अन्नपूर्णा राशन किट योजना में निःशुल्क राशन किट उपलब्ध करायी जायेगी।

उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि राशन वितरण को बार-बार छह महीने बढ़ाने की बजाय इसे नियमित तरीके से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा भोजन पैकेट वितरित करने वाले राशन डीलरों का कमीशन चार रुपये प्रति पैकेट से बढ़ाकर 10 रुपये कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नये जिले बनाये गये हैं, जिससे प्रशासनिक एवं वित्तीय कार्यों में तेजी आयेगी। 'राज्य में न्यूनतम आय और स्वास्थ्य के अधिकार की गारंटी का कानून बनाया गया है, जो देश के किसी अन्य राज्य में नहीं है। अनुबंध पर सेवाएं देने वाले गिग वर्कर्स के कल्याण और सुरक्षा के लिए कानून बनाया गया है।' उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने पर पूरे देश में चर्चा हो रही है। प्रदेश में एक करोड़ लोगों को न्यूनतम 1000 रुपए प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है। इसके अलावा हर साल 15 फीसदी की स्वतः बढ़ोतरी का भी प्रावधान किया गया है। इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के तहत पहले चरण में 40 लाख लड़कियों और महिलाओं को स्मार्टफोन दिए जा रहे हैं। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार 2030 तक राजस्थान को अग्रणी राज्यों की सूची में शामिल करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसमें प्रदेश के सभी लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मिशन 2030 की औपचारिक शुरुआत जल्द ही होगी और एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जाएगा।

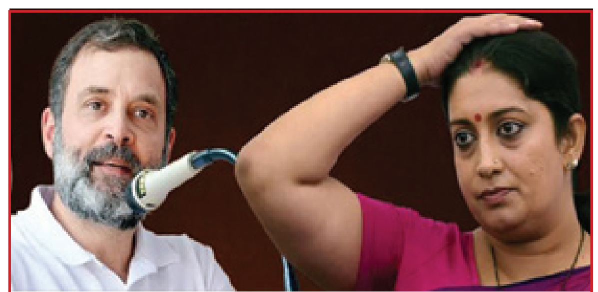

अमेठी से चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी!

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने दावा किया कि पार्टी सांसद राहुल गांधी 2024 का लोकसभा चुनाव अमेठी से लड़ेंगे। जब अजय राय से पूछा गया कि राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में किस सीट से चुनाव लड़ेंगे तो उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर राहुल गांधी अमेठी सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने प्रियंका गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका जी चाहें तो वाराणसी से चुनाव लड़ सकती हैं, हमारा एक एक कार्यकर्ता उनके लिए जान लगा देगा।

अजय राय ने मौजूदा अमेठी सांसद स्मृति ईरानी के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा, "वह बौखला गई हैं। उन्होंने कहा था कि वह चीनी की कीमत 13 रुपये प्रति किलोग्राम तक कम कर देंगी। क्या वह ऐसा कर सकती हैं?" इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का परचम 2024 में लहरेगा। उन्होंने साथ-साथ कहा कि हम हर चुनाव में कांग्रेस का झंडा फहराने का वादा करते हैं। राहुल गांधी 2019 में कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली अमेठी लोकसभा सीट बीजेपी की स्मृति ईरानी से हार गए। यह उस साल कांग्रेस का सबसे बड़ा उलटफेर था। कांग्रेस 2024 चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में लगी हुई है। इन सबके बीच कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश को लेकर बड़ा कदम उठाया है। दरअसल, कांग्रेस ने पूर्व विधायक अजय राय को प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी है।

वाराणसी से मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले अजय राय उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने। अजय राय बृजलाल खाबरी की जगह ली। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश राजनीतिक हिसाब से काफी महत्वपूर्ण राज्य है। खुद प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के महासचिव हैं। ऐसे में कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन को मजबूत करने की कोशिश में जुटी हुई है। अजय राय पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं। विरोधियों पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रहते हैं। इसके साथ ही वह जमीन पर भी काफी सक्रिय रहते हैं। वह 2014 और 2019 के आम चुनावों में वाराणसी संसद सीट के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार थे, और नरेंद्र मोदी से हार गए थे। 2019 में अजय राय को 152,548 वोट मिले थे। वहीं 2014 में 75,614 वोट ही उन्हें मिल पाई थी।

ऑपरेशन हस्त : कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख भाजपा नेताओं को पार्टी में लाने की बना रही योजना

बीएनटी न्यूज

कर्नाटक कांग्रेस राज्य में आगामी 2024 लोकसभा चुनाव से पहले प्रमुख भाजपा नेताओं को अपने पाले में खींचने की योजना बना रही है।

'ऑपरेशन हस्त' (कन्नड़ में हस्त का मतलब हाथ) नाम की कवायद के तहत कांग्रेस अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा को घातक झटका देना चाहती है।

'ऑपरेशन हस्त' के तहत कांग्रेस भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिश करेगी। सूत्रों की मानें तो भाजपा के पूर्व मंत्री एस.टी. सोमशेखर और एम.टी.बी. नागराज के सबसे पुरानी पार्टी में शामिल होने की संभावना है। दोनों नेता कांग्रेस में थे और राज्य में 'ऑपरेशन लोटस' शुरू करने के बाद भाजपा में शामिल हो गए थे।

सोमशेखर, जो कि यशवंतपुर से मौजूदा भाजपा विधायक हैं, ने हाल ही में एक सार्वजनिक समारोह में घोषणा की थी कि

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार उनके 'गुरु' हैं।

उन्होंने यह भी कहा था कि उन्होंने राजनीतिक रूप से जो कुछ भी हासिल किया है, वह शिवकुमार के आशीर्वाद के कारण है। उनकी टिप्पणी से भाजपा को शर्मिंदगी उठानी पड़ी, जो हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में अपमानजनक हार के बाद से बुरी हालत में है।

पूर्व मंत्री एम.टी.बी. नागराज कुरुबा समुदाय से हैं और उन्होंने यह कहकर अपनी नाराजगी सार्वजनिक कर दी है कि भाजपा में शामिल होने के बाद से वह चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं।

नागराज के करीबी सूत्रों ने कहा कि वह कैबिनेट मंत्री का पद छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन भाजपा उनके हितों की रक्षा करने में विफल रही और उन्हें उनकी पसंद का मंत्रालय आवंटित नहीं किया गया।

पूर्व मंत्री और आरआर नगर से भाजपा विधायक एन. मुनिरत्न, जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे, ने स्पष्ट किया कि वह फिर से कांग्रेस में शामिल होने के बजाय राजनीति से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं कांग्रेस का दरवाजा नहीं खटखटाऊंगा। मैं किसी नेता को मनाने की कोशिश भी नहीं करूंगा। अगर कोई भाजपा छोड़ना चाहता है तो ये उनका फैसला होगा। मैं केवल उन्हें शुभकामनाएं ही दे सकता हूं। कांग्रेस और जद (एस) से भाजपा में शामिल हुए 17 नेताओं में से बाकी के बारे में मुझे नहीं पता, लेकिन मैं अपने बारे में आश्वस्त कर सकता हूं कि मैं वापस नहीं जा रहा हूं।'

कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए वरिष्ठ नेता एच. विश्वनाथ भी पहले ही कह चुके हैं कि वह कांग्रेस में वापसी करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि डिप्टी सीएम शिवकुमार ने 'ऑपरेशन हस्त' में विशेष रुचि ली है।

'ऑपरेशन हस्त' के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस का मुख्य लक्ष्य लोकसभा चुनाव है।

उन्होंने कहा, 'हमने पार्टी कार्यकर्ताओं को नफरत की राजनीति नहीं करने और पार्टी का वोट शेयर बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। जमीनी स्तर पर राजनीति में समायोजन की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, यह निर्णय स्थानीय नेताओं पर छोड़ दिया गया है कि वे किसे पार्टी में आमंत्रित करना चाहते हैं। राज्य में कांग्रेस जहां-जहां कमजोर है, वहां-वहां पार्टी के हित में फैसला लिया जाएगा।

लाल किले से मोदी ने परिवारवाद को लेकर विपक्ष पर यूं साधा निशाना

बीएनटी न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश के नाम अपने संबोधन के दौरान जहां एक तरफ अपनी सरकार के कामकाज गिनाए, वहीं वो विपक्ष पर निशाना साधने से भी नहीं चूके. पीएम मोदी ने देश से 3 बुराइयों के खिलाफ लड़ने की अपील की. उन्होंने कहा कि हमें भ्रष्टाचार-परिवारवाद और तुष्टीकरण के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा. ये एक ऐसी चीजें हैं, जो हमारे देश के लोगों की आकांक्षाओं पर सवालिया निशान खड़े करती हैं.

लाल किले की प्राचीर से पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, मेरे प्रिय परिवारजनों, ये मोदी के जीवन का कमिटमेंट है. ये मेरे व्यक्तित्व का कमिटमेंट है कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहूंगा. परिवारवाद ने हमारे देश को नोंच लिया है. इस परिवारवाद ने देश को जिस प्रकार से जकड़कर रखा है, उसने देश के लोगों का हक छीना है.ह्व राजनीति में परिवारवाद का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इसने देश को लूट लिया है और तबाह किया है.

तुष्टीकरण बड़ी बुराई

तुष्टीकरण को तीसरी बुराई करार देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इसने देश के मूलभूत चिंतन और सर्वसमावेशी राष्ट्रीय चरित्र को दाग लगाया है और उसे तहस-नहस कर दिया है. बगैर किसी राजनीतिक दल का नाम लिए उन्होंने कहा, ह्वइन लोगों ने देश का बहुत नुकसान किया है. इन तीनों बुराइयों के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना है. भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टीकरण देश के लोगों की आकांक्षाओं का दमन करते हैं. इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गरीब हों, दलित हों, पिछड़े हों, पसमांदा हों या फिर आदिवासी भाई-बहन, इनके हक के लिए तीनों बुराइयों से मुक्ति पानी है.

भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत का माहौल बनाना है

उन्होंने कहा, हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत का माहौल बनाना है. जैसे हमें गंदगी पसंद नहीं है, तो हम उससे नफरत करते हैं. सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार से बड़ी गंदगी नहीं हो सकती है. इसलिए हमारे स्वच्छता अभियान को एक नया मोड़ देते हुए भ्रष्टाचार से मुक्ति पानी है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले सालों में सरकार ने भ्रष्टाचारियों की जो संपत्ति जब्त की है. वह पहले की तुलना में 20 गुना ज्यादा है. उन्होंने कहा, ह्वआपकी कमाई का यह पैसा लोग लेकर भागे थे. हमने 20 गुना ज्यादा संपत्ति को जब्त करने का काम किया है. इसलिए ऐसे लोगों की मेरे प्रति नाराजगी होना स्वाभाविक है. लेकिन मुझे भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को आगे बढ़ाना है.

परिवारवादी पार्टियों का मंत्र है परिवार का भला

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, यह बीमारी है. परिवारवादी पार्टियों का मंत्र है परिवार का, परिवार के द्वारा और परिवार के लिए. परिवारवाद और भाई भतीजावाद प्रतिभाओं के दुश्मन होते हैं. परिवारवाद से मुक्ति इस देश के लोकतंत्र के लिए जरूरी है. सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय यानी हर किसी को उसका हक मिले. इसलिए सामाजिक न्याय के लिए भी यह बहुत जरूरी है. प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और परिवारवाद को विकास का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए कहा, अगर देश विकास चाहता है, अगर देश 2047 में विकसित भारत का सपना साकार करना चाहता है, तो हमारे लिए आवश्यक है कि हम किसी भी हालत में देश में इन्हें सहन नहीं करेंगे.

स्वतंत्रता दिवस समारोह में श्रमिक, किसान व शिक्षक बने विशेष अतिथि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों, किसानों, मजदूरों, शिक्षकों, नर्सों और चिकित्सा कर्मचारियों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इनमें सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट, नई संसद भवन के श्रमिक भी शामिल रहे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के ये विशेष अतिथि 15 अगस्त को लाल किला पर मौजूद रहे।

इनके अलावा, सीमा सड़कों के निर्माण, अमृत सरोवर और हर घर जल योजना के निर्माण में शामिल लोग भी लाल किला पर समारोह देखने के लिए आमंत्रित किए गए।

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष अतिथि के रूप में लाल किले पर समारोह का हिस्सा बनने के लिए देश भर से विभिन्न व्यवसायों के लगभग 1,800 लोगों को आमंत्रित किया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के लोकाचार को रेखांकित करते हुए कहा कि आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता से भरा नया भारत न रूकता है, न हांफता है और न ही हारता है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के संकल्प को सिद्धि में परिवर्तित करते हुए 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। मोदी ने कहा, यह काम करने वाली सरकार है, निर्धारित लक्ष्यों को पार करने वाली सरकार है, यह नया भारत है। उन्होंने कहा कि यह आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है, यह संकल्पों को चरितार्थ करने के लिए जी-जान से जुटा हुआ भारत है। मोदी ने कहा, और इसलिए यह भारत न रुकता है, यह भारत न थकता है, यह भारत न हांफता है और न ही ये भारत हारता है।

उन्होंने कहा कि आज जब मैं अमृतकाल में आपके साथ बात कर रहा हूं, यह इस काल का पहला वर्ष है। इसके पहले वर्ष पर मैं पूरे विश्वास से कहना चाहता हूं- चलता चलाता कालचक्र, अमृतकाल का भालचक्र, सबके सपने, अपने सपने, पनपे सपने सारे, धीर चले, वीर चले, चले युवा हमारे, नीति सही, रीती नई, गति सही, राह नई, चुनो चुनौती सीना तान, जग में बढ़ाओ देश का नाम। प्रधानमंत्री ने कहा, यह अमृतकाल हम सबके लिए कर्तव्य काल है। मां भारती के लिए सभी लोगों के कुछ कर गुजरने का काल है। उन्होंने कहा कि आजादी की जब जंग चल रही थी, 1947 के पहले जिस पीढ़ी ने जन्म लिया था, उन्हें देश के लिए मरने का मौका मिला था और वे देश के लिए मरने के लिए मौका नहीं छोड़ते थे लेकिन हमारे नसीब में ऐसा मौका नहीं है।

मोदी ने कहा कि लेकिन हमें पल-पल देश के लिए जीना है, इसी संकल्प के साथ इस अमृत काल में 140 करोड़ देशवासियों के सपने को संकल्प बनाना है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के संकल्प को सिद्धि में भी परिवर्तित करना है और 2047 का जब तिरंगा झंडा फहरेगा, तब विश्व एक विकसित भारत का गुणगान करेगा।

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से कहा, मैं आपके संकल्प को सिद्धी तक ले जाने के लिए देश के लोगों का साथी बनकर, सेवक बनकर, उनके साथ जीने का, जूझने का संकल्प लेकर चलने वाला इंसान हूं। उन्होंने कहा, और मुझे विश्वास है कि हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए जो जंग लड़ी थी, जो सपने देखे थे, वो सपने हमारे साथ हैं। आजादी की जंग में जिन्होंने बलिदान दिया था, उनका आशीर्वाद हमारे साथ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में 5जी प्रौद्योगिकी का तेजी से प्रसार होने की मंगलवार को सराहना करते हुए कहा कि भारत अब 6जी प्रौद्योगिकी लाने की तैयारी कर रहा है और इसके लिए एक कार्यबल का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 77वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि इंटरनेट अब हर गांव तक पहुंच रहा है और देश अब क्वांटम कंप्यूटर के लिए तैयार हो रहा है

उन्होंने लाल किला की प्राचीर से कहा, मेरा देश सबसे तेजी से 5जी प्रौद्योगिकी के प्रसार वाला देश है। हम 700 से अधिक जिलों तक पहुंच चुके हैं और अब हम 6जी लाने की तैयारी कर रहे हैं। हमने एक कार्यबल का गठन किया है। उन्होंने कहा कि अब विकसित देश भी डिजिटल इंडिया की सफलता के बारे में जानने को इच्छुक हैं। मोदी ने कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए एक नई योजना पर काम कर रही है, जिसके तहत हजारों स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ड्रोन दिए जाएंगे और उन्हें इसे चलाना भी सिखाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं हमारी ग्रामीण महिलाओं में विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आगे बढ़ने की क्षमता देखता हूं। इसलिए, हम कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी लाने के लिए एक नई योजना के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, कृषि को बढ़ावा मिले। इसलिए हम महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन उड़ाने, ड्रोन की मरम्मत करने का प्रशिक्षण देंगे। ऐसे हजारों महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन और उसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। हम एसएचजी से जुड़ी 15 हजार महिलाओं को शुरूआत में ड्रोन देंगे। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं में अपार क्षमता है और सरकार उन्हें कई अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न नीतियों पर काम कर रही है।

मोदी ने कहा, आज हमारे युवाओं ने भारत को वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन स्टार्ट-अप प्रणालियों में पहुंचा दिया है। विश्व स्तर पर युवा भारत की इस क्षमता और शक्ति से आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार से निपटने के लिए भी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है। मोदी ने कहा, आज इंटरनेट हर गांव तक पहुंच रहा है। भारत क्वांटम कंप्यूटर के लिए तैयार हो रहा है। आज किसान उत्पादक संगठनों का गठन किया जा रहा है। हम सेमीकंडक्टर भी बनाने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले इंटरनेट सेवाएं बहुत महंगी थी लेकिन वर्तमान में इस पर सबसे कम खर्च होता है जिससे हर परिवार की बचत हुई है।

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल नहीं हुए खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे प्रतिष्ठित लाल किले में 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल नहीं हुए, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से देश के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर कांग्रेस प्रमुख ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए उस पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया।

खड़गे ने कहा, 'आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। आज लोकतंत्र और संविधान हमारे देश की आत्मा हैं। हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम देश की एकता और अखंडता, प्रेम और भाईचारे के लिए लोकतंत्र और संविधान की स्वतंत्रता को बरकरार रखेंगे।'

राहुल गांधी सहित विपक्षी सांसदों के निलंबन के स्पष्ट संदर्भ खड़गे ने कहा, 'संसद में विपक्षी सांसदों की आवाज को दबाने के प्रयास किए जा रहे हैं।' किसी का माइक बंद हो रहा है या किसी के शब्द काटे जा रहे हैं। विशेषाधिकार प्रस्ताव लाए जा रहे हैं।'

मोदी का लालकिले से झंडा फहराने का अंतिम सालः लालू

बीएनटी न्यूज

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 10वीं बार देश को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंने कई रोचक बातें कही। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर ये भविष्यवाणी की है कि प्रधानमंत्री अगले वर्ष भी वो लाल किले पर झंडा फहराएंगे। उन्होंने कहा कि अगली बार 15 अगस्त को इसी लाल किले से मैं देश की उपलब्धियां, सफलता और गौरवगान आपको सामने पेश करूंगा।

इस बयान के बाद विपक्षी खेमे में हलचल मच गई है। इस मामले पर आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम अगले साल तिरंगा लाल किले से नहीं फहरा सकेंगे। ये अंतिम साल है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से तिरंगा फहरा रहे है। उन्होंने इसके अलावा देशवासियों और बिहार वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं भी दी है।

कुर्बानी के बाद आजाद हुआ भारत

उन्होंने कहा कि भारत के लोग बहुत खुश हैं और प्रसन्न है। देश को ये आजादी कई कुर्बानियों के बाद मिली है। इस दौरान उन्होंने कहा कि आजादी दिलाने वाले सभी शहीदों को मेरी श्रद्धांजलि है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, जननायक कपूरी ठाकुर और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर सहित उन सभी को जिन्होंने आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति दी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

पीएम ने किया जीत का दावा

गौरततलब है कि वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होने है। वहीं लाल किले पर देशवासियों को परिवारजन कहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 में फिर से लाल किले से संबोधन करने का ऐलान किया है। यानी उन्होंने लोकसभा चुनावों में जनता से जीत दिलाने की विनती लाल किले से कर दी है। स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी ने लाल किले से संबोधन के दौरान राजनीतिक विरोधियों पर निशाना भी साधा और संबोधन के आखिरी हिस्से में उन्होंने 2024 में एक बार फिर से वापसी की बात कही है।

खरगे ने भी किया विरोध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी ये टिप्पणी अहंकार से भरी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अगले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से नहीं बल्कि अपने घर से ही तिरंगा फहराएंगे।

उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति कहता है कि बार-बार जीतकर आउंगा मगर हार जीत मतदाताओं के हाथ में है। इसलिए अगले वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से नहीं बल्कि अपने आवास पर झंडा फहराते हुए दिखेंगे। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से बोल रहे हैं उसमें अहंकार झलक रहा है। उन्होंने कहा, वह (प्रधानमंत्री) अगले साल झंडा फहराएंगे, लेकिन अपने घर पर फहराएंगे।

देश के लोग आपस में लड़ते रहे तो भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा

बीएनटी न्यूज

दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र की भाजपा सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने मणिपुर मामले को लेकर पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने चीन को लेकर भी मौजूदा सरकार के रवैए पर निशाना साधा है। अरविंद केजरीवाल ने साफ तौर पर कहा कि मणिपुर पर प्रधानमंत्री खामोश क्यों है? इतना सब कुछ हो जाने के बाद भी पीएम चुप है। इस इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश जानना चाहता है कि आखिर प्रधानमंत्री की खामोशी की वजह क्या है? उन्होंने कहा कि चीन ने जमीन हड़पी, फिर भी पीएम चुप रहे। उन्होंने कहा

कि बीजेपी पानी पी-पी पीकर नेहरू को गाली देती है। नेहरू ने आंख में आंख डालकर चीन से युद्ध किया। डिप्लोमेसी करने के लिए आंखे दिखानी होती है।

केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी विधायक साफ कह रहे हैं कि उनका मणिपुर से कोई रिश्ता नहीं है। यह पीएम मोदी का संदेश है कि उनका मणिपुर से कोई संबंध नहीं है। मणिपुर मुद्दे पर पीएम चुप हैं। 6,500 एफआईआर दर्ज की गईं, 150 से ज्यादा लोग मारे गए लेकिन पीएम चुप रहे। उन्होंने कहा कि आज मणिपुर जल रहा है, वहां दो समुदाय एक दूसरे से लड़ रहे हैं, महिलाओं के साथ गलत व्यवहार हो रहा है। अगर देश के लोग ऐसे ही आपस में लड़ते रहे तो भारत विश्वगुरु कैसे बनेगा? भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के हालिया विरोध के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि चैंपियन पहलवानों ने सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया, लेकिन प्रधानमंत्री चुप रहे।

केजरीवाल ने कहा, जब पहलवानों ने ओलंपिक में पदक जीते तो प्रधानमंत्री मोदी उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने उनसे कहा था तुम मेरी बेटी हो। लेकिन जब वे विरोध कर रहे थे, तो वह चुप रहे। कम से कम वह कह सकते थे मैं यहां हूं। मैं इसकी जांच कराऊंगा और लोगों को सजा दिलाऊंगा। केजरीवाल ने कहा कि महिला पहलवानों को प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए उच्चतम न्यायालय जाना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा, मणिपुर के मामले में, वह कम से कम शांति के लिए अपील जारी कर सकते थे।

खड़गे ने हिमाचल प्रदेश में लोगों की मौत पर जताया दुख

बीएनटी न्यूज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन में लोगों की मौत पर दुख प्रकट किया और कहा कि सबसे पुरानी पार्टी पीड़ितों के साथ खड़ी है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए भी प्रार्थना करती है।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और राज्य के मंत्री घटनास्थलों पर मौजूद हैं और पहाड़ी राज्य में राहत कार्यों में तेजी आ गई है।

हिंदी में एक ट्वीट में खड़गे ने कहा, 'हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश और भूस्खलन से कई लोगों की मौत की खबर बहुत दर्दनाक है। हम इस दुख की घड़ी में सभी पीड़ितों के साथ खड़े हैं।'

'मुख्यमंत्री और हमारे मंत्री दुर्घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी आ गई है। हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।'

उनकी टिप्पणी हिमाचल प्रदेश में पिछले दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण राज्यव्यापी बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 22 लोगों की मौत के बाद आई है।

राज्य की राजधानी शिमला में एक शिव मंदिर के ढह जाने से नौ लोगों की मौत हो गई।

नूंह में ड्रोन निगरानी व भारी सुरक्षा के बीच मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बीएनटी न्यूज

कर्फ्यू के समय में ढील और इंटरनेट सेवाओं की बहाली के बाद, हरियाणा के नूंह जिले ने ड्रोन निगरानी और भारी पुलिस सुरक्षा के बीच स्वतंत्रता दिवस मनाया।

जिले में 31 जुलाई को हुई हिंसक सांप्रदायिक झड़पों के बाद, नूंह धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है।

हिंसा के परिणामस्वरूप, कानून एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जिले भर में सुरक्षा बढ़ा दी है, राज्य मंत्री मूलचंद शर्मा ने तिरंगा फहराया है।

रैपिड एक्शन फोर्स सहित सैकड़ों पुलिस कर्मियों को जिले के संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है, जबकि

राजस्थान की सीमा से लगे इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

इस बीच पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया है।

एसपी नरेंद्र बिजारनिया ने आईएएनएस को बताया, 'हाल की झड़पों के कारण सुरक्षा बढ़ा दी गई है, लेकिन स्थिति पूरी तरह से सामान्य है। जिले में पुलिस टीमें गश्त कर रही हैं। सीमाओं पर भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है और नूंह में प्रवेश करने वाले वाहनों की गहन जांच की जा रही है। 24 घंटे ड्रोन से निगरानी की जाएगी।'

उन्होंने कहा, 'इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गईं और कर्फ्यू में 14 घंटे की ढील दी गई। स्कूल, बैंक, एटीएम और बाजार सभी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं।'

पुलिस के अनुसार, जैसे ही इंटरनेट सेवाएं बहाल हुईं, अपराध साइबर विशेषज्ञों की एक टीम गलत सूचना पर अंकुश लगाने के लिए लगातार सोशल मीडिया खातों पर नजर रख रही है।

पुलिस की साइबर सेल विभिन्न सोशल मीडिया पर भी नजर रख रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हालिया सांप्रदायिक झड़पों या ब्रजमंडल जलाभषिक यात्रा की प्रस्तावित बहाली से संबंधित कोई भड़काऊ संदेश या वीडियो साझा नहीं किया जाए।

खड़गे ने फहराया तिरंगा: लोकतंत्र व संविधान कर रहे खतरे का सामना

बीएनटी न्यूज

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यहां पार्टी मुख्यालय पर तिरंगा फहराया और केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र और संविधान गंभीर खतरे का सामना कर रहे हैं।

कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, मीरा कुमार, अंबिका सोनी, सलमान खुर्शीद के साथ-साथ अन्य सदस्य और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ध्वजारोहण के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए खड़गे ने कहा, "राष्ट्र निर्माण एक सतत प्रक्रिया है और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ हमारे पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भी अपने योगदान से आकांक्षाओं को पूरा किया है।"

कांग्रेस नेता ने कहा, "लेकिन आजकल कुछ लोग इस तरह से प्रोजेक्ट करते हैं कि कोई विकास नहीं हो रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है। जब अंग्रेज भारत छोड़कर चले गए, तो कुछ भी नहीं बचा था और हम एक सुई भी बनाने में सक्षम नहीं थे।" उन्होंने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज किया।

खड़गे ने कहा कि नेहरू ने इस्पात संयंत्र स्थापित किए, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां बनाईं, देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "उन्होंने आईआईटी, आईआईएम, एम्स, अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान इसरो की भी स्थापना की और देश में परमाणु अनुसंधान की नींव रखी।"

उन्होंने देश में हरित क्रांति और देश में खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दिवंगत प्रधानमंत्रियों लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी की भूमिका की भी सराहना की।

खड़गे ने बांग्लादेश बनाकर दुनिया का नक्शा बदलने में इंदिरा गांधी की भूमिका की भी सराहना की। इसके बाद कांग्रेस नेता ने देश में दूरसंचार क्रांति लाने के लिए दिवंगत प्रधान मंत्री राजीव गांधी की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी कहा कि देश में शांति के लिए असम समझौते, मिजोरम समझौते, शिलांग समझौते और कई अन्य समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

खड़गे ने पी.वी. नरसिम्हा राव के कार्यकाल के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के खुलेपन पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा, "आज मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि लोकतंत्र, संविधान और संस्थाएं गंभीर खतरे का सामना कर रही हैं। संसद में विपक्षी सदस्यों को निलंबित किया जा रहा है और उनकी आवाज दबाई जा रही है। और आज लोग कहते हैं कि हम लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं।" .

उन्होंने कहा, "जब मैं संसद में बोलने के लिए खड़ा होता हूं, तो मेरा माइक बंद कर दिया जाता है। यह सब चल रहा है, जबकि हम सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का दिखावा करते हैं। लोकतंत्र और संविधान हमारी आत्मा हैं और हम आज प्रतिज्ञा लेते हैं कि शांति के लिए, लोकतंत्र की रक्षा के लिए, संविधान व देश को बचाएंगे।"

इससे पहले दिन में, खड़गे लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए, जहां प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

क्या कहते हैं आपके सितारे
बीएनटी के सौजन्य से

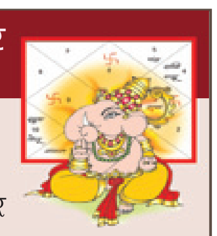

सितम्बर माह का राशिफल जानें किस राशि के जातकों पर बरसेगा धन, किसको रहना होगा संभल कर

मेष : कारोबार में लाभ होगा, परन्तु खर्चा भी अधिक रहेगा, पत्नी एवं सन्तान का सुख प्राप्त होगा, धर्म सम्बन्धी कार्यों में मन लगेगा, लोगों में सम्मान मिलेगा, उदर विकार से मुक्ति प्राप्त होगी।

वृष : व्यवसाय मध्यम रहेगा। आय तथा व्यय सम रहेगा। पद की वृद्धि होगी, मित्रों एवं परिवारजनों से प्रसन्नता मिलेगा, आशाओं में निराशा हाथ लगेगी। नेत्र विकार व अन्य गेगों से शरीर को कष्ट पहुंच सकता है।

मिथुन : कार्य-व्यवहार में आय कम व खर्चा अधिक बना रहेगा, धन का नुकसान हो सकता है। आशाओं में सफलता मिलेगा। उदर विकार एवं नेत्रों की पीड़ा से शरीर को कष्ट पहुंचेगा, किसी से धोखा मिल सकता है।

कर्क : यापार उन्नत रहेगा। सफेद वस्तुओं के व्यापार से क्रय-विक्रय अच्छा चलेगा। संपत्ति वृद्धि का योग है। राजदरबार में मान व पद की वृद्धि होगी। मित्र की सहायता से काम बन जायेंगे और लाभ भी होगा।

सिंह : व्यावसायिक क्षेत्र में उन्नति का योग है। मित्रो की सहायता से लाभ होगा। हर एक कार्य में सफलता मिलेगी। राजसभा एवं शत्रुओं की तरफ से भय बनेगा। चोर व अग्नि द्वारा हानि होने का डर है।

कन्या : कारोबार में धन का लाभ होगा। परन्तु खर्चा भी अधिक होगा। राजसभा में मान व इज्जत में वृद्धि होगी। शत्रुओं का विनाश होगा। आशाओं में सफलता मिलेगी। स्त्री से प्रेम व सुख समृद्धि बढ़ेगी।

तुला : कारोबार में धन का लाभ होगा, मनोकामनाए पूर्ण हों, शत्रुओं का नाश होगा, किसी मित्र से भेंट होगी, स्त्री तथा संतान से बिगाड़ उत्पन्न हों सकता है, परिवार में जमीन को लेकर झगड़ा उत्पन्न होगा।

वृश्चिक : कार्य-व्यवहार की उन्नति एवं धन का लाभ होगा, झगड़े में विजय मिलेगी, शत्रुओं की तरफ से मन में भय बना रहेगा, स्त्री का सुख कम प्राप्त होगा, किसी कार्य में आकस्मिक रुकावट उत्पन्न होगा।

धनु : कारोबार में धनहानि हों सकता है। आशाओं में सफलता मिलेगा, शुभ कार्यों में धन का खर्चा अधिक होगा, भाइयों से मिलाप होगा, संतान का सुख मिलेगा, सम्बन्धियों से मतभेद बना रहेगा, मन चिन्ताग्रस्त रहेगा।

मकर : कार्य - व्यवहार मध्यम रहेगा, आय सम रहेगी। कृषि के कार्य से लाभ पहुंचेगा, आशाओं में सफलता मिलेगा, धर्म-कर्म की वृद्धि होगी, सुख-समृद्धि एवं मान बढ़ेगी, स्त्री का सुख मिलेगा, शत्रुओं से भय बना रहेगा।

कुंभ : व्यवसाय में बाधा पड़ेगी, धन की क्षति होगी, राजसभा में मान बढ़ेगा, मनोकामना पूर्ण होगी, संतान से सुख मिलेगा, शत्रुओं का नाश होगा, रोग द्वारा शरीर को कष्ट होगा, यात्रा में नुकसान होगा।

मीन : व्यापार की उन्नति होगी, धन का लाभ होगा। आशाओं में सफलता मिलेगी, सम्बन्धियों की वृद्धि होगी, स्त्री से मतभेद बढ़ेगा। मित्रों से बिगाड़ हों सकता है। किसी से झगड़ा हों सकता है। यात्रा में हानि उठानी पड़ सकती है।

नीतीश ने पटना के गांधी मैदान में फहराया तिरंगा

बीएनटी न्यूज

बिहार में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। राज्य में मुख्य समारोह पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित किया गया, जहां राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय तिरंगा फहराया।

झंडोतोलन के बाद मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार की उपलबिधयां गिनाई।

उन्होंने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों में लगातार काम कर रही है। राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए काम किए जा रहे हैं। राज्य में शिक्षकों की नियुक्ति का कार्य चल रहा है।

उन्होंने आंदोलनरत नियोजित शिक्षकों को आश्वासन देते हुए कहा कि उनके लिए भी निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने दीजिए, उसके बाद उन्हें सरकार से जोड़ने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

नीतीश ने शिक्षकों से मन लगाकर बच्चों को पढ़ाने की अपील करते हुए कहा कि जो शिक्षक मन लगाकर बच्चों को पढ़ाएंगे उनके लिए भविष्य में भी बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। गायब रहने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई होगी। उनके आगे की राह भी मुश्किल होगी।

बिहार में स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाए जाने का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि सबसे पुराने पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल के विस्तारीकरण का काम शुरू हो चुका है। इसके बाद डीएमसीएच, आईजीआईएमएस, एनएमसीएच, एसकेएमसीएच और एएनएमसीएच को भी 2500 बेड का अस्पताल कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी प्रमंडल में मेडिकल कॉलेज अस्पताल हो चुके हैं, सिर्फ सहरसा बाकी है।

उन्होंने कहा कि सहरसा प्रमंडलीय मुख्यालय में भी जल्द मेडिकल कालेज खुलेगा। उभविष्य में हर जिले में मेडिकल कालेज खोलने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने कहा कि कब्रिस्तानों की घेराबंदी का काम चल रहा है। राज्य के मंदिरों की चहारदीवारी को लेकर 60 वर्ष पुराना मंदिर होने की बाध्यता खत्म कर दी गई है, अब 60 वर्ष से कम पुराने मंदिरों की चहारदीवारी भी की जाएगी।

बिहार में हो रही जातीय गणना कराए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में जातीय गणना का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसमे आर्थिक स्थिति का भी जायजा लिया गया है। जिनकी आर्थिक स्थिति खराब होगी, उनकी अर्थिक स्थिति सुधारने में मदद की जाएगी, उनके लिए योजना बनाई जाएगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विशेष राज्य का दर्जे की मांग की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विशेष राज्य का दर्जा मिल जाता तो राज्य और तेजी से विकास करता।

मोदी सरकार ने 75 साल के भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए

बीएनटी न्यूज

आम आदमी पार्टी ने कहा कि सीएजी रिपोर्ट ने भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का दावा करने वाली केंद्र सरकार का असली चेहरा उजागर कर दिया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएजी की ताजा रिपोर्ट पर आधारित एक मीडिया रिपोर्ट को ट्वीट कर कहा कि मोदी सरकार ने आजाद भारत में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने भी पीएम मोदी के भ्रष्टाचार मुक्त भारत के दावों पर सवाल उठाए। नवीनतम सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, यह पाया गया है कि भाजपा ने पिछले 9 वर्षों में सबसे बड़ा घोटाला किया है। यह घोटाला हर किसी को चौंका देगा और सरकार के पास इन घोटालों से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं है।

सिंह ने आरोप लगाया, "जब द्वारका-एक्सप्रेस-वे परियोजना तैयार की जा रही थी, तो इसका शुरूआती खर्च 18 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर था, लेकिन जब यह तैयार हो गया, तो इसकी लागत 250 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर थी। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध 'भारतमाला परियोजना' के तहत इस योजना के तहत देशभर में 75000 किलोमीटर सड़कें बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि 1 किमी सड़क के निर्माण की शुरूआती लागत 15 करोड़ रुपये थी, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे बढ़ाकर 25 करोड़ रुपये कर दिया। इस पूरे प्रोजेक्ट में 750000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है।

सिंह ने कहा, भारतमाता के बहाने उन्होंने खुद को वैभवशाली बना लिया है। केवल एक ही व्यक्ति है जो वास्तव में पीएम मोदी का प्रिय है और उसने देश के विभिन्न हिस्सों में भारतमाला परियोजनाएं हासिल की हैं।

उन्होंने कहा, केरल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा और मध्य प्रदेश राज्यों में - अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, गुजरात - अडानी रोड ट्रांसपोर्ट लिमिटेड और छत्तीसगढ़ में - अडानी समूह, अडानी और उनके उद्यम इस घोटाले के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने भगवान राम तक को नहीं छोड़ा, सीएजी रिपोर्ट के मुताबिक, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने अयोध्या विकास परियोजना में 19 करोड़ 73 लाख रुपये का घोटाला किया है। सिंह ने नवीनतम सीएजी रिपोर्ट के निष्कर्षों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 'आयुष्मान भारत' योजना के तहत भ्रष्टाचार हुआ है।

उन्होंने कहा कि सिर्फ तीन सेल नंबरों पर करीब 10 लाख मरीज पंजीकृत हैं।

मप्र में 400 सौ लोग मर चुके हैं, लेकिन उनका इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत हो रहा है और 8000 लोग एक ही समय में अलग-अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।

हरियाणा में एक साथ 4121 मरीज अलग-अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।

संजय सिंह ने कहा, "सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि रिपोर्ट कहती है कि एक महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया, लेकिन मां और बच्चे का इलाज अलग-अलग अस्पतालों में होना दिखाया गया।"

स्वामी प्रसाद मौर्य पर लखनऊ में युवक ने फेंका जूता

उत्तर प्रदेश की राजधानी में सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सपा के महासम्मेलन में भाग लेने पहुंचे राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक युवक ने जूता फेंका। युवक को सपाइयों ने खूब पीटा। पुलिस युवक को पकड़कर ले गई।

हमले में स्वामी प्रसाद मौर्य बाल-बाल बच गए। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। स्वामी सपा के पिछड़ा वर्ग के महासम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। कार से उतरकर वह अंदर जा रहे थे, तभी वकील की ड्रेस में आए युवक ने जूते से उन पर हमला कर दिया। जूता स्वामी प्रसाद को छूता हुआ दूर गिरा। सम्मेलन में हंगामा मच गया। सपा कार्यकताओं ने युवक को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। युवक की पहचान आकाश सैनी के रूप में हुई है। उसका कहना है कि वह हिंदू धर्म के बारे में की गई स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणियों से आहत था। पुलिस ने पहुंचकर आकाश को कार्यकताओं से छुड़ाया। उसको हिरासत में लिया। होश में आने पर उससे पूछताछ की गई। उसने सिर्फ इतना कहा कि हम पूजा-पाठ करने वाले हैं। इसके बाद पुलिस उसको लेकर परिसर से निकल गई। अब उससे डिटेल में पूछताछ की जा रही है।

असम के सीएम बोले : परिसीमन एक सच्चाई, इसे सभी को कबूल करना चाहिए

बीएनटी न्यूज

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, 'चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा परिसीमन पर रिपोर्ट एक वास्तविकता है, जिसे सभी को स्वीकार करना चाहिए।'

इस मुद्दे पर पूर्वोत्तर राज्य में भगवा पार्टी के सहयोगियों के बीच असंतोष और नाराजगी की सुगबुगाहट के बीच मुख्यमंत्री की टिप्पणी आई है। पिछले हफ्ते, चुनाव आयोग ने अंतिम परिसीमन प्रस्ताव प्रकाशित किया, जिसमें कई विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों की सीमाएं बदल दी गईं।

हालांकि सीटों की कुल संख्या स्थिर रखी गई है, लेकिन कुछ सीटें खत्म कर दी गईं। साथ ही, चुनाव आयोग ने कुछ नई सीटों का भी प्रस्ताव रखा है। इससे असम गण परिषद के कुछ विधायकों सहित कई नेताओं में निराशा हुई है, जिन्होंने परिसीमन प्रक्रिया में अपनी सीटें खो दी हैं।

ऊपरी असम के शिवसागर जिले के अमगुरी से पांच बार विधायक रहे प्रदीप हजारिका ने परिसीमन के विरोध में पार्टी पद छोड़ दिया है। गुवाहाटी में 77वें स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम से इतर सीएम सरमा ने कहा कि परिसीमन अब हकीकत बन गया है। इसे सभी को स्वीकार करना होगा। भारत के राष्ट्रपति 2-3 दिनों के भीतर इस संबंध में अधिसूचना जारी करेंगे।

‘भारत ने चुनौतियों को अवसरों में बदला है’: राष्ट्रपति मुर्मू

बीएनटी न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुश्किल समय में चुनौतियों का सामना करने की देश की क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने दूसरों के लिए आशा की किरण के रूप में काम किया है।

राष्ट्रपति ने 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया है और उच्च विकास दर हासिल किया है।

उन्होंने जी-20 नेता के रूप में देश की भूमिका का भी हवाला दिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और चंद्रयान -3 के सफल प्रक्षेपण की ओर इशारा करते हुए शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति की भी बात की।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ‘चूंकि जी-20 समूह दुनिया की दो-तिहाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए यह हमारे लिए वैश्विक प्राथमिकताओं को सही दिशा में ले जाने का एक अद्वितीय अवसर है। जी-20 की अध्यक्षता के माध्यम से भारत, व्यापार और वित्त के क्षेत्रों में हो रहे निर्णयों को न्याय-संगत प्रगति की ओर ले जाने के लिए प्रयासरत है। व्यापार और वित्त के अलावा, मानव विकास से जुड़े विषय भी कार्य-सूची में शामिल किए गए हैं।’

राष्ट्रपति ने कहा, ‘ऐसे कई मुद्दे हैं जो पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं और किसी भौगोलिक सीमा से बंधे हुए नहीं हैं। मुझे विश्वास है कि भारत के प्रभावी नेतृत्व के साथ, जी-20 के सदस्य-देश उन मोर्चों पर उपयोगी कार्रवाई को आगे बढ़ाएंगे।’

‘भारत की जी-20 की अध्यक्षता में एक नई बात यह है कि कूटनीति को जमीन से जोड़ा गया है। एक अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक गतिविधि में लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी तरह का पहला अभियान चलाया गया है। उदाहरण के लिए, यह देखकर मुझे अच्छा लगा कि स्कूलों और कॉलेजों में जी-20 से जुड़े विषयों पर आयोजित की जा रही गतिविधियों में विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। जी-20 से जुड़े कार्यक्रमों के बारे में सभी नागरिकों में बहुत उत्साह देखने को मिल रहा है।’

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति चिंता का कारण बनी हुई है, लेकिन ‘सरकार और रिजर्व बैंक इस पर काबू पाने में सफल रहे हैं। सरकार ने जन-सामान्य पर मुद्रास्फीति का अधिक प्रभाव नहीं पड़ने दिया है और साथ ही गरीबों को व्यापक सुरक्षा कवच भी प्रदान किया है।’ उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक विकास के लिए दुनिया की निगाहें आज भारत पर टिकी हुई हैं।

उन्होंने कहा, ‘निरंतर हो रही आर्थिक प्रगति के दो प्रमुख आयाम हैं। एक ओर, व्यवसाय करना आसान बनाकर और रोजगार के अवसर पैदा करके उद्यमशीलता की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। दूसरी ओर, जरूरतमंदों की सहायता के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पहल की गयी है तथा व्यापक स्तर पर कल्याणकारी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वंचितों को वरीयता प्रदान करना हमारी नीतियों और कार्यों के केंद्र में रहता है। परिणामस्वरूप पिछले दशक में बड़ी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालना संभव हो पाया है।’

जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर राष्ट्रपति ने कहाः ‘असामान्य मौसम की घटनाएँ सभी पर असर डालती हैं। लेकिन गरीब और वंचित वर्गों के लोगों पर उनका और अधिक प्रभाव पड़ता है। शहरों और पहाड़ी क्षेत्रों को जलवायु परिवर्तन की स्थितियों का सामना करने के लिए विशेष रूप से सक्षम बनाने की आवश्यकता है। लोभ की संस्कृति दुनिया को प्रकृति से दूर करती है और अब हमें यह एहसास हो रहा है कि हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहिए। आज भी अनेक जनजातीय समुदाय ऐसे हैं जो प्रकृति के बहुत करीब और प्रकृति के साथ सौहार्द बनाकर रहते हैं। उनके जीवन-मूल्य और जीवन-शैली क्लाइमेट एक्शन के क्षेत्र में अमूल्य शिक्षा प्रदान करते हैं।’

स्वयं आदिवासी समुदाय से आने वाली मुर्मू ने कहा कि जनजातीय समुदायों द्वारा युगों से अपना अस्तित्व बनाए रखने के रहस्य को एक शब्द में ही व्यक्त किया जा सकता है। ‘वह शब्द हैः हमदर्दी।’

राष्ट्रपति ने कहा, ‘जनजातीय समुदाय के लोग प्रकृति को माता समझते हैं तथा उसकी सभी संतानों अर्थात वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के प्रति सहानुभूति रखते हैं। कभी-कभी दुनिया में हमदर्दी की कमी महसूस होती है। लेकिन इतिहास साक्षी है कि ऐसे दौर केवल कुछ समय के लिए ही आते हैं, क्योंकि करुणा हमारा मूल स्वभाव है।’

राजस्थान में भाजपा ने 2 चुनाव पैनलों की घोषणा की
वसुंधरा राजे का नाम गायब

बीएनटी न्यूज

भाजपा ने राजस्थान के लिए दो प्रमुख चुनाव समितियों की घोषणा की। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे इनमें से किसी भी पैनल का हिस्सा नहीं हैं। इसको लेकर एक अलग तरह की चर्चा शुरू हो गई है। राजस्थान में इस इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनाव प्रबंधन समिति और चुनाव घोषणापत्र समिति का गठन किया था। 21 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पूर्व सांसद नारायण पंचारिया हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल प्रदेश संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) समिति का नेतृत्व करेंगे।

दोनों में से किसी पैनल के सदस्य के रूप में भी वसुंधरा राजे का नाम शामिल नहीं है। विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि वसुंधरा राजे हमारी वरिष्ठ नेता हैं...हमने उन्हें कई कार्यक्रमों में शामिल किया है और भविष्य में भी उन्हें हम शामिल करते रहेंगे। बड़ा सवाल यह भी है कि वसुंधरा राजे को लेकर क्या जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसको लेकर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि वसुंधरा राजे पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और वह राज्य में लगातार प्रचार करेंगी।

गौरतलब है कि वसुंधरा राजे 5 बार की विधायक हैं और दो बार राज्य की मुख्यमंत्री रही हैं। भाजपा के बड़े चेहरों में उनका नाम है।

साथ ही साथ उनके समर्थक उन्हें मुख्यमंत्री चेहरा बनाने का दबाव पार्टी नेतृत्व पर लगातार डाल रहे हैं। खुद चुनावी साल में वसुंधरा राजे काफी सक्रिय हैं। वरिष्ठ नेताओं के साथ मंच भी साझा कर रही हैं। ऐसे में कहीं ना कहीं वसुंधरा राजे भी राजस्थान चुनाव को लेकर काफी अहम मानी जा रही है।

छत्तीसगढ़ में कानून का राज-हमें बुलडोजर चलाने पर विश्वास नहीं

बीएनटी न्यूज

छत्तीसगढ़ में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर वार- पलटवार की राजनीतिक जबरदस्त तरीके से चल रही है। सत्ता में कांग्रेस है। यही कारण है कि भाजपा कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साथ रही है। भूपेश बघेल की सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने कमीशन खोरी को बड़ा मुद्दा बनाया है। इसी को लेकर अब भूपेश बघेल की ओर से पलटवार किया गया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अरुण साव (छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष) ने सही कहा है क्योंकि रमन सिंह (पूर्व सीएम) ने खुद स्वीकार किया है कि अगर कोई एक साल के लिए 'कमीशनखोरी' बंद कर दे, तो वह 30 साल तक शासन कर सकता है। उन्होंने 'कमीशनखोरी' बंद नहीं की और इसलिए सरकार खो दी।

अपना हमला करते हुए कहा कि 15 साल तक शासन करने वाली सरकार ने केवल 15 सीटें हासिल कीं। अरुण साव को सबसे पहले खुद से शुरूआत करनी चाहिए, क्योंकि वह 'कमीशनखोर' हैं। उन्होंने कहा कि हमें बुलडोजर चलाने में भरोसा नहीं है, हमें कानून पर भरोसा है और कानून छत्तीसगढ़ में शासन कर रहा है और हम कार्यवाही में इसका पालन करेंगे। यह नफरत और हिंसा की राजनीति है। चुनाव से पहले जेसीसी-जे के पूर्व विधायक धर्मजीत सिंह के बीजेपी में शामिल होने पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा टिकट की गारंटी मिलने के कारण उन्होंने पार्टी छोड़ी है। क्या वे बता सकते हैं कि वे कहां से चुनाव लड़ेंगे... उन्हें लगा कि वह चुनाव नहीं जीत सकते, इसलिए उन्होंने छोड़ दिया। ऐसा सुना गया है कि वह लोरमी से चुनाव नहीं लड़ेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में एक बार फिर जीत हासिल करेगी और लोगों से संविधान एवं लोकतंत्र को बचाने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को समर्थन करने का आग्रह किया। खरगे यहां राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम भरोसे का सम्मेलन में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सत्ता पक्ष के नेता मौजूद थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाला केंद्र लोगों को तबाह करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन लोगों को सतर्क रहना चाहिए और अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में लाना चाहिए। हम छत्तीसगढ़ (विधानसभा चुनाव) में पार्टी की जीत के प्रति आश्वस्त हैं।

राजस्थान में कांग्रेस 60 नए चेहरे पेश करेगी कई मौजूदा विधायक टिकट से वंचित होंगे

बीएनटी न्यूज

इस साल के अंत में राजस्थान में होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पांच से आठ मंत्रियों सहित अपने कई मौजूदा विधायकों को टिकट से वंचित रखने की योजना बना रही है। सत्ताधारी पार्टी इस चुनाव में 60 नए चेहरे उतार सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस ने इस साल के अंत में होने वाले चुनावों में कम से कम पांच से आठ मंत्रियों सहित 35 विधायकों को हटाने का फैसला किया है।

सूत्र ने कहा कि पार्टी कुछ मशहूर हस्तियों, सामाजिक कार्यकताओं, सामाजिक कार्यकताओं और कुछ प्रमुख पुरस्कार विजेताओं को चुनाव में उतारने पर भी विचार कर रही है।

सूत्र ने कहा कि यह फैसला पार्टी द्वारा एक महीने पहले कराए गए सर्वे के मद्देनजर लिया जा रहा है।

पार्टी ने मौजूदा विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का हवाला देते हुए इस साल के अंत में चुनाव में 60 नए चेहरों को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

सूत्र ने आगे कहा कि कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में मैदान में उतारा जा सकता है, क्योंकि उनमें अपनी लोकप्रियता और अपने निर्वाचन क्षेत्रों में किए गए कार्यों का हवाला देते हुए भाजपा से मुकाबला करने की क्षमता है। सूत्र ने हालांकि यह भी कहा कि जिन विधायकों को इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट से वंचित किया जाएगा, उनमें से कुछ को सरकार के सत्ता में लौटने पर बोर्ड या स्थानीय नगर निकायों में रखा जाएगा।

सूत्र से जब पूछा गया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री और पूर्व राज्य इकाई प्रमुख सचिन पायलट से लेकर पार्टी के कितने विधायकों पर टिकट कटने की तलवार लटकेगी, तो उन्होंने कहा कि कम से कम 18 ऐसे नेता हैं।

महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में नवंबर महीने में होने हैं। अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार रेगिस्तानी राज्य में वैकल्पिक सरकार की परंपरा को तोड़ने के लिए मतदाताओं को लुभाने के लिए राज्य में कई योजनाएं शुरू कर रही है।

कांग्रेस ने पिछले महीने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ पार्टी नेताओं की बैठक के दौरान राज्य में विधानसभा चुनाव से कम से कम दो महीने पहले पार्टी उम्मीदवारों की घोषणा करने का फैसला किया था। पार्टी ने चुनाव समिति का भी गठन कर दिया है।

इस बीच भाजपा भी राज्य की सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है।

आप जो भी कर सकते हैं करें: डी.के. शिवकुमार

बीएनटी न्यूज

भ्रष्टाचार के आरोपों की लोकायुक्त जांच की मांग करने और राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मिलने के भाजपा के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भगवा पार्टी के नेताओं से कहा कि वे जो कुछ भी कर सकते हैं, करें।

पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. सी. एन. अश्वथ नारायण ने घोषणा की थी कि भाजपा नेता शिवकुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर राज्यपाल से मिल रहे हैं और जांच के लिए मामले को लोकायुक्त को सौंपने के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि शिवकुमार को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

बेंगलुरु में अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, ‘अश्वथ नारायण को ‘नवरंगी (गिरगिट) नारायण’ कहा जाना चाहिए। चोरों को बचाने के लिए उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि दी जानी चाहिए। उन्होंने रामनगर आकर दावा किया कि वह सफाई की प्रक्रिया शुरू करायेंगे, क्या साफ किया? जिला प्रभारी मंत्री के रूप में उन्होंने रामनगर से अपनी पार्टी का सूपड़ा साफ कर दिया.’ वह रामनगर में भाजपा की चुनावी हार का जिक्र कर रहे थे।

शिवकुमार ने कहा, ‘अश्वथ नारायण अभी भी उसी तनाव में हैं। हमने अभी तक इस पर गौर नहीं किया है कि उन्होंने बेंगलुरु शहर में क्या-क्या किया है। मैं अब बात नहीं करूंगा. समय आने पर मैं विस्तार से बताऊंगा कि उन्होंने क्या काम किया है और वह किसे मेरे खिलाफ भड़का रहे हैं,’

‘असली ठेकेदारों की मदद के लिए हमने जांच शुरू की है। हमने इस मामले की जांच करने का फैसला किया है, चाहे कुछ भी हो।

उसे किसी भी स्तर पर जाने दें, किसी के भी पास जाने दें। शिवकुमार ने चुटकी लेते हुए कहा, उन्हें कोई भी खेल खेलने दीजिए या कोई अभियान चलाने दीजिए, मैं उस पर कुछ नहीं बोलूंगा।

डिप्टी सीएम ने आगे कहा, ‘मैं स्वतंत्रता दिवस के बाद बोलूंगा। मैंने किसी को ठेका आवंटित नहीं किया है और उनमें से कुछ मेरे पास आए और मुझसे भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों के बिल जारी करने के लिए कहा। यदि काम पूरा हो गया है, तो हम बिल चुकाने के लिए बाध्य हैं।’ भाजपा ने अपने कार्यकाल के दौरान बिलों को मंजूरी क्यों नहीं दी?’ शिवकुमार ने सवाल किया।

उन्होंने कहा, ‘मैं दो दिन बाद दस्तावेज दिखाऊंगा जिसे देखकर आप चौंक जाएंगे। मुझे ठेकेदारों के लिए खेद महसूस हो रहा है कि कैसे उनका दुरुपयोग किया जा रहा है, और शर्मिंदा हूं, सब कुछ मेरी जानकारी में है।’

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि द्वारा भ्रष्टाचार को लेकर उन पर किये गये हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने कहा कि, ‘रवि को भी इलाज की जरूरत है, आइए हम उसका अच्छा इलाज करें।’

न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती इंसाफ की राह में बाधाएं दूर करना

बीएनटी न्यूज

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती इंसाफ तक पहुंच की बाधाएं दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि न्यायपालिका समावेशी एवं पंक्ति में आखिरी छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए सुगम हो। उन्होंने यह भी कहा कि अदालतों को सुगम और समावेशी बनाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर बुनियादी ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन करने की जरूरत है।

उच्चतम न्यायालय परिसर में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में अपने संबोधन में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि लक्ष्य एक ऐसा न्यायतंत्र बनाना है जो लोगों के लिए अधिक सुगम तथा सस्ती हो तथा इंसाफ की प्रक्रियागत बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए प्रौद्योगिकी के सामर्थ्य का दोहन किया जाना है।

लाल किले के प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये गये भाषण का जिक्र करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने फैसलों को भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने के शीर्ष अदालत के प्रयासों का उल्लेख किया है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अबतक शीर्ष अदालत के 9423 फैसलों का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। एससीबीए के कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के अलावा कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश, अटॉनी जनरल आर वेंकटरमणी, एसीबीए के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वकील आदिश सी अग्रवाल एवं सचिव रोहित पांडे समेत बार एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद थे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हर कानूनी शिकायत का समाधान महत्वपूर्ण है तथा ऐसी शिकायतों की सुनवाई कर अदालतें बस अपना संवैधानिक दायित्व निभा रही हैं।

अनुच्छेद 370 पर चली रही सुनवाई के बीच बोलीं महबूबा मुफ्ती
सुप्रीमकोर्ट से न्याय की उम्मीद

बीएनटी न्यूज

अनुच्छेद 370 को रद्द करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इन सब के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को कहा कि इस देश के लोगों को शीर्ष अदालत पर भरोसा है। हिंदू पौराणिक कथा 'महाभारत' का जिक्र करते हुए उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या शीर्ष अदालत इस मामले में भगवान कृष्ण या धृतराष्ट्र की भूमिका निभाएगी। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, पत्रकारों से बात करते हुए मुफ्ती ने कहा, "हमें सुप्रीम कोर्ट से उम्मीद है कि वह न्याय करेगा। हमारा संघर्ष यहीं खत्म नहीं होता है। हमारा संघर्ष जारी रहेगा।" भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। मुफ्ती ने कहा था कि 1947 में भारतीयों द्वारा जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों से किया गया वादा सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा चल रहा था, जिसमें "सौभाग्य से" उन्हें अभी भी कुछ विश्वास है। इस देश को बहुसंख्यकवाद पर नहीं चलाया जा सकता। यह देश संविधान के अनुसार चलेगा। पीडीपी नेता ने कहा था कि यह शीर्ष अदालत और भारत के लोगों को देखना है कि देश संविधान के अनुसार चलेगा या "किसी विशेष पार्टी के विभाजनकारी एजेंडे के अनुसार"।

शीर्ष अदालत पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। केंद्र ने 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की अधिसूचना जारी की थी, जिससे पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा खत्म हो गया था।

अनुच्छेद 370 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के प्रावधानों को निरस्त करने को चुनौती देने वाली कई याचिकाएँ, जिन्होंने पूर्ववर्ती राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया था, को 2019 में एक संविधान पीठ को भेजा गया था।

सीनेटर अनवर-उल-हक काकर बने पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री

बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान में कहा गया कि बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) से जुड़े विधायक अनवर-उल-हक काकर को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्णय शहबाज शरीफ और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज के बीच दूसरे दौर की बातचीत के बाद आया है और इसे राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने मंजूरी दे दी है।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए रियाज ने कहा, "हमने तय किया है कि अंतरिम प्रधानमंत्री एक छोटे प्रांत से होगा।"

उन्होंने कहा कि काकर का नाम उन्होंने ही सुझाया था, जिसे मंजूरी दे दी गई।

यह घटनाक्रम तब हुआ जब राष्ट्रपति अल्वी ने शरीफ को पत्र लिखकर उन्हें और विपक्षी नेता को 12 अगस्त तक अंतरिम प्रधानमंत्री पद के लिए

"उपयुक्त व्यक्ति" का सुझाव देने को कहा।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शरीफ और रियाज दोनों को भेजे गए एक पत्र में, राष्ट्रपति ने उन्हें सूचित किया कि संविधान के अनुच्छेद 224ए के तहत, उन्हें नेशनल असेंबली को भंग करने के तीन दिनों के भीतर अंतरिम प्रधानमंत्री का नाम तय करना है। काकर 2018 में सीनेट के लिए चुने गए थे और काफी सक्रिय राजनेता रहे हैं। उच्च सदन के लिए चुने जाने से पहले उन्होंने प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता के रूप में भी काम किया है।

वरिष्ठ एंकर हामिद मीर ने जियो न्यूज को बताया, "हालांकि वह राजनीति में हैं, लेकिन काकर को देश में एक महान बुद्धिजीवी माना जाता है।"

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मीर ने कहा कि बीएपी विधायक पश्तून के काकर जनजाति से हैं, इसलिए वह पश्तून और बलूच दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने यासीन मलिक की पत्नी को अहम पद दिया, जलील अब्बास जिलानी को बनाया विदेश मंत्री

बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार और उसके मंत्रिमंडल ने आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभाल लिया और चयनित कैबिनेट सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में शपथ ली।

संघीय मंत्रालयों के लिए मंत्रियों के चयन ने अन्य राजनीतिक ताकतों की चिंताएं बढ़ा दी हैं, लेकिन यह भी संकेत दे दिया है कि पाकिस्तान अपनी विदेश नीति, खासकर अपने कट्टर पड़ोसी भारत के प्रति किस तरह की सोच रखेगा। कैबिनेट के सबसे महत्वपूर्ण सदस्य जलील अब्बास जिलानी हैं। वह अनुभवी राजनयिक हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और यूरोपीय संघ (ईयू) में राजदूत के रूप में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

जिलानी वर्ष 1999 से 2003 के बीच भारत में उप उच्चायुक्त भी रहे और वर्ष 2007 से 2009 तक ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे। इससे पहले, जिलानी ने मार्च 2012 से दिसंबर 2013 तक

पाकिस्तान के विदेश सचिव के रूप में भी कार्य किया था।

जिलानी की नियुक्ति पाकिस्तान की विदेश नीति की दिशा को दर्शाती है। उन्हें पश्चिम के साथ रिश्ते सुधारने हैं और भारत के प्रति नीतिगत प्रतिक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करना है।

जिलानी ने हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में फैसलाबाद के जारांवाला में चर्च पर हुए हमलों पर भारतीय पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल की आलोचना का जवाब इन शब्दों में दिया था : विश्व स्तर पर भारत महिलाओं, दलितों, ईसाइयों, मुसलमानों के खिलाफ हिंसा में सबसे आगे है, जिसमें आधिकारिक निगरानी में अल्पसंख्यकों की हत्या भी शामिल है। कंवल सिब्बल सीएनएन पर ओबामा के दिए इस बयान को याद रखें, "अगर भारत जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करता है, तो मुल्क टूटना शुरू हो जाएगा।"

अंतरिम विदेश मंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले दी गईं इस तरह की प्रतिक्रियाएं, काफी हद तक दर्शाती हैं कि पाकिस्तान की विदेश नीति भारत पर ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढ़ेगी।

एक और महत्वपूर्ण नियुक्ति मानवाधिकार पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक (एसएपीएम) की हुई है। यह पद कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक की पत्नी मुशाल हुसैन मलिक को दी गई है।

मुशाल हुसैन मलिक कश्मीर विवाद और अपने पति यासीन मलिक, जो भारतीय अधिकारियों की हिरासत में हैं, के बारे में मुखर रही हैं।

मुशाल की नियुक्ति कथित मानवाधिकार हनन के मद्देनजर कश्मीर के मुद्दे को उठाने, कश्मीरियों के लिए धर्म की स्वतंत्रता और बोलने की आजादी के अधिकार और इसे दुनिया के मंचों पर प्रदर्शित करने के लिए विदेश कार्यालय और मानवाधिकार मंत्रालय का उपयोग करने की पाकिस्तान की भविष्य की नीति का भी संकेत देती है।

पाकिस्तान की कार्यवाहक व्यवस्था चार प्रमुख कारकों पर केंद्रित है, जैसे अर्थव्यवस्था, विदेश नीति, सुरक्षा और भारत से निपटना उसका मुख्य काम है।

ट्रम्प ने आपराधिक चुनाव तोड़फोड़ मामले में अप्रैल 2026 में मुकदमा चलाने का रखा प्रस्ताव

बीएनटी न्यूज

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके खिलाफ विशेष वकील जैक स्मिथ के आपराधिक चुनाव तोड़फोड़ मामले की देखरेख करने वाले एक संघीय न्यायाधीश को अप्रैल 2026 के लिए सुनवाई निर्धारित करने का प्रस्ताव दिया है।

सीएनएन ने बताया, एक फाइलिंग में, ट्रम्प ने वाशिंगटन, डी.सी. में अमेरिकी जिला न्यायाधीश तान्या चुटकन से जनवरी 2024 के मुकदमे के लिए स्मिथ के प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह अधिक तेजी से परीक्षण कैलेंडर चाहते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति के वकीलों ने लिखा, सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है, राष्ट्रपति ट्रम्प और उनके वकीलों को मुकदमे की तैयारी के लिए उचित क्षमता से वंचित करना। न्यायालय को सरकार के अनुरोध को अस्वीकार कर देना चाहिए।

उन्होंने न्यायाधीश से इसके बजाय जूरी चयन और सुनवाई अप्रैल 2026 के लिए निर्धारित करने को कहा।

चुटकन, जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा नियुक्त किया गया था, अंततः परीक्षण शुरू होने की तारीख तय करेंगे, महीने के अंत तक निर्णय लेने की संभावना है।

ट्रम्प की टीम ने तर्क दिया कि मुकदमे के लिए स्मिथ की प्रस्तावित समय-सीमा अन्य आपराधिक और नागरिक मामलों के साथ टकराव होगी जिसमें पूर्व राष्ट्रपति प्रतिवादी हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फुल्टन काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी फानी विलिस चाहती हैं कि उनका मुकदमा मार्च 2024 में शुरू हो।

दस्तावेज मामले में संघीय न्यायाधीश ने उस मुकदमे की सुनवाई मई 2024 के लिए निर्धारित की है, जबकि न्यूयॉर्क मामले की सुनवाई अगले साल मार्च में होने वाली है।

संघीय अभियोजकों ने यूएस कैपिटल और आयोवा कॉकस पर हमले की वर्षगांठ से कुछ दिन पहले, 2 जनवरी, 2024 को 2020 के चुनाव हस्तक्षेप आपराधिक मुकदमे को शुरू करने का अनुरोध किया है।

हवाई में जंगल की आग से मरने वालों की संख्या 110 हुई

बीएनटी न्यूज

अमेरिकी राज्य हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने कहा कि माउई द्वीप में 8 अगस्त को लगी विनाशकारी जंगल की आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 110 हो गई है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने एक संवाददाता सम्मेलन में ग्रीन के हवाले से कहा, "हर दिन हमारा दिल थोड़ा और टूट जाता है। हमें बताना पड़ता है कि हमारे कई प्रियजनों के खो जाने और मरने की पुष्टि हो गई है।" गवर्नर ने कहा कि जले हुए क्षेत्र का लगभग 38 प्रतिशत खोजा जा चुका है, जबकि माउई में लगभग 2,200 संरचनाएं, जिनमें से 86 प्रतिशत आवासीय हैं, या तो पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं

या क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

माउई पुलिस प्रमुख जॉन पेलेटियर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सप्ताहांत तक खोजकर्ताओं ने 85 से 90 प्रतिशत क्षेत्र को कवर कर लिया होगा।

जंगल की आग, जिसने माउई के ऐतिहासिक शहर लहाइना को नष्ट कर दिया, आधुनिक अमेरिकी इतिहास में सबसे घातक आग है।

द्वीप के प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 2,000 परिवार बिना बिजली के हैं।

व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन 21 अगस्त को माउई का दौरा करेंगे।

राष्ट्रपति ने एक ट्वीट में कहा, "मैं इस आपदा से उबरने के लिए हवाई के लोगों को उनकी जरूरत की हर चीज मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध हूं।"

मस्क ने भारतीय-अमेरिकी रामास्वामी को राष्ट्रपति पद के लिए बताया होनहार उम्मीदवार

बीएनटी न्यूज

अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने भारतीय-अमेरिकी रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे विवेक रामास्वामी की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'होनहार उम्मीदवार' बताया।

एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर राजनीतिक टिप्पणीकार और टॉक शो होस्ट टकर कार्लसन के साथ रामास्वामी के साक्षात्कार का एक वीडियो साझा करते हुए मस्क ने कहा, "वह एक बहुत ही आशाजनक उम्मीदवार हैं।"

38 साल के रामास्वामी सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति

पद के उम्मीदवार हैं। उन्होंने फरवरी में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन प्रतियोगिता में प्रवेश किया।

वह अब पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के बाद तीसरे नंबर पर हैं।

टेक उद्यमी को रिपब्लिकन पार्टी के 9 प्रतिशत नेताओं का समर्थन प्राप्त है, जबकि ट्रम्प को 47 प्रतिशत का समर्थन प्राप्त है, इसके बाद रॉन डेसेंटिस को 19 प्रतिशत का समर्थन प्राप्त है।

रामास्वामी ने कहा है कि चीन अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा है और अगर वह सत्ता में आए तो बीजिंग के साथ पूरी तरह से संबंध विच्छेद करेंगे।

उन्होंने अगले साल व्हाइट हाउस के लिए चुने जाने पर ट्रम्प को तुरंत माफ करने की बात भी कही और रिपब्लिकन प्राइमरी पोल में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति से प्रशंसा भी अर्जित की।

इस बीच, रामास्वामी और अन्य रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी अगले सप्ताह बहस के लिए तैयारी कर रहे हैं।

रिपब्लिकन अपनी पार्टी के अगले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को औपचारिक रूप से चुनने के लिए 15-18 जुलाई, 2024 तक मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन में मिलेंगे।

विफल ब्रोमांस : सेना ने इमरान को सहारा देने के बाद उन्हें क्यों छोड़ दिया?

बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की राजनीतिक लोकप्रियता देश के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के अभूतपूर्व समर्थन से हासिल हुई, जिसने उन्हें न केवल एक सेलिब्रिटी छवि के रूप में प्रदर्शित किया, बल्कि एक मिशन पर रॉबिन हुड के रूप में भी दिखाया, ताकि लोग पिछले पांच दशकों से परिवार-संचालित नेताओं द्वारा शासित राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ खड़े हों।

जब क्रिकेटर से नेता बने क्रिकेटर 2018 में प्रधानमंत्री बने, तो तत्कालीन विपक्षी दलों ने उन्हें "चयनित" प्रधानमंत्री कहा, जिन्हें सैन्य प्रतिष्ठान के समर्थन से सत्ता में लाया गया था।

चुनाव प्रक्रिया में छेड़छाड़ करने खान में शामिल होने और बहुमत सरकार बनाने में मदद करने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करने के लिए प्रतिष्ठान की और भी आलोचना की गई।

खान प्रतिष्ठान का नीली आंखों वाला लड़का था, जो न केवल एक शक्तिशाली सेलिब्रिटी व्यक्ति और एक अत्यधिक सम्मानित और प्रिय परोपकारी व्यक्ति था, बल्कि वह पाकिस्तान में मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) जैसी बड़ी ताकतों के खिलाफ बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के एक राजनीतिक ताकत के रूप में उभरने के लिए एक आदर्श व्यक्तित्व भी था।

खान के कार्यकाल के दौरान उनकी सरकार पर पूरे सैन्य प्रतिष्ठान का समर्थन करने का आरोप लगाया गया था, जो उनके शासन द्वारा लिए जाने वाले हर संभव निर्णय में उनका समर्थन कर रहे थे।

तब यह माना गया था कि खान निश्चित रूप से पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बनेंगे और 2023 के चुनावों में भी एकल बहुमत से जीत हासिल करेंगे।

लेकिन खान और पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा के बीच कभी न खत्म होने वाले प्रेम संबंध और घनिष्ठ संबंधों के बीच पाकिस्तान के चीन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे मित्र देशों के साथ-साथ पश्चिम के देशों के साथ भी संबंध हैं।

अफगानिस्तान, रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्लामोफोबिया के खिलाफ मुस्लिम दुनिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए तीन देशों के गठबंधन के गठन की उनकी घोषणा सहित विभिन्न मुद्दों पर पूर्व प्रधानमंत्री की स्थिति के कारण अमेरिका और

यूरोपीय संघ (ईयू) की स्थिति खराब होने लगी। खान के बाजवा के साथ घनिष्ठ संबंध भी उन्हें अपनी ही सेना को दरकिनार करने और कई मुद्दों पर पूर्व प्रधानमंत्री का पक्ष लेने के लिए प्रेरित करते दिखे, जिससे सेना के भीतर असुविधा और विचलन पैदा हुआ।

एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक जावेद सिद्दीकी ने कहा, "यूएनजीए में इमरान खान का भाषण, जहां उन्होंने इस्लामोफोबिया के खिलाफ पाकिस्तान, मलेशिया और तुर्की के बीच एक गठबंधन बनाने की घोषणा की थी, अरब देशों को बुरी तरह से प्रभावित करने वाला था।"

उन्होंने कहा, चीन इस बात से भी खान से नाखुश था कि उसने चीनी कंपनियों द्वारा लिए जा रहे अत्यधिक कमीशन का हवाला देते हुए समझौतों की फिर से जांच करने के आह्वान के बाद कई चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) से जुड़ी परियोजनाओं को रोक दिया था।

विश्लेषक ने कहा, इमरान खान का तत्कालीन आईएसआई प्रमुख मेजर जनरल आसिफ मुनीर का विरोध केवल इसलिए था, क्योंकि खान को लगता था कि मुनीर सीमा पार कर रहे थे और उनकी पत्नी बुशरा बीबी और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार के भ्रष्टाचार से संबंधित मामलों में खुदाई कर रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें हटा दिया गया था। मुनीर को आईएसआई प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया, जबकि फैज हमीद (खान के पसंदीदा सैन्य व्यक्ति) को उनके प्रतिस्थापन के रूप में नियुक्त किया गया। यह भी कुछ ऐसा था, जिसने बाजवा पर उनके अपने सैन्य क्वार्टर द्वारा अधिक दबाव डालने का दावा किया।

लेकिन खान और बाजवा के बीच घनिष्ठ संबंध ताश के पत्तों की तरह ढह गए, जब बाजवा ने पूर्व प्रधानमंत्री का समर्थन नहीं करने का फैसला किया और विपक्षी गठबंधन को 11 अप्रैल, 2022 को उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की अनुमति मिल गई, जिस कारण उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा।

तब से, सेना के प्रति खान का प्यार नफरत में बदल गया, क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से विपक्ष का साथ देने के लिए सेना प्रतिष्ठान का उपहास किया, जिसे उन्होंने देश के चोर और लुटेरे कहा और उनके खिलाफ शासन परिवर्तन की साजिश का हिस्सा बनने के लिए कहा।

खान की सत्ता-विरोधी बयानबाजी समय के साथ भड़कती रही, जिसका प्रकोप 9 मई को देखा गया, जब उनकी गिरफ्तारी से देश में गुस्सा और हिंसक विरोध प्रदर्शन हुआ और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने अपने प्रमुख के आह्वान का जवाब दिया और भीड़ के हमलों और बर्बरता के माध्यम से सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया।

आज, खान की पीटीआई पार्टी खत्म हो चुकी है और वह भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जा चुके है।

राजनीति में उनकी प्रसिद्धि जल्द ही कानूनी लड़ाई में बदल गई, क्योंकि वर्तमान में उनके खिलाफ 200 से अधिक मामले दर्ज हैं।

जबकि इमरान खान के सैन्य-विरोधी कथन ने सत्ता प्रतिष्ठान के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को खत्म कर दिया है; उनका जनसमर्थन और जनता में डाली गई सेना-विरोधी भावनाएं बरकरार दिख रही हैं।

कई लोगों का मानना है कि लोग सैन्य ताकत का आह्वान करने और राजनीतिक प्रकृति के मामलों को नियंत्रित करने के उनके इरादों को उजागर करने का साहस करने के लिए खान को पसंद करते हैं।

जबकि अन्य लोगों का मानना है कि खान की सत्ता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने और देश में कई बदलाव लाने के अवसर का उपयोग करने में असमर्थता के कारण सेना उनसे दूर चली गई और उन्हें गिरते हुए देखा।

रूस-यूक्रेन युद्ध में शामिल नहीं होगा बेलारूस : राष्ट्रपति

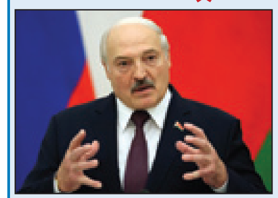

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा है कि जब तक यूक्रेन के लोग राज्य की सीमा पार नहीं करेंगे, बेलारूस यूक्रेन में सशस्त्र युद्ध में भाग नहीं लेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, लुकाशेंको ने एक साक्षात्कार में मीडिया से कहा, "अगर यूक्रेनियन हमारी सीमा पार नहीं करते हैं, तो हम इस युद्ध में कभी भाग नहीं लेंगे, लेकिन हम हमेशा रूस की मदद करेंगे।" बेलारूसी राष्ट्रपति ने उन रिपोर्टों का भी खंडन किया कि मॉस्को मिन्स्क को यूक्रेन में अपने "विशेष सैन्य अभियान" में भाग लेने के लिए मना रहा है। इस बीच लुकाशेंको ने कहा कि युद्ध को टाला जा सकता था और इसे खत्म करना अब भी संभव है। उन्होंने कहा कि किसी भी शांति वार्ता को बिना किसी पूर्व शर्त के आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

रूस ने 54 ब्रिटिश नागरिकों पर प्रतिबंध लगाया

रूस ने 54 ब्रिटिश नागरिकों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं जिनमें अधिकारी, पत्रकार और कानून प्रवर्तन प्रतिनिधि शामिल हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने रूस के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि यह निर्णय "लंदन के शत्रुतापूर्ण रूस विरोधी कार्यक्रम" और रूसी नागरिकों और कारोबारियों के खिलाफ लगाए गए "एकतरफा" प्रतिबंधों के जवाब में लिया गया है। मंत्रालय के अनुसार, ब्रिटिश संस्कृति, मीडिया और खेल राज्य सचिव लुसी फ्रेजर और ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री एनाबेल गोल्डी उन लोगों में शामिल हैं, जिन पर प्रतिबंध लगाया गया है। बयान में कहा गया है कि ब्रिटिश नागरिक और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अभियोजक करीम खान पर भी बैन लगाया गया है। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी), गार्जियन मीडिया ग्रुप और डेली टेलीग्राफ के पत्रकारों को झूठी सूचना फैलाने, यूक्रेन में घटनाओं के कवरेज को दबाने का प्रयास करने के लिए प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, बच्चों को भविष्य में हिंदी, चीनी भाषा सीखनी होगी

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि बदलती दुनिया में फिट होने के लिए द्वीप राष्ट्र में बच्चों को भविष्य में अंग्रेजी के अलावा हिंदी और चीनी भाषा भी सीखनी होगी। कोलंबो के एक स्कूल में एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कहा कि भविष्य में फिट होने के लिए श्रीलंका में शिक्षा में भारी बदलाव करना होगा। राष्ट्रपति ने कहा, हमें नए विषय पेश करने होंगे। हमारे बच्चों को बदलती दुनिया में फिट होने के लिए अंग्रेजी के अलावा चीनी और हिंदी भाषा भी सीखनी होगी। श्रीलंकाई बच्चे स्कूलों में दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी सीखते हैं। हालांकि उच्च शिक्षा की धाराएं बदलने के साथ, ऐसे कई बच्चे हैं जो विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं के लिए हिंदी और चीनी सीखते हैं।

अटक जेल में इमरान खान को दिया जा सकता है जहर : बुशरी बीबी

बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने जेल में बंद अपने पति की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि अटक जेल में उन्हें 'जहर दिया जा सकता है'।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब प्रांत के गृह सचिव को लिखे पत्र में बुशरा बीबी ने कहा कि अदालत ने संबंधित अधिकारियों को उनके पति को रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है।

मेरे पति को बिना किसी कारण के अटक जेल में कैद कर दिया गया है। कानून के मुताबिक, मेरे पति को अदियाला जेल में स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ताहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष को इस महीने की शुरूआत में जेल में डाल दिया गया था, जब अदालत ने उन्हें 2018 के दौरान विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से प्रधान मंत्री के रूप में प्राप्त सरकारी उपहारों की बिक्री से संबंधित तोशखाना मामले में तीन साल की जेल की सजा सुनाई थी। उन्हें पांच साल के लिए राजनीति से भी प्रतिबंधित कर दिया गया।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पत्र में अपदस्थ प्रधानमंत्री की पत्नी ने मांग की है कि पीटीआई प्रमुख को उनकी सामाजिक और राजनीतिक स्थिति को देखते हुए जेल में बी श्रेणी की सुविधाएं प्रदान की जाएं क्योंकि वह "ऑक्सफोर्ड स्नातक और राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान" हैं।

उन्होंने कहा कि अटक जेल में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, जिसके उनके पति हकदार हैं।

बुशरा ने आगे कहा कि अतीत में खान की हत्या के दो प्रयास किए गए थे और इसमें शामिल आरोपियों को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पत्र में कहा, "उनकी (खान) जान अभी भी खतरे में है और डर है कि मेरे पति को अटक जेल में जहर दे दिया जाएगा।"

उन्होंने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री होने के नाते उनके पति को जेल में घर का बना खाना खाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

पाकिस्तान के फैसलाबाद में ईशनिंदा पर लोग भड़के, कई चर्चों में तोड़फोड़

बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान में फैसलाबाद की जड़ानवाला तहसील में ईशनिंदा से भड़के लोगों ने कई चर्चों में तोड़फोड़ की। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, क्रिश्चियन नेता अकमल भट्टी ने कहा कि भीड़ ने कम से कम पांच चर्चों को आग लगा दी। सोशल मीडिया पर मौजूद तस्वीरों में चर्च की इमारतों से धुआं उठता दिख रहा है और लोग वहां से खींचे गए फर्नीचर में आग लगा रहे हैं।

जड़ानवाला के पादरी इमरान भट्टी ने डॉन को बताया कि जिन चर्चों में तोड़फोड़ की गई, उनमें ईसा नगरी इलाके में स्थित साल्वेशन आर्मी चर्च, यूनाइटेड प्रेस्बिटेरियन चर्च, एलाइड फाउंडेशन चर्च और शहरूनवाला चर्च शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि ईशनिंदा के आरोपी ईसाई सफाईकर्मी का घर भी तोड़ दिया गया है। पंजाब प्रांत के पुलिस प्रमुख उस्मान अनवर ने अखबार डॉन से बात करते हुए कहा कि पुलिस प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत कर रही है और इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में संकरी गलियां हैं। यहां पर दो से तीन मरला के छोटे चर्च स्थित हैं और एक मुख्य चर्च है...भीड़ ने चर्च के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ की है।

अधिकारी ने कहा कि शांति समितियों के साथ मिलकर स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास जारी हैं और पूरे प्रांत में पुलिस को सक्रिय कर दिया गया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उधर, ईसाई नेताओं का आरोप है कि पुलिस मूकदर्शक बनी रही है।

जड़ानवाला के पादरी इमरान भट्टी ने डॉन को बताया कि जिन चर्चों में तोड़फोड़ की गई, उनमें ईसा नगरी इलाके में स्थित साल्वेशन आर्मी चर्च, यूनाइटेड प्रेस्बिटेरियन चर्च, एलाइड फाउंडेशन चर्च और शहरूनवाला चर्च शामिल हैं।

वहीं पंजाब गृह विभाग के प्रवक्ता अमजद कलियार ने पुष्टि की कि क्षेत्र में रेंजरों की तैनाती का अनुरोध विभाग को भेजा गया है, लेकिन इस पर निर्णय लिया जाना बाकी है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, चर्च ऑफ पाकिस्तान के अध्यक्ष बिशप आजाद मार्शल ने 'एक्स' पर लिखा, "बाइबिल का अपमान किया गया है, और ईसाइयों पर पवित्र कुरान के अपमान का झूठा आरोप लगाकर उन्हें प्रताड़ित किया गया है।"

पूर्व सीनेटर अफरासियाब खट्टक ने घटना की निंदा की और मांग की कि दोषियों को सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्लाम के अलावा अन्य धर्मों को मानने वाले लोगों के उपासना स्थलों को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहा है। धर्म के नाम पर किए गए अपराधों पर छूट से चरमपंथियों और आतंकवादियों का हौसला बढ़ा है।

बलूचिस्तान के सीनेटर सरफराज बुगती ने भी पंजाब सरकार से चर्चों और ईसाई नागरिकों की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने का आह्वान किया है।

रूस में पेट्रोल पंप पर आग लगने से 12 की मौत

बीएनटी न्यूज

दक्षिणी रूस के दागेस्तान में एक पेट्रोल स्टेशन पर विस्फोट में दो बच्चों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 अन्य घायल हो गए।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट कैस्पियन सागर के तट पर स्थित क्षेत्रीय राजधानी माखचकाला में सोमवार को स्थानीय समयानुसार 21:40 बजे हुआ।

डॉक्टरों के हवाले से आई एक रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या 25 तक हो सकती है।

विस्फोट का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

तस्वीरों में रात के समय आसमान में आग जलती हुई दिखाई दी और घटनास्थल पर कई दमकल गाड़ियाँ मौजूद हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, घटनास्थल पर करीब 260 आपातकालीन कर्मचारी तैनात किए गए हैं। बताया जा रहा है कि आग 600 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैल गई।

रूसी अखबार इजवेस्टिया के हवाले से बताया गया कि आग पेट्रोल स्टेशन के सामने एक कार पार्किंग में लगी थी।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, "विस्फोट के बाद, हम अब कुछ भी नहीं देख सकते थे।"

दागिस्तान गणराज्य रूसी संघ के 83 घटक भागों में से एक है और देश का सबसे दक्षिणी भाग है। मखचकाला मॉस्को से लगभग 1,600 किमी दूर स्थित है।

नीजर की सैन्य जंटा ने अपदस्थ राष्ट्रपति पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने का लिया संकल्प

बीएनटी न्यूज

नीजर की जुंटा, जिसने जुलाई में तख्तापलट के बाद सत्ता पर कब्जा कर लिया था, ने अपदस्थ राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम पर "राजद्रोह" का मुकदमा चलाने की कसम खाई है और देश पर प्रतिबंध लगाने के लिए पश्चिम अफ्रीकी नेताओं की आलोचना की है।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने देश की रक्षा और सुरक्षा बलों व होमलैंड की सुरक्षा के लिए नव स्थापित राष्ट्रीय परिषद के सदस्य कर्नल मेजर अमादौ अब्द्रमाने के हवाले से कहा, "उच्च राजद्रोह और नीजर की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा को कमजोर करने के लिए" बजौम पर मुकदमा चलाया जाएगा।

पश्चिमी अफ्रीकी राज्यों के आर्थिक समुदाय (ईसीओडब्ल्यूएएस) ने 26 जुलाई के तख्तापलट के जवाब में नीजर पर प्रतिबंध लगा दिए हैं और देश में जल्द से जल्द "संवैधानिक व्यवस्था बहाल करने के लिए एक अतिरिक्त बल" की तैनाती को मंजूरी दे दी है, लेकिन एक राजनयिक खोजने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, नीजर के तख्तापलट नेताओं ने प्रतिबंधों को "अवैध, अमानवीय और अपमानजनक" बताया। नीजर में सैनिकों ने 26 जुलाई को बजौम को हिरासत में ले लिया और तख्तापलट के बाद उनके द्वारा स्थापित शासी निकाय सीएनएसपी का नेतृत्व करने के लिए देश के राष्ट्रपति गार्ड के पूर्व नेता अब्दौराहमाने त्चियानी को चुना।

जुंटा ने देश के हवाई क्षेत्र को भी अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया है।

भारतीय मूल के थर्मन सिंगापुर राष्ट्रपति चुनाव के लिए तीन पात्र उम्मीदवारों में शामिल

बीएनटी न्यूज

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री थर्मन शनमुगरत्नम और दो अन्य को सिंगापुर में 1 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है। चुनाव विभाग ने एक बयान में यह जानकारी दी।

पात्रता प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने का समय समाप्त होने तक राष्ट्रपति चुनाव समिति (पीईसी) को कुल छह आवेदन प्राप्त हुए।

इनमें से, पीईसी ने 66 वर्षीय थरमन, पूर्व जीआईसी निवेश प्रमुख एनजी कोक सॉन्ग (75), और पूर्व नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस इनकम के प्रमुख टैन किन लियान (75) को योग्य बनाया।

लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष ली त्जु यांग और सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीशों की अध्यक्षता वाली समिति ने पाया कि तीनों व्यक्ति ईमानदार, अच्छे चरित्र और प्रतिष्ठा वाले हैं।

चुनाव विभाग ने एक बयान में कहा, "समिति उपलब्ध जानकारी के आधार पर संतुष्ट है कि श्री थर्मन ईमानदार, अच्छे चरित्र और प्रतिष्ठा वाले व्यक्ति हैं।"

बयान में कहा गया है, "समिति इस बात से भी संतुष्ट है कि श्री थर्मन ने तीन या अधिक वर्षों तक मंत्री पद पर रहते हुए अनुच्छेद 19(3)(ए) के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की सेवा की आवश्यकता को पूरा किया है।" थर्मन, जिन्होंने देश की संस्कृति को विकसित करने की प्रतिज्ञा के साथ पिछले महीने औपचारिक रूप से अपना राष्ट्रपति अभियान शुरू किया था, ने 7 अगस्त को पात्रता प्रमाण पत्र के लिए अपना आवेदन दायर किया था।

सिंगापुर में यदि उम्मीदवार राष्ट्रपति पद के चुनाव में भाग लेना चाहते हैं तो उन्हें पात्रता प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करना होगा।

यह उन लोगों को दिया जाता है जो अन्य मानदंडों के अलावा सार्वजनिक या निजी क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

इसके अलावा, एक सामुदायिक घोषणा भी है, जो उम्मीदवारों को यह घोषणा करने की अनुमति देती है कि वे चीनी, मलय, भारतीय या "अन्य अल्पसंख्यक" समुदायों से हैं। ईएलडी ने कहा कि उसने सभी व्यक्तियों को उनके आवेदनों के नतीजे के बारे में सूचित कर दिया है, और असफल आवेदकों को उन्हें अस्वीकार करने के कारण भी बताए हैं।

हालांकि, असफल उम्मीदवारों के नाम और उन्हें अस्वीकार करने के कारणों को प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

संवैधानिक आयोग 2016 की रिपोर्ट में चिंता व्यक्त किए जाने के बाद यह निर्णय लिया गया कि संभावित आवेदक शर्मिंदगी के डर से चुनाव लड़ने से परहेज न करें इसलिए उनके नाम सार्वजनिक नहीं किये जायेंगे। सक्रिय राजनीति में 22 साल देने के बाद थर्मन ने जून में शहर-राज्य के राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने के अपने इरादे की घोषणा की।

राजनीति में शामिल होने से पहले थर्मन एक अर्थशास्त्री और सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण में एक सिविल सेवक थे। सिंगापुर में 2011 के बाद से पहला राष्ट्रपति चुनाव होगा। देश की ओवरऑल आठवीं और पहली महिला राष्ट्रपति हलीमा याकूब ने इस साल घोषणा की थी कि वह दूसरे कार्यकाल के लिए प्रयास नहीं करेंगी।

बिलावल की लोकप्रियता के साथ पीपीपी को बढ़त, पीटीआई के दलबदलुओं के साथ हुई मजबूत

बीएनटी न्यूज

पाकिस्तान आगामी आम चुनावों के माध्यम से राजनीतिक परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार पर उसके 16 महीने के कार्यकाल के दौरान खराब प्रदर्शन का गंभीर बोझ है। हालाँकि, एक पार्टी जिसकी सरकार में रहते हुए राजनीतिक रणनीति और प्रदर्शन ने पाकिस्तान में उसके राजनीतिक भविष्य की राह आसान की है, वह पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और उसके नेता तथा पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी हैं।

बिलावल ने सत्ता का पहला स्वाद देश के सबसे युवा विदेश मंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति के साथ चखा। बिलावल और उनकी पार्टी के नेतृत्व ने विदेश मामलों और जलवायु परिवर्तन जैसे प्रासंगिक सरकारी मंत्रालयों पर मजबूत नियंत्रण रखा, जो वैश्विक व्यस्तताओं, कनेक्शनों, बैठकों और मुद्दों को संबोधित करने के दो मुख्य केंद्र हैं।

विदेश मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, बिलावल ने न केवल पाकिस्तान को विशेष रूप से पश्चिमी और यूरोपीय देशों के साथ हुई क्षति को नियंत्रित करने के प्रयास में व्यापक विदेश यात्राएं कीं, बल्कि देश की विदेश नीति का प्रतिनिधित्व करने के क्रम में वैश्विक शक्तियों के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करने में समायोजन के लिए तैयार दिखे और अपनी बात व्यक्त करते हुए अपनी छवि भी बनाई।

पीपीपी ने अतीत से सिंध प्रांत के अपने सत्ता केंद्र पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है और 16 महीनों के दौरान बलूचिस्तान में भी अपनी जड़ें मजबूत कर ली हैं।

यह ऐसे समय में किया गया जब क्रमशः पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ की मजबूत पकड़ वाले पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) राजनीतिक गिरावट का दौर था।

नेशनल असेंबली में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में देश का सबसे बड़ा प्रांत पंजाब दोनों पार्टियों के बीच युद्ध का मैदान बन गया था।

पंजाब में संघर्ष ने पीपीपी के लिए प्रांत में आगे बढ़ने के रास्ते खोल दिए क्योंकि पीटीआई से अलग हुए कई नेता पीपीपी में शामिल हो गए और उसके बैनर तले अगला चुनाव लड़ने की कसम खाई।

पीपीपी की स्मार्ट राजनीतिक रणनीतियों ने निश्चित रूप से उसे मौजूदा राजनीतिक अनिश्चितता में विजेता के रूप में सामने ला दिया है। उसे भविष्य की राजनीति के लिए अधिक उपयुक्त, भरोसेमंद और टिकाऊ राजनीतिक दल के रूप में देखा जा रहा है जिससे उसके नेता बिलावल भुट्टो के अगले प्रधानमंत्री बनने की संभावना बढ़ गई है।

राजनीतिक विश्लेषक वसीम शम्सी ने कहा, "पीपीपी अपनी राजनीति में बहुत चतुर रही है। इसने खुद को पीडीएम (पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट) के साथ जोड़े रखा है, फिर भी एक राजनीतिक ताकत के रूप में अपनी अलग पहचान बनाए रखी है। इसने टकराव की राजनीति से परहेज किया है और पीएमएलएन और पीटीआई द्वारा पैदा किए गए खाली जगह का पंजाब और केपी में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए पूरा उपयोग किया है।"

"बिलावल युवा विदेश मंत्री हैं, लेकिन उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। उनकी गोवा यात्रा, अमेरिका में पाकिस्तान और अफगानिस्तान और ईरान के संबंध में उसकी स्थिति का बचाव करने वाले उनके बयान और विनाशकारी बाढ़ के दौरान उनका राजनयिक अभियान बहुत अच्छा रहा है।" पीपीपी नेता की घोटकी, सिंध की हालिया यात्रा, जहां उन्होंने बाढ़ से प्रभावित स्थानीय लोगों को ब्याज मुक्त ऋण और भूमि स्वामित्व अधिकार देने का वादा किया था, निश्चित रूप से जनता का समर्थन हासिल करने के मामले में सही रही और निस्संदेह प्रेरक शक्ति साबित होगी।

यह कहना गलत नहीं होगा कि बिलावल देश का नेतृत्व करने के लिए अग्रणी दावेदारों में से एक बनने जा रहे हैं और उनकी पार्टी अगली गठबंधन सरकार बनाने वाली बन सकती है।

चीन ने समूह यात्रा से कनाडा को किया बाहर

बीएनटी न्यूज

चीन ने अमेरिका और ब्रिटेन सहित कई देशों के लिए समूह दौरों पर से प्रतिबंध हटा दिया है, लेकिन कनाडा को इस सूची से बाहर कर दिया है। यह ओटावा द्वारा हाल ही में बीजिंग पर अपनी आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाने के बाद संबंधों में गिरावट का संकेत देता है। मीडिया ने यह खबर दी

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने पिछले हफ्ते समूह पर्यटन के लिए अनुमोदित स्थलों की अपनी सूची में अमेरिका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया जैसे 78 देशों को जोड़ा, लेकिन इससे कनाडा को बाहर रखा। सूची में वर्तमान में 138 देश हैं।

एक बयान में, ओटावा में चीन के दूतावास ने कहा कि वह इस बात को लेकर चिंतित है कि "कनाडा ने तथाकथित 'चीनी हस्तक्षेप' को बार-बार प्रचारित किया है।"

बयान में कहा गया है कि बीजिंग का ध्यान "विदेशी चीनी नागरिकों की सुरक्षा और वैध अधिकारों की रक्षा" पर है और वह चाहता है कि वे सुरक्षित और मैत्रीपूर्ण वातावरण में यात्रा कर सकें।

चीन के ताजा कदम से कनाडा के पर्यटन उद्योग पर खासा असर पड़ सकता है।

डेस्टिनेशन कनाडा, जो देश में पर्यटन को बढ़ावा देता है, ने ब्रॉडकास्टर सीबीसी को बताया कि चीन एशिया-प्रशांत क्षेत्र से पर्यटकों के आगमन का सबसे बड़ा स्रोत है।

यह यूके के बाद इसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार भी है।

अनुमान है कि कोविड महामारी से पहले के वर्षों में चीनी पर्यटकों ने कनाडाई अर्थव्यवस्था में सालाना 1 बिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक का योगदान दिया था।

2018 में सात लाख से अधिक चीनी पर्यटकों ने कनाडा की यात्रा की। प्रत्येक आगंतुक ने औसतन 2,600 कनाडाई डॉलर खर्च किए।

बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, चीन से कनाडा तक समूह यात्राओं को पहली बार 2010 में मंजूरी दी गई थी और इससे दोनों देशों के बीच हवाई यात्रा और पर्यटन को बढ़ावा मिला। गौरतलब है कि घरेलू खुफिया एजेंसियों की रिपोर्टों के कनाडाई मीडिया में लीक होने के बाद इस साल की शुरूआत में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बिगड़ गए। इसमें आरोप लगाया गया कि चीन ने हाल के संघीय चुनावों में हस्तक्षेप किया था।

कनाडा ने बीजिंग पर संसद के कंजर्वेटिव सदस्य माइकल चोंग को डराने की कोशिश करने और लोकप्रिय चीनी मैसेजिंग ऐप वीचैट पर उनके खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने का भी आरोप लगाया ।

चीनी राजनयिक झाओ वेई को कुछ आरोपों को लेकर मई में कनाडा से निष्कासित कर दिया गया था।

2018 में, दोनो देशों के द्विपक्षीय संबंधों को तब झटका लगा, जब अमेरिका के अनुरोध पर हुआवेई के कार्यकारी मेंग वानझोउ को कनाडा में हिरासत में लिया गया।

श्रीलंका ने हवाई क्षेत्र व समुद्र की रक्षा में मदद के लिए भारत को दिया धन्यवाद

बीएनटी न्यूज

श्रीलंका ने समुद्री और तटीय निगरानी अभियानों के माध्यम से द्वीप राष्ट्र के हवाई क्षेत्र और उसके विशेष आर्थिक क्षेत्र सहित समुद्र की रक्षा करने में मदद करने के लिए भारत को धन्यवाद दिया है।

भारत के प्रति आभार श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सागला रत्नायका की ओर से व्यक्त किया गया, जब वह श्रीलंका वायु सेना को सौंपे गए भारतीय नौसेना के डोर्नियर विमान को स्वीकार कर रहे थे।

डोर्नियर -228 समुद्री निगरानी विमान उस विमान का स्थान लेगा, जो एक साल पहले भारत सरकार द्वारा द्वीप राष्ट्र को सौंपा गया था। अनिवार्य रखरखाव के लिए डोर्नियर को भारत लौटाना पड़ा।

जनवरी 2018 में नई दिल्ली में भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री निगरानी विमानों के संभावित अधिग्रहण पर द्विपक्षीय सुरक्षा चर्चा के दौरान श्रीलंका के अनुरोध के बाद दो साल की अवधि के लिए भारतीय नौसेना के बेड़े का हिस्सा डोर्नियर को श्रीलंका को मुफ्त में दिया था। रत्नायका ने भारत के सहयोग की सराहना की, खासकर उस दौरान जब श्रीलंका पिछले साल वित्तीय संकट से गुजर रहा था और कहा, "भारत ने कर्तव्य की सीमा से आगे बढ़कर हमारी मदद की।"

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों पड़ोसियों, श्रीलंका और भारत को "एक दूसरे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना होगा"।

श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास' (सागर) के दृष्टिकोण के प्रतिबिंब के रूप में, श्रीलंका के रक्षा बलों के क्षमता निर्माण और निरंतर विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में भारतीय सहायता से श्रीलंका द्वारा अतिरिक्त डोर्नियर विमान मंगाने से यह जुड़ाव और मजबूत होगा।

बागले ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले साल तैनात भारतीय नौसेना डोर्नियर ने श्रीलंका में समुद्री टोही और एसएआर मिशनों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मूडीज ने भारत की बीएए3 रेटिंग बरकरार रखी

बीएनटी न्यूज

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भारत की बीएए3 रेटिंग की पुष्टि करते हुए देश को लेकर अपना स्थिर दृष्टिकोण बरकरार रखा। हालांकि इसके साथ ही उसने मणिपुर का उदाहरण देते हुए राजनीतिक मुद्दों पर सतर्क रुख अपनाया है। इसमें कहा गया है कि बढ़ते सांप्रदायिक तनाव के कारण संगठनों और राजनीतिक असहमति के पर कतरने से राजनीतिक जोखिम और संस्थानों की गुणवत्ता के मूल्यांकन कमजोर होते हैं।

इसमें आगे कहा गया है कि यद्यपि ऊंचे राजनीतिक ध्रुवीकरण से सरकार की भौतिक अस्थिरता की संभावना नहीं है, बढ़ते घरेलू राजनीतिक तनाव सामाजिक प्रसार के बीच गरीबी और आय असमानता जैसे लोकलुभावन नीतियों के जोखिम की संभावना पैदा करते हैं – जिसमें क्षेत्रीय और स्थानीय सरकारी स्तर भी शामिल हैं।

मूडीज ने कहा कि साथ ही, पड़ोसी देशों के साथ समय-समय पर सीमा पर तनाव का मूल्यांकन संप्रभु देशों के बीच राजनीतिक जोखिम के प्रति कम समग्र संवेदनशीलता के रूप में किया गया था।

मणिपुर पिछले तीन महीने से जातीय हिंसा की चपेट में है, जिसके परिणामस्वरूप 150 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं।

विश्वकर्मा जयंती पर 15 हजार करोड़ रुपयों की नई योजना : पीएम

बीएनटी न्यूज

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार द्वारा किए गए सुधार कार्यों का जिक्र किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि "2014 और 2019 में आपने ऐसी सरकार फॉर्म की जिससे मोदी में रिफॉर्म करने की हिम्मत आई। इन रिफॉर्म्स से लोक प्रशासन में अभूतपूर्व सुधार आए। यह निश्चित ही रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का कालखंड है।"

इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किला से व्यवसायियों और कारीगरों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण योजना का ऐलान भी किया।

उन्होंने कहा, "इस विश्वकर्मा जयंती पर हम 13-15 हजार करोड़ रुपयों से विश्वकर्मा योजना की शुरूआत करेंगे जो परंपरागत औजारों से काम करने वाले भारत के लाखों व्यवसायियों और कारीगरों के उत्थान के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा।"

इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा, "आज देश में 75,000 अमृत सरोवरों का काम तेजी से चल रहा है। जनशक्ति और जलशक्ति की ये ताकत भारत के पर्यावरण की रक्षा में भी काम आने वाली है। हमने शुद्ध पानी की पहुंच के लिए जल जीवन मिशन, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आयुष्मान भारत जैसी सफल योजनाएं भी शुरू कीं।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि "पीएम-किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के खातों में ढाई लाख रुपये से ज्यादा की राशि जमा की गई है। भारत सरकार किसानों और कृषि के विकास के लिए 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की यूरिया सब्सिडी दे रही है।"

लाल किला की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने कहा, "देश की आर्थिक समृद्धि से सिर्फ तिजोरी नहीं भरती है बल्कि देश का सामर्थ्य बढ़ता है और पाई-पाई को गरीब कल्याण में खर्च किया जाता है।"

उन्होंने कहा कि आज स्थानीय निकायों के विकास के लिए भारत सरकार सालाना 3 लाख करोड़ और गरीबों के घरों के लिए 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि खर्च कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। "भारत युवाओं का देश है। दुनिया में 30 साल से कम आयु वाले लोगों की सबसे ज्यादा जंसख्या भारत में ही है। आज हमारे पास जनशक्ति, जनतंत्र और विविधता की त्रिवेणी है जो हमारे हर सपने को साकार करने के सामर्थ्य रखती है।"

उन्होंने देशवासियों से कहा, "आज स्वतंत्रता दिवस के साथ-साथ श्री अरबिंदो की 150वीं जयंती भी पूर्ण हो रही है। यह वर्ष स्वामी दयानंद की 150वीं जयंती, रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती और मीराबाई के जन्म के 525 वर्षों का भी वर्ष है।"

नौ साल में 50 करोड़ से अधिक जनधन खाते खुले

अगस्त 2014 में योजना शुरू होने के नौ साल बाद 9 अगस्त 2023 तक जन धन खातों की कुल संख्या 50 करोड़ से ज्यादा हो गई है। बैंकों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, इन जनधन खातों में से 56 फीसदी खाते महिलाओं के हैं। कुल 67 फीसदी खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में खोले गए हैं। इन खातों में जमा राशि 2.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। खाताधारकों को लगभग 34 करोड़ रुपे कार्ड मुफ्त जारी किए गए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि इन जन धन खातों में औसत शेष 4,076 रुपये है और 5.5 करोड़ से अधिक खातों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण लाभ मिल रहा है। सरकार जन धन योजना खाताधारकों को कई लाभ प्रदान करती है जैसे न्यूनतम शेष राशि की आवश्यकता के बिना बैंक खाता, दो लाख रुपये के अंतर्निहित दुर्घटना बीमा के साथ मुफ्त रूपे डेबिट कार्ड और 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा।

यूपी में अब उद्यमियों व व्यापारियों के खिलाफ बिना जांच के नहीं दर्ज होगी एफआईआर

उत्तर प्रदेश में अब व्यापारियों एवं उद्यमियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच कराए जाने की अनिवार्यता के आदेश दिये गये हैं। इसके बाद प्रदेश में उद्यमियों व व्यापारियों को परेशान करने एवं अनावश्यक दबाव बनाने के लिए आए दिन फर्जी एफआईआर दर्ज कराने की शिकायतों में कमी आएगी। अब किसी भी व्यक्ति के द्वारा व्यापारियों व उद्यमियों के खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज नहीं कराई जा सकेगी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक मामले में दिए गए निर्देश का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने यह निर्णय लिया है। गौरतलब है कि प्रदेश के विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की दिशा में किसी प्रकार का अवरोध न उत्पन्न हो और किसी भी उद्यमी, व्यापारी, शैक्षिक संस्था, चिकित्सालय, भवन निमार्ता, होटल/रेस्टोरेंट इत्यादि से संबंधित मालिक एवं प्रबंधन स्तर के कर्मचारियों का किसी प्रकार से उत्पीड़न न होने पाए, इसके लिए योगी सरकार दृढ़ संकल्पित है।

खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 7.44% की नई ऊंचाई पर पहुंची

खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी जाने वाली भारत की खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई, क्योंकि खाद्य मुद्रास्फीति में 11.51 प्रतिशत की भारी उछाल देखी गई। खुदरा और खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि इस तथ्य की तुलना में बहुत बढ़ी है कि जून में खुदरा मुद्रास्फीति 4.87 प्रतिशत थी, जबकि खाद्य मुद्रास्फीति 4.55 प्रतिशत थी।

गंगवाल परिवार इंटरग्लोब एविएशन में ब्लॉक डील के जरिए जुटा रहा 3,735 करोड़ रुपये

बीएनटी न्यूज

इंटरग्लोब एविएशन का गंगवाल परिवार कथित तौर पर इंडिगो एयरलाइंस के सह-संस्थापक राकेश गंगवाल की हिस्सेदारी घटाने की चल रही कवायद में ब्लॉक ट्रेड के माध्यम से 450 मिलियन डॉलर या लगभग 3,735 करोड़ रुपये जुटा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सितंबर 2022 में परिवार ने 2.8 प्रतिशत की किश्त 2,000 करोड़ रुपये में बेची थी और फरवरी में उसने 4 प्रतिशत हिस्सेदारी 2,900 करोड़ रुपये में बेची थी।

नवीनतम स्टॉक एक्सचेंज खुलासे के अनुसार, राकेश गंगवाल ने फरवरी 2022 में इंटरग्लोब एविएशन के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया और परिवार के पास इसमें 29.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

जब उन्होंने बोर्ड छोड़ा, तो राकेश गंगवाल ने कहा था कि परिवार चरणबद्ध तरीके से अपनी हिस्सेदारी कम करेगा।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि सौदे की शर्तों के अनुसार, ऑफर फ्लोर प्राइस 2,400 रुपये प्रति शेयर है, जो 2,549 रुपये प्रति शेयर के अंतिम बंद मूल्य पर 5.8 प्रतिशत की छूट दर्शाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इंटरग्लोब एविएशन का मौजूदा बाजार पूंजीकरण लगभग 98,313 करोड़ रुपये है और पिछले छह महीनों में इसके शेयर की कीमत 22 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने एनएचएआई से 1,204 करोड़ रुपये का मध्यस्थता अवॉर्ड जीता

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से 1,204 करोड़ रुपये का मध्यस्थता पुरस्कार जीता है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टीके टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड (टीकेटीआर) और एनएचएआई के बीच मध्यस्थता के मामले में, एक निष्पादन याचिका में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने 9 अगस्त के आदेश के तहत कंपनी को 10 अगस्त को प्राप्त आदेश दिया। एनएचएआई को ब्याज सहित 1,204 करोड़ रुपये की राशि दिल्ली उच्च न्यायालय में जमा करानी होगी और टीकेटीआर को बैंक गारंटी के तहत इसे वापस लेने की अनुमति दी जाएगी।

ऋण चूककर्ताओं पर लगाए गए जुर्माने का उपयोग धन जुटाने को नहीं कर सकते बैंक : आरबीआई

बीएनटी न्यूज

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि बैंक ऋण चूककताओं पर लगाए गए जुर्माने का इस्तेमाल धन जुटाने के लिए नहीं कर सकते।

केंद्रीय बैंक ने यह सुनिश्चित करने के लिए ऋण खातों से संबंधित मानदंडों में संशोधन किया है।

आरबीआई ने कहा कि बैंकों को गैर-अनुपालन के लिए दंड को 'दंडात्मक शुल्क' के रूप में मानना चाहिए और इसे 'दंडात्मक ब्याज' के रूप में नहीं लगाया जाना चाहिए, जो अग्रिमों पर लगाए गए ब्याज की दर में जोड़ा जाता है।

आरबीआई ने कहा कि दंडात्मक शुल्कों का पूंजीकरण नहीं किया जाना चाहिए, दूसरे शब्दों में, ऐसे शुल्कों पर कोई और ब्याज की गणना नहीं की जानी चाहिए।

जारी एक सर्कुलर में यह भी कहा गया कि इससे ऋण खाते में ब्याज चक्रवृद्धि की सामान्य प्रक्रियाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

यह निर्देश यह देखने के बाद जारी किए गए थे कि कई बैंक उधारकर्ता द्वारा उन शर्तों के साथ चूक या गैर-अनुपालन के मामले में, जिन शर्तों पर ऋण सुविधाएं स्वीकृत की गई थीं, लागू ब्याज दरों के अलावा दंडात्मक ब्याज दरों का उपयोग करते हैं।

केंद्रीय बैंक ने कहा, "इस तरह के शुल्क का उपयोग अनुबंधित ब्याज दर से अधिक राजस्व वृद्धि उपकरण के रूप में नहीं किया जाता है।"

आरबीआई की टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ग्राहकों ने अक्सर उन दंडात्मक शुल्क लगाते समय बैंकों की ओर से पारदर्शिता की कमी के बारे में शिकायत की है।

आरबीआई के सर्कुलर में कहा गया है, "दंडात्मक शुल्क की मात्रा उचित होगी और किसी विशेष ऋण या उत्पाद श्रेणी के भीतर भेदभाव किए बिना ऋण अनुबंध के भौतिक नियमों और शर्तों के गैर-अनुपालन के अनुरूप होगी।"

गूगल के पूर्व सीईओ एरिक श्मिट ने शुरू की एआई फर्म

बीएनटी न्यूज

जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हमारे जीवन में गहरी पैठ बना रही है, गूगल के पूर्व सीईओ एरिक श्मिट वैज्ञानिक चुनौतियों से निपटने और दवा की खोज से लेकर भौतिक विज्ञान तक संभावित सफलताएं हासिल करने के लिए एक नया संगठन बना रहे हैं।

सेमाफोर की रिपोर्ट के अनुसार श्मिट ने दो प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों – फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट में एप्लाइड बायोटेक्नोलॉजी प्रयोगशाला के संस्थापक सैमुअल रॉड्रिक्स और रसायन विज्ञान में एआई के उपयोग में अग्रणी एंड्रयू व्हाइट को काम पर रखा है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रयास माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई के समान है, जिसने चैटजीपीटी विकसित किया है।

योजनाओं से परिचित लोगों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में दावा किया गया है, "फंडिंग ज्यादातर श्मिट की निजी संपत्ति से आएगी, लेकिन परियोजना की महत्वाकांक्षा को देखते हुए बाहरी फंडिंग आवश्यक हो सकती है।"

परियोजना अभी शुरूआती चरण में है और योजनाएं बदल सकती हैं।

एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू में 'इस तरह एआई विज्ञान के काम करने के तरीके को बदल देगा' शीर्षक वाले एक हालिया लेख में, श्मिट ने लिखाः "एआई के आगमन के साथ, विज्ञान बहुत अधिक रोमांचक होने वाला है। इस बदलाव की गूंज प्रयोगशाला के बाहर तक महसूस की जाएगी, वे हम सभी को प्रभावित करेंगे।"

अपनी पत्नी वेंडी के साथ, उन्होंने श्मिट फ्यूचर्स की सह-स्थापना की, जो एक परोपकारी संगठन है, जो उन अनुसंधान परियोजनाओं को वित्त पोषित करता है, जिनमें बड़ा प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता होती है।

रिपोर्ट के अनुसार, दंपति ने कई अन्य एआई-संबंधित परियोजनाओं को वित्त पोषित किया, इनमें गैर-लाभकारी एआई2050 और एआई इन साइंस पोस्टडॉक्टोरल फेलोशिप प्रोग्राम शामिल हैं।

गौरतलब है कि श्मिट ने 2001 से 2011 तक Google के सीईओ, 2011 से 2015 तक कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष और 2015 से 2017 तक मूल कंपनी अल्फाबेट के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

उन्होंने 2017 से 2020 तक अल्फाबेट में तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्य किया।

'सुभाष चंद्रा, पुनीत गोयनका के हित सार्वजनिक शेयरधारकों और जी एंटरप्राइजेज के हितों के साथ सीधा टकराव में हैं'

बीएनटी न्यूज

सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच के एक आदेश में कहा गया है कि सुभाष चंद्रा और पुनीत गोयनका जैसी संस्थाओं के हित तथ्यात्मक रूप से सार्वजनिक शेयरधारकों और कंपनी के हितों के साथ सीधे टकराव में हैं।

91 पेज के आदेश में कहा गया है कि जैसा कि प्रथम दृष्टया पाया गया है, संस्थाओं ने सक्रिय रूप से उन कृत्यों को छिपाने की कोशिश की है, जिसके कारण जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज सहित सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनियों को कम से कम 143.9 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

हालांकि संस्थाएं यह तर्क दे सकती हैं कि ऊपर उल्लेखित सीमित प्रतिबंध भी मामले में अत्यधिक और अनुपातहीन होगा। इस बात पर जोर दिया गया है कि संस्थाओं को प्रभाव की स्थिति में रहने की अनुमति देने का आसन्न प्रभाव यह है कि चल रही जाँच निष्पक्ष और पूर्ण नहीं हो सकती है।

जैसा कि पहले बताया गया है, सेबी ने जी एंटरटेनमेंट के मानद चेयरमैन सुभाष चंद्रा के संबंध में एक पुष्टिकरण आदेश जारी किया है और कहा है कि उनके द्वारा निष्पक्ष और पारदर्शी जांच को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सेबी के आदेश में कहा गया है : "इकाई नंबर 1 के संबंध में यह प्रस्तुत किया गया है कि वह जी या किसी अन्य कंपनी में निदेशक या केएमपी का कोई पद नहीं रखता है और इसलिए, निर्देश उसकी प्रतिष्ठा को प्रभावित करने के अलावा कोई उद्देश्य पूरा नहीं करना चाहता है।

"इस संबंध में हालांकि यह विवाद में नहीं है कि आज की तारीख में, एंटिटी नंबर 1 के पास कोई निदेशक/केएमपी पद नहीं है और वह केवल जील के मानद चेयरमैन हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि वर्तमान मामले में यह सेबी के आदेश में कहा गया है, "इकाई नंबर 1 द्वारा जारी एलओसी है, जो पूरी योजना का मूल/मूल कारण है, जो प्रथम दृष्टया साजिश रची गई है।"

कहा गया, "एलओसी के अभाव में न तो वाईबीएल ने एसोसिएट संस्थाओं के ऋण के लिए जील की सावधि जमा को विनियोजित किया होगा और न ही जी अन्य सूचीबद्ध कंपनियों को कोई नुकसान हुआ होगा और न ही संस्थाओं को छिपाने के लिए पूरी योजना को डिजाइन करने की जरूरत होगी।

"इसके अलावा, भले ही वह निदेशक/केएमपी का पद नहीं संभाल रहे हों, यह विवादित नहीं है कि वह प्रमोटर समूह का हिस्सा है और एस्सेल समूह से संबंधित कंपनियों पर उनका लंबे समय से प्रभाव है, और इसलिए उन्हें कंपनी कानून के अनुसार जी के बोर्ड में पुनः नियुक्ति की मांग करने से रोकता नहीं है। यदि उन्हें इस प्रकार नियुक्त किया जाता है, तो निष्पक्ष और पारदर्शी जांच को प्रभावित करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार, मेरे विचार में, प्रतिबंध जारी रहेगा आदेश में कहा गया है, "ऊपर बताई गई सीमित प्रकृति इकाई नंबर 1 के संबंध में आवश्यक है।"

आदेश में कहा गया है कि यह भी पता चला है कि 10 अगस्त, 2023 को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने उपरोक्त विलय को अपनी मंजूरी दे दी है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.84 लाख करोड़ रुपये पर, पिछले साल से 17 प्रतिशत ज्यादा

वित्त मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.84 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच चुका है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 17.33 प्रतिशत अधिक है।

यह संग्रह 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष करों के कुल बजट अनुमान का 32.03 प्रतिशत है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 10 अगस्त, 2023 तक प्रत्यक्ष करों से संग्रह, जिसमें व्यक्तिगत आयकर और कॉर्पोरेट कर शामिल हैं, में "स्थिर वृद्धि" जारी है।

सकल आधार पर, चालू वित्त वर्ष में 10 अगस्त तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.73 प्रतिशत बढ़कर 6.53 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि अब तक 69,000 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.73 प्रतिशत अधिक है।

फिच ने भारतीय बैंकिंग सेक्टर की रेटिंग घटाई; कहा - संरचनात्मक मुद्दों का दिख रहा असर

बीएनटी न्यूज

फिच रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में भारतीय बैंकिंग सेक्टर की रेटिंग घटा दिया है, हालांकि उसने कहा कि कोविड-19 महामारी से जुड़े आर्थिक जोखिम कम होने के साथ भारतीय बैंकों के लिए परिचालन माहौल (ओई) मजबूत हुआ है, लेकिन संरचनात्मक मुद्दों का रेटिंग पर प्रभाव दिख रहा है।

फिच ने यह भी कहा कि अन्य संरचनात्मक मुद्दे जैसे लंबी कानूनी प्रक्रिया और 'बैड बैंक' का सार्थक भूमिका नहीं निभाना इसमें में बाधा डालता है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा कि महामारी से पहले के स्तर की तुलना में इस क्षेत्र के लिए विवेकपूर्ण संकेतकों की संख्या में भी सुधार हुआ है, हालांकि अपेक्षाकृत सौम्य ओई में जोखिम की बढ़ती भूख संभावित तनावपूर्ण खातों के लिए उचित बफर के महत्व पर प्रकाश डालती है।

फिच ने मार्च 2020 में भारतीय बैंकों के लिए अपने ओई मिड-पॉइंट स्कोर को 'बीबी प्लस' से संशोधित कर 'बीबी' कर दिया। रेटिंग में यह गिरावट इस आकलन आधार पर की गई है कि महामारी के कारण सेक्टर के सामने ओई से जुड़े मौजूदा तनाव बढ़ने की संभावना है।

फिच के मुताबिक, भारत इस महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ था, लेकिन इससे जुड़े खतरे अब कम हो गए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, फिच ने मई में सरकार की रेटिंग 'बीबीबी-/स्थिर' की पुष्टि की थी और हम वर्तमान में मार्च 2026 (ऋ23-ऋ25) तक तीन वर्षों में वास्तविक औसत जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत सालाना होने का अनुमान लगाते हैं, जो भारत को सबसे तेजी से बढ़ने वाले देशों में रखता है।

महामारी संबंधी जोखिमों में कमी के साथ-साथ पूंजी बफर भी मजबूत हुआ है। बैंकिंग सेक्टर का औसत सामान्य इक्विटी टियर 1 (सीईटी1) पूंजी अनुपात वित्त वर्ष 2023 तक बढ़कर 13.4 प्रतिशत हो गया, जो वित्त वर्ष 2018 में 10.4 प्रतिशत था।

फिच रेटिंग्स ने कहा कि यह आंशिक रूप से 2015 के बाद से सरकारी बैंकों को सरकार द्वारा प्रदान की गई लगभग 50 अरब डॉलर की संचयी ताजा इक्विटी को दर्शाता है।

फिच के अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में परिचालन लाभ जोखिम में फंसी पूंजी का लगभग 2.8 प्रतिशत रहा। इस प्रकार कमाई के मोर्चे पर भी पर्याप्त बफर है। वित्त वर्ष 2019-20 में परिचालन लाभ जोखिम में फंसी पूंजी के 0.6 प्रतिशत से ज्यादा रहा।

भारत का ओई स्कोर अर्थव्यवस्था में मौजूद संरचनात्मक विविधता से लाभान्वित हो रहा है, जो विशिष्ट क्षेत्र-केंद्रित झटकों के प्रति बैंकों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

अर्थव्यवस्था के बड़े आकार और भारत की अनुकूल जनसांख्यिकी से बैंकों को लाभदायक व्यवसाय उत्पन्न करने और जोखिम तथा राजस्व में विविधता लाने के अवसर मिलने चाहिए।

फिच ने कहा, हम आगे उम्मीद करते हैं कि वस्तु एवं सेवा कर और तेजी से डिजिटलीकरण (भुगतान प्रणालियों सहित) जैसी पहलों के माध्यम से बैंकों को एसएमई क्षेत्र के क्रमिक औपचारिकरण से लाभ होगा, जिससे बाजार के बड़े हिस्से में जोखिम के स्वीकार्य स्तर पर सेवाएं प्रदान करने की संभावनाओं में सुधार होगा।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार, भारतीय अधिकारियों ने दुनिया भर के कई अन्य लोगों की तरह महामारी के दौरान व्यापक सहनशीलता का परिचय दिया, जिससे बैंकों की संपत्ति की गुणवत्ता अस्पष्ट हो गई।

इस बीच, अन्य संरचनात्मक मुद्दे बैंकिंग ओई में बाधा बने हुए हैं। फिच ने कहा कि भारत की लंबी कानूनी प्रक्रियाएं दिवालियापन और समाधान के लिए एक प्रभावी ढांचे के कार्यान्वयन में बड़ी बाधा बनी हुई हैं, और जुलाई 2021 में शुरू किए गए 'बैड बैंक' ने अब तक कोई सार्थक भूमिका नहीं निभाई है।

कैबिनेट ने मौजूदा नेटवर्क में 2,339 किमी जोड़ने के लिए 7 रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी

बीएनटी न्यूज

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 32,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली सात रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जिससे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा और गुजरात जैसे राज्यों को कवर करने वाले मौजूदा नेटवर्क में 2,339 किलोमीटर की दूरी जुड़ जाएगी।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि परियोजनाएं, जिसमें मौजूदा रेलवे लाइनों का चौगुना और दोहरीकरण सहित उन्नयन शामिल है, 120 मिलियन टन अतिरिक्त माल की आवाजाही के लिए क्षमता निर्माण की सुविधा प्रदान करेगी और प्रवासी श्रमिकों और छात्रों की यात्रा में भी मदद करेगी।

परियोजनाओं को केंद्र सरकार से 100 प्रतिशत वित्त पोषण प्राप्त होगा और यह देश

के प्रमुख औद्योगिक और वाणिज्यिक केंद्रों को जोड़ेगी।

मंत्री ने कहा कि वे मौजूदा लाइन क्षमता को बढ़ाने, ट्रेन परिचालन को सुचारु बनाने, भीड़भाड़ को कम करने और यात्रा और परिवहन को आसान बनाने में मदद करेंगे।

ये परियोजनाएं हैं : उत्तर प्रदेश में मौजूदा गोरखपुर छावनी (वाल्मीकि नगर सिंगल लाइन सेक्शन) का 89.264 किमी और बिहार (पश्चिम चंपारण) का 6.676 किमी का दोहरीकरण।

आंध्र प्रदेश (गुंटूर) में मौजूदा गुंटूर-बीबीनगर सिंगल-लाइन खंड को 1 किमी और तेलंगाना (नलगोंडा, यदाद्री भुवनगिरि) को 139 किमी तक दोहरीकरण।

उत्तर प्रदेश (मिजार्पुर, सोनभद्र) में मौजूदा चोपन-चुनार सिंगल-लाइन खंड का 101.58 किमी तक दोहरीकरण।

महाराष्ट्र (नांदेड़) में मुदखेड-मेडचल और महबूबनगर-धोन खंड के बीच 49.15 किमी, तेलंगाना (निजामाबाद, कामारेड्डी, मेडक, वानापर्थी, जोगुलांबा, मेडचल-मलकजगिरी) के बीच 294.82 किमी और आंध्र प्रदेश (महबूबनगर, कुरनूल और धोने) के बीच 73.91 कि.मी तक दोहरीकरण।

गुजरात (कच्छ) में सामाखियाली और गांधीधाम के बीच 53 किमी तक चौगुनी दूरी।

तीसरी लाइन ओडिशा में नेरगुंडी-बारंग और खुदरा रोड-विजयनगरम (भद्रक, जयपुर, खोरधा, कटक और गंजम) के बीच 184 किमी और आंध्र प्रदेश (श्रीकाकुलम, विजयनगरम, विशाखापत्तनम) के बीच 201 किमी है।

बिहार (गया, औरंगाबाद) में 132.57 किमी, झारखंड (धनबाद, गिरिडीह, हजारीबाग, कोडरमा) में 201.608 किमी और पश्चिम बंगाल (पश्चिम बर्धमान) में 40.35 किमी के लिए सोन नगर-अंडाल मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना।

जीएसटी वृद्धि के बीच गेमिंग स्टार्टअप हाइक ने 22 प्रतिशत कर्मचारियों को निकाला

बीएनटी न्यूज

मोबाइल प्रीमियर लीग (एमपीएल) के बाद, गेमिंग स्टार्टअप हाइक ने ऑनलाइन गेमिंग पर सरकार के 28 प्रतिशत जीएसटी फैसले का दूसरा शिकार बना है, कविन भारती मित्तल द्वारा स्थापित स्टार्टअप ने लगभग 55 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है।

मित्तल ने कहा, "जीएसटी में 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी हमारी ओर तानी गई बंदूक है।"

उन्होंने कहा, लगभग 55 लोग (22 प्रतिशत कर्मचारी) - जिनमें से 24 गैर-पूर्णकालिक कर्मचारी हैं। कारोबार अब तक की सबसे अच्छी स्थिति में है, लेकिन जीएसटी में यह 400 प्रतिशत की बढ़ोतरी हमारी ओर तानी गई बंदूक है।

उन्होंने कहा, "हमें इसमें से कुछ आत्मसात करने की आवश्यकता होगी और परिणामस्वरूप हाइक/रश में

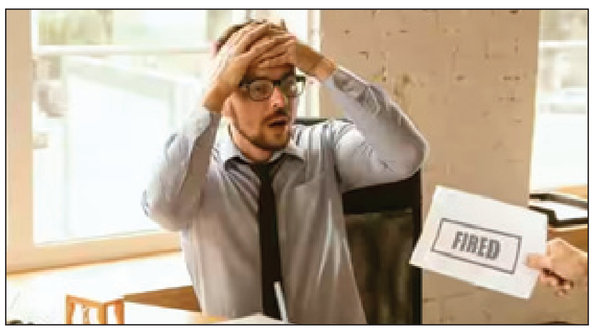

कार्यबल में कमी आएगी।"

हाइक रश गेमिंग यूनिवर्स (आरजीयू) नामक ब्लॉकचेन-आधारित रियल मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म संचालित करता है।

मित्तल ने एक आंतरिक ईमेल में कहा, जीएसटी ब्लैक स्वान इवेंट #2 है और यह टीडीएस से कहीं बड़ा है। जीएसटी में 400 फीसदी की बढ़ोतरी हमारी ओर तानी गई बंदूक है। हालांकि हम इसमें से कुछ को आत्मसात करने की उम्मीद करते हैं, लेकिन हम इसे पूरा आत्मसात नहीं कर सकते हैं। प्रभाव बहुत बड़ा है।

गेमिंग प्लेटफॉर्म का दावा है कि उसके 52 लाख से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

इससे पहले, घरेलू ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म एमपीएल ने अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 50 प्रतिशत की कटौती की थी, जिससे लगभग 350 लोग प्रभावित हुए थे क्योंकि 51वीं जीएसटी परिषद की बैठक में एकत्रित सकल मूल्य पर 28 प्रतिशत जीएसटी ऑनलाइन गेमिंग पर कर लगाने पर जोर दिया गया था।

मोदी सरकार में मोटे अनाजों का एमएसपी 100 से 150 प्रतिशत तक बढ़ा

बीएनटी न्यूज

मोदी सरकार के पिछले नौ साल के शासनकाल में ज्वार, बाजरा और रागी के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में 100 से 150 फीसदी तक की भारी बढ़ोतरी हुई।

खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2014-15 से 2023-24 के बीच ज्वार का एमएसपी 108 फीसदी बढ़ा।

वित्त वर्ष 2014-15 में ज्वार का एमएसपी 1,550 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 2023-24 में 3,225 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

इसी तरह बाजरे का एमएसपी 2014-15 में 1,250 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 2023-24 में 100 प्रतिशत बढ़कर 2,500 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

रागी का एमएसपी नौ साल

में 148 प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ 1,550 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 3,846 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

मक्का के मामले में, एमएसपी 2014-15 में 1,310 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 2023-24 में 59 प्रतिशत बढ़कर 2,090 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। जौ का एमएसपी 2014-15 में 1,150 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 2023-24 में 50 प्रतिशत बढ़कर 1,735 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि 2023 बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष है, केंद्र सरकार लगभग हर साल राज्यों से मोटे अनाज की खरीद और खपत को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाने का अनुरोध करती रही है।

मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि राज्यों से ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करके मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम शुरू करने और मोटे अनाज की खपत के प्रति लोगों की भोजन की आदतों को फिर से उन्मुख करने के लिए जागरूकता अभियान शुरू करने पर विचार करने का आग्रह किया गया है। राज्यों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे जिला कलेक्टरों और जिला कृषि अधिकारियों को राज्य के भीतर सार्वजनिक वितरण प्रणाली में वितरण के लिए स्थानीय उपभोग प्राथमिकता के अनुसार मोटे अनाज और बाजरा के उत्पादन को प्रोत्साहित करने का निर्देश दें।

केंद्र ने राज्य सरकारों से केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार मोटे अनाज और बाजरा की खरीद करने का भी अनुरोध किया है।

बैंकों को ग्राहकों को देनी होगी ईएमआई में बदलाव की जानकारी: आरबीआई गवर्नर

आरबीआई ने फ्लोटिंग ब्याज दर वाले लोन के लिए समान मासिक किस्तों (ईएमआई) में बदलाव को लेकर अधिक पारदर्शिता लाने का फैसला किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह बात कही। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के निर्णयों की घोषणा करते हुए दास ने कहा, फ्लोटिंग ब्याज दर वाले लोन पर ब्याज दरों में बदलाव के लिए एक पारदर्शी ढांचा तैयार करने का प्रस्ताव है। ढांचे में विनियमित संस्थाओं को लोन की अवधि और/या ईएमआई में बदलाव के बारे में ग्राहकों के साथ स्पष्ट रूप से संवाद करना होगा। उन्हें फिक्स दर वाले लोन में बदलने और ऋण को समयपूर्व चुकाने का विकल्प प्रदान करना होगा।

अमेजॉन के डिवाइस प्रमुख ने की पद छोड़ने की पुष्टि

बीएनटी न्यूज

अमेजॉन डिवाइस और सेवाओं के प्रमुख डेव लिम्प, जो लगभग 14 वर्षों से कंपनी के साथ हैं, ने पुष्टि की है कि वह पद छोड़ रहे हैं, अमेजॉन के सीईओ एंडी जेसी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की।

जेसी ने कहा कि अमेजॉन के साथ लगभग 14 वर्षों तक काम करने और कंपनी में अनगिनत योगदान देने के बाद, लिम्प ने कंपनी से सेवानिवृत्त होने का फैसला किया है। अमेजॉन प्रमुख ने कहा, लिम्प के नेतृत्व में, अमेजॉन ग्राहकों को पसंद आने वाले उपकरणों और अंतर्निहित सेवाओं के निर्माण में दुनिया के अग्रणी नवप्रवर्तकों में से एक बन गया है। किंडल रीडर्स से लेकर फायर टीवी से लेकर एलेक्सा और इको तक, पिछले डेढ़ दशक में हम ऐसे अनुभवों का आविष्कार करने और उन्हें बेहतर बनाने में सक्षम रहे हैं, जो हमारे ग्राहकों के जीवन को हर दिन बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

लिम्प अगले कुछ महीनों तक अपने पद पर बने रहेंगे

और कंपनी आने वाले हफ्तों में उनके उत्तराधिकारी की घोषणा करेगी।

उनके जाने के बाद आमोद की रिपोर्ट है कि स्मार्ट घरेलू उपकरणों पर अमेजॉन के महंगे दांव का अच्छा परिणाम नहीं मिला है।

आर्थिक मंदी के बीच लागत में कटौती के उपायों के रूप में अमेजॉन ने लगभग 27 हजार नौकरियां भी कम कर दी हैं।

लिम्प ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा कि उन्होंने लगभग 14 साल बाद कुछ ही महीनों में अमेजन छोड़ने का कठिन निर्णय लिया है।

लिम्प ने कहा, स्पष्ट प्रश्न यह है कि क्यों? यह समझाना आसान हो सकता है कि क्यों नहीं। यह हमारी टीम के कारण नहीं है, यह टीम बहुत अच्छी है और आपमें से कुछ लोगों के साथ मैंने दशकों तक काम किया है। आप सभी अपनी कला में माहिर हैं।

लिम्प ने कहा, ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि मेरा अमेजन से काम खत्म हो गया है। यह समय है। मैं 30 से अधिक वर्षों से इस काम का एक संस्करण (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण और शिपिंग) कर रहा हूं। मुझे यह पसंद है, लेकिन मैं भविष्य को एक अलग नजरिये से भी देखना चाहता हूं।

लिम्प ने कहा, अभी निश्चित नहीं है कि भविष्य क्या है, लेकिन यह उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में नहीं होगा।"

हीरो मोटोकॉर्प को मुंजाल परिवार का समझौता अनुबंध मिला

बीएनटी न्यूज

हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि उसे कंपनी के प्रमोटरों से पारिवारिक निपटान समझौते का विवरण मिला है।

समझौते का उद्देश्य समझौते के पक्षों के बीच सूचीबद्ध इकाई सहित बीएमएल मुंजाल समूह संस्थाओं का विभाजन था। एग्रीमेंट करने की तारीख 27 जुलाई 2016 थी।

समझौता बीएमएल मुंजाल परिवार के सदस्यों के बीच निष्पादित किया गया है और सूचीबद्ध इकाई एग्रीमेंट की पक्षकार नहीं है।

सूचीबद्ध इकाई का प्रबंधन और नियंत्रण संतोष मुंजाल, रेनू मुंजाल, सुमन कांत मुंजाल और पवन मुंजाल के परिवार

समूह के पास होगा, जिसे इसके बाद इसे "परिवार समूह" कहा जाएगा।

सुनील कांत मुंजाल, जिन्हें इसके बाद "व्यक्ति" के रूप में संदर्भित किया गया है, हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के प्रबंधन और नियंत्रण से बाहर निकल जाएंगे, जिसमें संयुक्त प्रबंध निदेशक के रूप में रखा गया कोई भी पद शामिल है। ट्रेडमार्क "हीरो" के उपयोग पर "फैमिली ग्रुप" और सुनील कांत मुंजाल के बीच एक सहमति बनी। सूचीबद्ध इकाई का प्रबंधन और नियंत्रण फैमिली ग्रुप के पास है और सुनील कांत मुंजाल ने सूचीबद्ध इकाई में संयुक्त प्रबंध निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है।

कारट्रेड टेक ने 536 करोड़ में ओएलएक्स इंडिया के ऑटो कारोबार को खरीदा

बीएनटी न्यूज

ओएलएक्स इंडिया के ऑटो सेल्स डिवीजन की कंपनी 'सोबेक ऑटो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' का 535.54 करोड़ रुपये में कारट्रेड टेक ने अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण वह मौजूदा व्यवसायों को लाभ प्रदान करने के लिए कर रही है। कारट्रेड टेक ने कहा कि यह अधिग्रहण कंपनी के निवेश के रणनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए है जो जिससे मौजूदा व्यवसायों को लाभ मिलेगा।

इस साल जुलाई में कारट्रेड टेक ने 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए सोबेक ऑटो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इसकी होल्डिंग कंपनी ओएलएक्स इंडिया बीवी के साथ एक समझौता किया था।

कंपनी के अनुसार नई इकाई महीने में लगभग 68 मिलियन लोगों को निवेश के लिए आकर्षित करेगी। वहीं वार्षिक आधार पर यह 32 मिलियन के साथ लिस्टिंग होगी।

कारट्रेड टेक के अध्यक्ष और संस्थापक विनय सांघी ने कहा, "ओएलएक्स ऑनलाइन क्षेत्र में सबसे मजबूत ब्रांडों में से एक है और हम इस तरह के एक मजबूत ब्रांड का अधिग्रहण करने और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने के लिए वास्तव में उत्साहित हैं।"

इससे पहले, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को एक फाइलिंग में कारट्रेड टेक ने कहा था कि वह कारट्रेड टेक के मौजूदा व्यवसायों को लाभ प्रदान करने के लिए खरीदारी कर रही है।

कारट्रेड टेक देश में कारवाले, ओएलएक्स, ओएलएक्स ऑटो, श्रीराम ऑटोमॉल, बाइकवाले, कारट्रेड, कारट्रेड एक्सचेंज और एड्रोइट ऑटो ब्रांड के तहत काम करेगी।

जून में ओएलएक्स ग्रुप ने दुनिया भर में लगभग 800 नौकरियों में कटौती की घोषणा की थी।

सैम बैंकमैन-फ्राइड को गवाहों को प्रभावित करने के आरोप में भेजा जेल

बीएनटी न्यूज

ध्वस्त क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स के पूर्व सीईओ सैम बैंकमैन-फ्राइड को गवाहों को प्रभावित करने के आरोप में उनकी जमानत रद्द कर जेल भेज दिया गया।

धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के मामले में बैंकमैन-फ़्राइड दिसंबर 2022 से कैलिफोर्निया में नजरबंद थे।

इनर सिटी प्रेस के अनुसार, अभियोजकों द्वारा उनकी जमानत रद्द करने की मांग पर न्यायाधीश लुईस ए कपलान ने उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया।

उन्होंने कहा कि बैंकमैन-फ़्राइड ने एनएफएल गेम देखने के लिए वीपीएन सॉफ़्टवेयर के उपयोग को स्वीकार किया।

न्यायाधीश कपलान ने कहा, सभी बातों पर विचार करते हुए मैं बैंकमैन-फ़्राइड की जमानत रद्द करने का आदेश देता हूं।

बैंकमैन-फ़्राइड 250 मिलियन डॉलर की जमानत पर थे।

उन्होंने कथित तौर पर एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म सिग्नल पर एक गवाह से संपर्क किया।

उन्होंने अपने खिलाफ 13 में से 10 आरोपों को खारिज करने के लिए प्री-ट्रायल मोशन दायर किया है।

बैंकमैन-फ़्राइड कैलिफोर्निया के पालो ऑल्टो में अपने माता-पिता के घर में नजरबंद थे।

अमेरिकी अधिकारियों ने उन पर वायर धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश और ग्राहक धन के दुरुपयोग की साजिश का आरोप लगाया।

उन्हें इसी तरह के आरोपों पर एसईसी और सीएफटीसी द्वारा मुकदमे का भी सामना करना पड़ रहा है।

न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले की अमेरिकी जिला अदालत ने उन पर चीनी अधिकारियों को "कम से कम 40 मिलियन डॉलर" रिश्वत देने का आरोप लगाया है।

बैंकमैन-फ़्राइड पर धोखाधड़ी के चार अन्य मामलों का भी आरोप लगाया गया है।

उन्हें 12 दिसंबर, 2022 को बहामास में गिरफ्तार किया गया था और 21 दिसंबर को अमेरिका में प्रत्यर्पित किया गया था।

मस्क जुकरबर्ग के घर पर जाकर लड़ने को तैयार, मेटा के संस्थापक बोले : 'यह आगे बढ़ने का समय है'

बीएनटी न्यूज

एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग ने इटली के एक महाकाव्य स्थान पर अपनी आगामी पिंजरे की लड़ाई से पहले एक-दूसरे पर कटाक्ष किया, टेस्ला के सीईओ ने मेटा संस्थापक को अपने पिछवाड़े में लड़ने की चुनौती दी।

मस्क ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जुकरबर्ग के साथ एक चैट पोस्ट की, जिसमें कहा गया कि वह पालो अल्टो (कैलिफोर्निया) में होंगे और जुकरबर्ग के "ऑक्टागन" पर जाकर लड़ने की पेशकश की।

जकरबर्ग ने स्पष्ट रूप से मस्क को संदेश भेजा : "यदि आप अभी भी वास्तविक एमएमए लड़ाई करना चाहते हैं, तो आपको स्वयं प्रशिक्षण लेना चाहिए और जब आप प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हों तो मुझे बताएं।"

जुकरबर्ग ने कहा, "मैं ऐसी किसी चीज का प्रचार-प्रसार नहीं करना चाहता जो कभी नहीं होगी, इसलिए आपको या तो यह तय कर लेना चाहिए कि आप यह करने जा रहे हैं और इसे जल्द ही करेंगे, या हमें आगे बढ़ना चाहिए।"

मस्क ने जवाब दिया : आज लेक्स फ्रिडमैन के साथ एक संक्षिप्त मुकाबले के अलावा, मैं ज्यादा अभ्यास नहीं कर रहा हूं। जबकि मुझे लगता है कि यह बहुत ही असंभव है, हमारे आकार के अंतर को देखते हुए, शायद आप एक आधुनिक ब्रूस ली हैं और किसी तरह जीतेंगे।

अमेरिकी लेखक-पत्रकार

वाल्टर इसाकसन ने सबसे पहले पोस्ट किया कि मस्क जुकरबर्ग को कैलिफोर्निया के पालो अल्टो में अपने घर पर लड़ने के लिए कह रहे हैं।

एक ट्वीट में इसाकसन, जो एक गैर-पक्षपातपूर्ण नीति अध्ययन संगठन, एस्पेन इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष और सीईओ रहे हैं, ने कहा : मुझे एलोन मस्क से यह टेक्स्ट संदेश सुबह 4:44 बजे सीटी पर मिला, जिसमें कुछ टेक्स्ट संदेशों का स्क्रीनशॉट दिखाया गया था, जिसमें वह बताते हैं जुकरबर्ग को इस पालो ऑल्टो में जुकरबर्ग के घर पर लड़ना चाहिए।

जुकरबर्ग ने बाद में थ्रेड्स पर पोस्ट किया कि "मुझे लगता है कि हम सभी सहमत हो सकते हैं कि एलोन गंभीर नहीं हैं और अब आगे बढ़ने का समय है।"

मेटा संस्थापक ने कहा, मैंने एक वास्तविक तारीख की पेशकश की। डाना व्हाइट ने इसे दान के लिए एक वैध प्रतियोगिता बनाने की पेशकश की।

एलोन किसी तारीख की पुष्टि नहीं करेगा, फिर कहता है कि उसे सर्जरी की जरूरत है, और अब इसके बजाय मेरे पिछवाड़े में एक अभ्यास दौर करने के लिए कहता है।

उन्होंने कहा, अगर एलोन कभी किसी वास्तविक तारीख और आधिकारिक कार्यक्रम के बारे में गंभीर हो जाता है, तो वह जानता है कि मुझ तक कैसे पहुंचना है। अन्यथा, आगे बढ़ने का समय आ गया है। जुकरबर्ग ने कहा, मैं उन लोगों के साथ प्रतिस्पर्धा करने पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूं जो खेल को गंभीरता से लेते हैं।

मेटा के संस्थापक और सीईओ ने पहले कहा था कि वह मस्क को लड़ाई की तारीख पर सहमत होने के लिए "अपनी सांस नहीं रोक रहे थे"।

मस्क ने कहा था कि वह इस कार्यक्रम की मेजबानी के लिए इतालवी प्रधान मंत्री और संस्कृति मंत्री के संपर्क में हैं।

हालांकि, जुकरबर्ग ने कहा कि किसी तारीख पर सहमति नहीं बनी है।

39 वर्षीय जुकरबर्ग के पास जिउ-जित्सु में ब्लू बेल्ट है और उन्होंने हाल ही में एक टूनामेंट में स्वर्ण और रजत पदक जीते हैं।

सोनी के साथ विलय को एनसीएलटी की मंजूरी के बाद जी एंटरटेनमेंट का शेयर 15 प्रतिशत उछला

एनसीएलटी द्वारा सोनी के साथ विलय को मंजूरी मिलने के बाद जी एंटरटेनमेंट के शेयर 15 फीसदी उछल गये।

बीएसई पर जी के शेयर 15 फीसदी की बढ़त के साथ 278.40 रुपये पर पहुंच गया।

जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि जी लिमिटेड के पहली तिमाही के नतीजे उम्मद से बेहतर रहे और राजस्व में छह फीसदी और कर पूर्व आय में 29 फीसदी की वृद्धि देखी गई।

मुख्य आंकड़े तो सकारात्मक थे ही, अंतर्निहित रुझान और भी अधिक उत्साहजनक थे। प्रबंधन के अनुसार, विज्ञापन-आय वृद्धि में पहली तिमाही के अंत में आई तेजी दूसरी तिमाही में भी बरकरार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग तीन साल बाद लीनियर टीवी चैनलों के दाम में बढ़ोतरी से सब्सक्रिप्शन से प्राप्त राजस्व साल-दर-साल आधार पर 18 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है।

टीवी के दर्शकों की संख्या निरंतर बढ़ने से विज्ञापन/सब्सक्रिप्शन से प्राप्त आय वृद्धि को बल मिलने की उम्मीद है। थियेटरीकल रिलीज भी अनुकूल हो रही हैं। जी स्टूडियोज की फिल्म 'गदर 2' की एडवांस बुकिंग बेहद दमदार ओपनिंग का संकेत दे रही है। मुकदमेबाजी के मद में प्रावधान में कोई बढ़ोतरी नहीं होना भी सकारात्मक रहा। इससे साफ है कि अधिकांश देनदारियों के लिए अब प्रावधान किया जा चुका है।

पीठ को मजबूत करने में सहायक हैं ये योगासन

लंबे समय तक काम करने या गलत बॉडी पॉश्चर रखने का खामियाजा हमेशा पीठ को भुगतना पड़ता है। हालांकि योग आपकी पीठ को इन कारणों से बचाते हुए मजबूत बनाए रखने में काफी सहयोग प्रदान कर सकता है। आइए हम आपको चार ऐसे योगासनों के अभ्यास का तरीका बताते हैं जो आपकी पीठ को मजबूत करने के समेत तनाव और पीठ दर्द से राहत दिलाने में सहायक साबित हो सकते हैं।

वीरभद्रासन

वीरभद्रासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पैरों को फैलाकर खड़े हो जाएं और हाथों को कंधे की सीध में फैला लें, फिर दाएं पैर को 90 डिग्री घुमाएं और शरीर को दाईं तरफ घुमाकर गहरी सांस लेते हुए दाएं घुटने को मोड़ें। थोड़ी देर इसी अवस्था में रहें और फिर धीरे-धीरे वापस प्रारंभिक अवस्था में आ जाएं। इसके बाद इस प्रक्रिया को विपरीत दिशा से दोहराएं।

ताड़ासन

ताड़ासन के लिए सबसे पहले योगा मैट पर सावधान मुद्रा में खड़े हो जाएं, फिर दोनों हाथों को आसमान की ओर सीधा उठाकर अपनी उंगलियों को आपस में फंसा लें। अब धीरे-धीरे सांस लेते हुए पंजों के बल खड़े हों और शरीर को ऊपर की ओर खीचने की कोशिश करें। जब शरीर पूरी तरह तन जाए तो इस मुद्रा में कुछ देर बने रहें और सांस लेते रहें। अंत में सांस को धीरे-धीरे छोड़ते हुए प्रारंभिक अवस्था में आ जाएं।

अर्धमत्स्येन्द्रासन

सबसे पहले योगा मैट पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं, फिर अपने दाएं पैर को घुटने से मोड़ते हुए बाएं घुटने के ऊपर से इसके किनारे पर रख लें। इसके बाद बाएं घुटने को मोड़कर इसकी एड़ी को दाएं कूल्हे के नीचे रखें और बाएं हाथ से दाएं टखने को पकड़ने की कोशिश करें। इस दौरान दाएं हाथ को कमर के पीछे रखें। कुछ सेकंड इसी स्थिति में बने रहें और धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

भुजंगासन

भुजंगासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले योगा मैट पर अपने हाथों को अपने कंधों के नीचे रखकर पेट के बल लेट जाएं। अब अपने हाथों से दबाव देते हुए अपने शरीर को जहां तक संभव हो सके, ऊपर उठाने की कोशिश करें। इस दौरान सामान्य तरीके से सांस लेते रहें। कुछ देर इसी मुद्रा में बने रहें और फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। कुछ देर बाद इस योगासन को फिर से दोहराएं।

देश में एम्स का कोई विकल्प नहीं: उपराष्ट्रपति

बीएनटी न्यूज

एम्स दिल्ली के 48 वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का कोई विकल्प नहीं है। इस प्रमुख संस्थान ने वैश्विक मान्यता अर्जित की है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया, एम्स निदेशक एम श्रीनिवास और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि मुझे लगता है कि मैं दर्जनों बार एक मरीज के रूप में यहां आया हूं। यहां के डॉक्टरों का समर्पण अद्वितीय है। क्या आप रोगी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, भागीदारी और समर्पण को हरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी संस्थान की ताकत उसके कर्मचारी होते हैं, मैं उन सभी कर्मचारियों और आज डिग्री लेने वाले छात्रों को शुभकामनाएं देता हूं।

धनखड़ ने आगे कहा कि आप अपने पूरे जीवन में उस शिक्षक को याद रखेंगे, जिन्होंने आपको पढ़ाया, क्योंकि उन्होंने आपको मार्गदर्शन दिया है। मुझे यकीन है कि आप उन्हें कभी निराश नहीं करेंगे।

उपराष्ट्रपति ने कोविड महामारी का जिक्र करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना की।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब हर कोई महामारी की चुनौतियों का सामना कर रहा था तो हमारे स्वास्थ्य कार्यकताओं ने जोखिम उठाया और हमारी रक्षा के लिए आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कोविड लॉकडाउन का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया में किसी ने भी व्यापक भागीदारी की रणनीति के बारे में नहीं सोचा जैसा कि प्रधानमंत्री ने किया। पूरे देश ने इसमें सहयोग किया। इससे कोविड को रोकने और उससे निपटने के सभी मोर्चों पर सकारात्मक परिणाम मिले।

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की लोगों से अपील, अंग दाता बनने का संकल्प लें

बीएनटी न्यूज

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने विश्व अंग दान दिवस के अवसर पर लोगों से अंग दाता बनने का संकल्प लेने को कहा है। मनसुख मंडाविया 'एक्स' पर लिखा, "विश्व अंग दान दिवस पर आइए हम अंग दाता बनने का संकल्प लें। अंग दान का नेक कार्य कई लोगों के जीवन को बचा सकता है या बदल सकता है। इस महीने की शुरूआत में, मंत्री ने कहा था कि केंद्र सरकार ने देश में अंगदान बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा था कि सरकार अंग दान को लोकप्रिय बनाने के लिए और अधिक नीतियां तथा सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 13 अगस्त को विश्व अंगदान दिवस मनाया जाता है।

मोदी सरकार ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बनाया बीमार: कांग्रेस

बीएनटी न्यूज

कांग्रेस ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) पर हालिया सीएजी रिपोर्ट सहित स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भाजपा सरकार की आलोचना की और कहा देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को "बीमार" बना दिया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा, "लूट और जुमलों (बयानबाजी) ने देश को अस्वस्थ बना दिया। मोदी जी के हर शब्द में केवल झूठ है। उन्होंने कई एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) बनाने का दावा किया, लेकिन सच्चाई यह है कि एम्स को डॉक्टरों और कर्मचारियों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।"

खड़गे ने कहा, "मोदी जी, कोरोना महामारी में उदासीनता से लेकर आयुष्मान भारत में घोटाले तक, आपकी सरकार ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बीमार बना दिया है।"

कांग्रेस प्रमुख ने 2024 के लोकसभा चुनावों के स्पष्ट संदर्भ में कहा, "लोग जाग गए हैं। आपके धोखे को पहचान लिया गया है। आपकी सरकार की विदाई का समय आ गया है।" इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए, कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार के तहत स्वास्थ्य सुविधाएं स्वयं 'बीमार' हैं। सुरजेवाला ने एक्स पर लिखा, "मोदी सरकार का मतलब खोखला प्रचार है। स्वास्थ्य सुविधाएं बीमार हैं। एम्स में डॉक्टरों, कर्मचारियों की कमी है। आयुष्मान योजना में भ्रष्टाचार है।"

उन्होंने कहा, "एम्स में डॉक्टर के 2,161 पद और स्टाफ के 20,269 पद खाली हैं। एम्स दिल्ली में डॉक्टरों के 347 पद और स्टाफ के 2,431 पद खाली हैं।"

"मोदी सरकार की अक्षमता के कारण लोगों को कोरोना महामारी के दौरान अपने प्रियजनों को खोकर भुगतान करना पड़ा। अब भी, भाजपा की लूट, भ्रष्टाचार और नकारात्मकता के कारण लोगों का स्वास्थ्य और जीवन खतरे में है।"

बता दें कि सीएजी की एक रिपोर्ट. जो इस सप्ताह की शुरूआत में संसद में प्रस्तुत किया गया था, उसमें एबी-पीएमजेएवाई के कार्यान्वयन में अनियमितताओं को उजागर किया गया है।

यूपी के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में पीपीपी मॉडल पर खुलेंगी फार्मेसी

बीएनटी न्यूज

मरीजों को किफायती दर पर गुणवत्तापरक दवाएं मुहैया कराने की दिशा में प्रदेश सरकार ने अहम कदम उठाया है। पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) के माध्यम से इन हाउस फामेर्सी शुरू करने का फैसला लिया गया है।

इस संबंध में प्रदेश के छह राजकीय मेडिकल कॉलेजों को चुना गया है। नई व्यवस्था लागू होने से भर्ती व ओपीडी मरीजों को आसानी से दवाएं मिल सकेंगी।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय के अफसरों को मेडिकल कॉलेजों में दवाओं की

व्यवस्था को और मजबूत व सुचारू बनाने के निर्देश दिए।

डिप्टी सीएम ने बताया कि कानपुर, गोरखपुर, मेरठ, आगरा, प्रयागराज और झांसी के राजकीय मेडिकल कालेज में पीएमएसएसवाई के अन्तर्गत संचालित सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में फामेर्सी खोली जाएगी। केंद्रीयकृत रूप में पीपीपी मॉडल पर इन हाऊस फामेर्सी संचालित होगी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का कहना है कि 15 दिन के भीतर इच्छुक फर्म आवेदन कर सकती हैं। एक से दो माह के भीतर फामेर्सी का संचालन किया जाएगा। इसके बाद मरीज फामेर्सी से दवाएं हासिल कर सकेंगे। इसमें जरूरी सर्जिकल सामान भी होगा। ताकि मरीजों को इलाज के लिए किसी भी चीज के लिए भटकना न पड़े। जिन बीमारियों से पीड़ित मरीज अधिक भर्ती हो रहे हैं।

उनमें कौन सी दवाएं अधिक इस्तेमाल हो रही हैं? ऐसी दवाएं फामेर्सी में अधिक पर्याप्त मात्रा में रखगी जाएंगी।

आईआईटी ने विकसित की नियंत्रित इंसुलिन-डिलीवरी प्रणाली

बीएनटी न्यूज

आईआईटी ने एक ऐसी प्रणाली विकसित की है जो हाई ब्लड शुगर के स्तर अनुसार इंसुलिन जारी करती है। यह ब्लड शुगर के उपचार के लिए एक नियंत्रित दृष्टिकोण प्रदान करती है। साथ ही यह नई प्रणाली ब्लड शुगर के मैनेजमेंट में सुविधा और सुरक्षा को बढ़ाती है।

आईआईटी भिलाई के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुचेतन पाल ने कहा कि यह हाइड्रोजेल-आधारित दवा वितरण प्रणाली हाई ब्लड शुगर के स्तर के जवाब में नियंत्रित तरीके से इंसुलिन जारी करने की क्षमता रखती है। यह स्वस्थ अग्न्याशय कोशिकाओं की प्राकृतिक इंसुलिन स्राव प्रक्रिया की नकल करती है।

आईआईटी भिलाई के मुताबिक यह अध्ययन और इसकी खोजें भारत के लिए महत्व रखती हैं, एक ऐसा देश जिसे अक्सर मधुमेह का वैश्विक केंद्र कहा जाता है।

द लांसेट में छपे भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के हालिया अध्ययन से चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। लगभग 101 मिलियन भारतीय वर्तमान में मधुमेह से जूझ रहे हैं। अग्न्याशय में अपर्याप्त इंसुलिन उत्पादन से उत्पन्न होने वाली यह पुरानी स्वास्थ्य बीमारी, जिसके परिणामस्वरूप उच्च रक्त शर्करा का स्तर होता है और काफी स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न होता है।

टाइप 1 मधुमेह वाले कई रोगियों के लिए इंसुलिन एक आधारशिला चिकित्सा बनी हुई है। वर्तमान में, मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति अपने रक्त शर्करा के स्तर को प्रबंधित करने के लिए अक्सर सुइयों या विशेष उपकरणों का उपयोग करके दैनिक इंसुलिन इंजेक्शन का सहारा लेते हैं। अनुमान है कि भारत में लगभग तीन मिलियन लोग इंसुलिन थेरेपी पर निर्भर हैं। यह अध्ययन डॉ. सुचेतन पाल के नेतृत्व में किया गया है। इसमें इंसुलिन पर निर्भर मधुमेह रोगियों को इंसुलिन की आपूर्ति करने की एक सुरक्षित और कुशल विधि का वादा करता है।

वर्तमान इंसुलिन इंजेक्शन विधियों की सीमाओं पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. सुचेतन ने कहा, "वर्तमान इंसुलिन इंजेक्शन विधियों की कुछ सीमाएं हैं। वे शरीर की प्राकृतिक प्रणाली की तरह काम नहीं करते हैं और घातक हो सकते हैं। वर्तमान इंसुलिन इंजेक्शन विधियां रक्त शर्करा के स्तर को खतरनाक रूप से कम कर सकती हैं, और रोगियों को हमेशा उन पर निर्भर रहना पड़ सकता है।"

इंसुलिन वितरण के बेहतर तरीकों की तलाश में, आईआईटी भिलाई के शोधकताओं ने हाइड्रोजेल के अभिनव अनुप्रयोग का पता लगाया। हाइड्रोजेल बायोकंपैटिबल पॉलिमर हैं जिनमें पानी की मात्रा अधिक होती है और कार्डियोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, घाव भरने और दर्द प्रबंधन सहित विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में नियंत्रित दवा रिलीज के लिए इसका अध्ययन किया जा रहा है।

शोधकताओं ने इंसुलिन को विशेष रूप से डिजाइन किए गए हाइड्रोजेल में समाहित किया है जिसे सीधे इंसुलिन इंजेक्शन के बजाय प्रशासित किया जा सकता है। ग्लूकोज द्वारा शुरू की गई शरीर की प्राकृतिक इंसुलिन स्राव प्रक्रिया से प्रेरणा लेते हुए, टीम ने हाइड्रोजेल को इस तरह डिजाइन किया कि ग्लूकोज का स्तर ऊंचा होने पर वे इंसुलिन जारी करेंगे।

चूहे के मॉडल में परीक्षणों के माध्यम से इंसुलिन-लोडेड हाइड्रोजेल की सुरक्षा और मधुमेह विरोधी प्रभावकारिता की पुष्टि की गई।

डॉ. पाल ने कहा, "ये मॉड्यूलर हाइड्रोजेल माइक्रोनीडल्स या मौखिक फॉमूर्लेशन का रूप ले सकते हैं और ऊंचे रक्त शर्करा के स्तर के जवाब में इंसुलिन की निरंतर डिलीवरी साबित कर सकते हैं। इससे इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता वाले रोगियों के लिए सुविधा और सुरक्षा में काफी वृद्धि हो सकती है। अमेरिकन केमिकल सोसाइटी जर्नल, एप्लाइड मैटेरियल्स एंड इंटरफेसेस के पेपर में, इस अभूतपूर्व शोध के निष्कर्ष प्रकाशित किए गए हैं। आईआईटी भिलाई के शोधकताओं के नेतृत्व में शिव नादर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली, एनसीआर, और श्रीरावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ फामेर्सी, छत्तीसगढ़, के वैज्ञानिक इस शोध में शामिल हैं।

स्वास्थ्य मंत्री मंडाविया ने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष मार्क बटलर से की मुलाकात

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की।

मंडाविया ने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरों के साथ 'एक्स' पर लिखा, "ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य और वृद्ध देखभाल मंत्री मार्क बटलर के साथ अद्भुत बैठक।"

मंडाविया ने कहा, "डिजिटल स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और प्रशिक्षण और जेनेरिक दवाओं के विनिर्माण और आपूर्ति में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई।"

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों के जेनेरिक दवा न लिखने संबंधी याचिका पर केंद्र, राज्यों से मांगा जवाब

बीएनटी न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका पर केंद्र तथा राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया जिसमें जेनेरिक दवाएं न लिखने वाले डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने मामले में केंद्र, सभी राज्य सरकारों, एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड और अन्य से जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता के. सी. जैन ने पीठ को अवगत कराया कि जेनेरिक दवाओं को निर्धारित करने के महत्व पर जोर देने वाले नियम, जिन्हें 2002 में अधिसूचित किया गया था, व्यवहार में बड़े पैमाने पर लागू नहीं किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सा परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002, जो दवाओं को उनके जेनेरिक नामों से लिखने के महत्व पर

प्रकाश डालते हैं, पूरी तरह से कानूनी ढांचे के भीतर मौजूद हैं। याचिका में कहा गया है कि दवाओं की सामर्थ्य एक महत्वपूर्ण कारक है जो प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल वितरण और 'स्वास्थ्य के अधिकार' की प्राप्ति में योगदान करती है।

याचिका में कहा गया है, जेनेरिक दवाएं, जिनमें उनके ब्रांडेड समकक्षों के समान सक्रिय तत्व होते हैं, लेकिन एक विशिष्ट ब्रांड नाम के तहत विपणन नहीं किया जाता है, अक्सर काफी सस्ते होते हैं। जेनेरिक दवाओं (ऑफ-पेटेंट) की कीमतें ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक कम हो सकती हैं।

याचिका में गैर-अनुसूचित फॉमूर्लेशन और ऑफ-पेटेंट जेनेरिक दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) तय करने के लिए राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल्स मूल्य निर्धारण प्राधिकरण को निर्देश देने की मांग की गई।

याचिका में कहा गया है, "जेनेरिक दवाएं लिखकर, स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर मरीजों पर वित्तीय बोझ को कम करने और महत्वपूर्ण दवाओं तक उनकी पहुंच को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकते हैं।"

राहुल, श्रेयस और तिलक एशिया कप टीम में शामिल

बीएनटी न्यूज

चोट से उबरने के बाद केएल राहुल और श्रेयस अय्यर को 30 अगस्त से 17 सितंबर तक होने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

अजीत अगरकर की अगुवाई में चयनकर्ताओं ने 17 खिलाड़ियों के नामों पर एशिया कप के लिए मुहर लगाई है। वहीं, बैक-अप के तौर पर संजू सैमसन को रखा गया है।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के नामों का ऐलान किया। इस स्क्वॉड में युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा का नाम भी शामिल है, जो इस साल शानदार फॉर्म में हैं और टी20 के बाद वनडे डेब्यू के लिए तैयार हैं।

राहुल 1 मई को आईपीएल-2023 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ अपनी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के मैच के दौरान चोटिल होने के बाद से एक्शन से दूर हैं।

बताया गया कि राहुल की दाहिनी जांघ में काफी चोट आई थी और उसकी सर्जरी भी हुई। उसके बाद राहुल चोट से उबरने के लिए बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब से गुजर रहे हैं।

दूसरी ओर, अय्यर भी काफी समय से इंजरी के कारण टीम से बाहर हैं। हालांकि सर्जरी के बाद अब वो एनसीए में है और बताया जा रहा है कि अब वो पूरी तरह फिट हैं।

अगरकर ने कहा कि एनसीए ने अय्यर को पूरी तरह से फिट करार दिया है, लेकिन राहुल की चोट के कारण उन पर सवालिया निशान है। जिसके कारण संजू सैमसन को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। अगरकर ने कहा, "दोनों लंबे समय से गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। राहुल अपनी चोट से उबर चुके हैं, लेकिन एक परेशानी है जिसके कारण संजू को बतौर रिजर्व खिलाड़ी चुना गया है। हम फिजियो से उनकी फिटनेस पर रिपोर्ट लेंगे। हम सभी को उम्मीद है कि वह फिट हो जाएंगे। अगर शुरूआत में नहीं, तो दूसरे या तीसरे मैच तक।"

तिलक वर्मा के चयन के बारे में बात करते हुए अगरकर ने कहा, "वेस्टइंडीज में हमने उनके बल्ले से कुछ शानदार पारी देखी है। न केवल प्रदर्शन बल्कि उनकी समझ, स्वभाव और तकनीक भी काफी अलग है। यह हमें उन्हें टीम के साथ ले जाने का मौका देता है, जिससे उसे कुछ और एक्सपोजर मिले।"

"एशिया कप में हम 17 सदस्यीय स्क्वॉड चुन सकते हैं, लेकिन विश्व कप में यह 15 होगा। इसलिए समय आने पर हम उनके भविष्य पर निर्णय लेंगे। फिलहाल कम से कम कोच और कप्तान को तिलक वर्मा को अपने साथ रखने का मौका मिला है।"

टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं, जिन्होंने पीठ की सर्जरी से उबरने के बाद आयरलैंड में चल रही टी20 सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी की।

वेस्टइंडीज के पूरे दौरे के लिए आराम दिए जाने के बाद मोहम्मद शमी की वापसी हुई है। अन्य तेज गेंदबाज में मोहम्मद सिराज, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शार्दुल ठाकुर का नाम शामिल है।

एक बार फिर टीम में लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का नाम नहीं है। जबकि, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव का नाम स्पिन गेंदबाजों में शामिल है।

अगरकर ने कहा, "हमने इन 18 लोगों को चुना है। विश्व कप टीम के लिए भी स्क्वॉड इससे मिलता-जुलता होगा। कुछ मुख्य खिलाड़ी चोट से वापस आ रहे हैं, उम्मीद है कि उनके साथ सब कुछ अच्छा होगा।"

एशिया कप के लिए टीम इंडिया :-

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

रिजर्व प्लेयर : संजू सैमसन

विराट के इंटरनेशनल क्रिकेट में 15 साल पूरे

बीएनटी न्यूज

बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15 साल पूरे करने पर बधाई दी है।

18 अगस्त, 2008 को युवा विराट कोहली, जो उस समय 19 साल और 287 दिन के थे। उन्होंने दांबुला में खेले गए वनडे मैच में श्रीलंका के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया।

इसके कुछ ही महीने बाद उन्होंने मलेशिया में टीम इंडिया को अंडर-19 विश्व कप खिताब दिलाया। तब से कोहली सभी प्रारूपों में भारत के लिए रन मशीन बन गए।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने विराट कोहली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15 साल पूरे होने बधाई देते हुए अपने ट्वीट में लिखा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस मुकाम को हासिल करने के लिए आपको बधाई। आपके जुनून, दृढ़ता और उपलब्धियों ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। आपको आगे भी इस तरह की सफलता मिलती रहे इसकी हम कामना करते हैं।

कोहली ने इंस्टाग्राम पर पिछले साल मेलबर्न में पुरुष टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच जिताने वाली पारी की एक तस्वीर के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15 साल पूरे करने पर आभार व्यक्त किया।

अब तक, कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 501 मैचों में 53.63 के औसत से 76 शतक और 131 अर्द्धशतक सहित 25,582 रन बनाए हैं।

34 वर्षीय कोहली वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई भारत की पांच मैचों की टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे और वह शुक्रवार से आयरलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली आगामी तीन टी20 मैचों का भी हिस्सा नहीं हैं। कोहली अब 30 अगस्त से 17 सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों की मेजबानी में होने वाले 50 ओवर के एशिया कप 2023 में भारत के लिए एक्शन में लौटेंगे।

यूएई के गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी पर आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगा

बीएनटी न्यूज

संयुक्त अरब अमीरात के तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी पर रविवार को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के दो उल्लंघनों के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना और दो अवगुण अंक लगाए गए हैं, जो उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में जोड़े गए हैं।

सिद्दीकी को आधिकारिक फटकार लगाई गई और खिलाड़ियों और खिलाड़ी समर्थन कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने के लिए उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक अवगुण अंक जोड़ा गया, जो ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करने से संबंधित है जो अपमानजनक या आक्रामक हो सकते हैं। आईसीसी के बयान में कहा गया है कि एक अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर उसकी आक्रामक प्रतिक्रिया को लेकर जुमार्ना लगाया गया है।

यह घटना न्यूजीलैंड की पारी के पांचवें ओवर में घटी जब सिद्दीकी आउट हुए बल्लेबाज टिम सीफर्ट के करीब पहुंचे और उन पर आक्रामक तरीके से चिल्लाए।

उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना भी लगाया गया था और बाद में मैच में एक और अपराध के लिए उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक और अवगुण अंक जोड़ा गया था, जब उन्होंने अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया था, जो "अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने" से संबंधित है।

यह 17वें ओवर में हुआ, जब आउट की अपील ठुकरा दी गई तो सिद्दीकी ने अंपायर के प्रति अनुचित भाषा का इस्तेमाल करके असहमति जताई।

सिद्दीकी ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

मैदानी अंपायर अकबर अली और शिजू सैम और तीसरे अंपायर आसिफ इकबाल ने आरोप लगाए।

90 मीटर का आंकड़ा पार करने को बेताब 'गोल्डन बॉय' को 'एक अच्छे दिन की जरूरत'

बीएनटी न्यूज

भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी और ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा काफी समय से 90 मीटर का आंकड़ा पार करने की कोशिश कर रहे हैं। 30 जून, 2022 को स्टॉकहोम (89.94) में वो इस आंकड़े के बेहद करीब पहुंच चुके थे।

ओलंपिक चैम्पियन, डायमंड लीग फाइनल विजेता, राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और विश्व चैम्पियनशिप के रजत पदक विजेता चोपड़ा को पिछले कई महीनों से सवालों का सामना करना पड़ रहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 90 मीटर की दूरी कब पार कर पाएंगे।

हंगरी के बुडापेस्ट में 2023 एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप से पहले एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया है। चोपड़ा ने कहा कि वह इस उपलब्धि को हासिल करने के करीब हैं और इसे हासिल करने के लिए सिर्फ एक सही दिन की जरूरत है। जियोसिनेमा के साथ बातचीत में नीरज चोपड़ा ने कहा, "निश्चित रूप से, मैं इस लक्ष्य के करीब हूं। मुझे बस अनुकूल परिस्थितियों के साथ बस एक अच्छे दिन की जरूरत है।" 25 वर्षीय चोपड़ा ने कहा कि वह बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में कोई लक्ष्य नहीं रख रहे हैं और उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं भी निर्धारित की हैं, चाहे वह ओलंपिक के लिए उनकी तैयारियों के बारे में हो या घी से बने उनके पसंदीदा खाने के बारे में।

हरियाणा के आमीमैंन ने कहा कि वह किसी भी चीज का दबाव महसूस नहीं कर रहे हैं। "मैं कुछ हद तक दबाव से निपटने का आदी हो गया हूं। हालांकि, जब मैं हर दो से चार साल में एक बार होने वाली प्रतियोगिताओं (जैसे विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक) में भाग लेता हूं, तो निस्संदेह जिम्मेदारी की भावना होती है। लेकिन मैं हमेशा अपना बेस्ट देता हूं।"

जय शाह ने भारत की ब्लाइंड क्रिकेट टीमों को जीत की बधाई दी

बीएनटी न्यूज

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने आईबीएसए-2023 में आसान जीत हासिल करने के बाद भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीमों (पुरुष और महिला दोनों) की जमकर प्रशंसा की।

जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स-2023 में हमारी भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीमों की जीत बेहद खास है। महिला टीम ने इंग्लैंड को हराकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जबकि पुरुष टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विजयी वापसी की। दोनों ही टीमों का शानदार प्रदर्शन हम सभी को प्रेरित करता है। सकारात्मकता फैलाने और हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए दोनों टीमों को धन्यवाद!"

पहले मैच में भारतीय पुरुष टीम को हाथों हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन मेन इन ब्लू ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। इस बीच, महिला टीम ने अब तक के अपने दोनों मैच जीते हैं और टूनामेंट में मजबूत दिख रही हैं। बर्मिंघम में आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स-2023 में पुरुष टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी जबकि महिला टीम ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

आईबीएसए वर्ल्ड गेम्स में ब्लाइंड क्रिकेट शुरू हुआ, जिसमें इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला मुकाबला खेला गया। यह अवसर विश्व खेलों में होने वाले पहले क्रिकेट मैच का प्रतीक था।

स्पेन बना महिला विश्व कप फुटबाल का नया चैंपियन

बीएनटी न्यूज

फीफा महिला विश्व कप ट्रॉफी पर एक नया नाम दर्ज हो गया। स्पेन की टीम ने इंग्लैंड को 1-0 से हराकर खिताब पर कब्जा कर लिया। इस प्रकार स्पेन की टीम यह खिताब हासिल करने वाली पांचवीं टीम बन गई।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ओल्गा कामोर्ना ने मैच के 29वें मिनट में किए गए गोल से यह सुनिश्चित कर दिया कि जर्मनी के बाद पुरुष और महिला दोनों विश्व कप खिताब जीतने वाला स्पेन दूसरा देश बने। 2010 में स्पेन की पुरुषों की टीम ने खिताब जीता था।

स्पेन की एताना बोनमती और सलमा पारलुएलो ने क्रमशः गोल्डन बॉल और सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। इंग्लैंड की मैरी इयरप्स को गोल्डन ग्लव पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि गोल्डन बूट जापान की हिनाता मियाजावा को दिया गया, जिन्होंने टूनार्मेंट में सर्वाधिक पांच गोल किए।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड की टीम ने सह-मेजबान ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि स्पेन ने कड़ी टक्कर के स्वीडन को 2-1 से हराया था।

स्पेन की टीम एलेक्सिया पुटेलस की जगह पारलुएलो को शामिल करते हुए खचाखच भरे स्टेडियम में 4-3-3 के फॉर्मेशन के साथ उतरी, जबकि इंग्लैंड ने लॉरेन जेम्स के निलंबन के बाद फिर से उपलब्ध होने के बावजूद अपनी शुरूआती लाइन-अप को अपरिवर्तित रखा।

दोनों पक्षों की सबसे हालिया भिड़ंत यूईएफए महिला यूरो 2022 क्वार्टर फाइनल में थी, जहां इंग्लैंड ने अतिरिक्त समय में स्पेन पर 2-1 से जीत हासिल की थी।

एक समान शुरूआत में दोनों पक्षों ने लगातार मौके बनाए। लॉरेन हेम्प 16वें मिनट में इंग्लैंड को आगे करने के करीब थीं, लेकिन उनके बाएं पैर से किया गया हमला बार पर जा टकराया।

स्पेन ने एक मिनट बाद जवाबी हमला किया। पारलुएलो कामोर्ना का प्रयास अंत तक पहुंचने में विफल रहा। ला रोजा 29वें मिनट में आगे हो गईं, जब उन्होंने मिडफील्ड में गेंट पर कब्जा हासिल कर लिया। टेरेसा एबेलेइरा गेंद को बाईं ओर ले गईं और मैरियोना कैल्डेंटे ने इसे कामोर्ना के लिए रखा, जिसने पहली बार गेंद पर रॉकेट की तरह प्रहार किया, जो इंग्लैंड की गोलकीपर इयरप्स को छकाकर आगे निकल गया और स्पेन की टीम 1-0 से आगे हो गई। मध्यांतर के तुरंत बाद स्पेन के पास अपनी बढ़त को दोगुना करने का मौका था, लेकिन पारलुएलो के प्रयास विफल रहा।

ब्रेक के बाद स्पेन ने कई मौके बनाए।कैल्डेंटी ने ईयरप्स को एक हाथ से बचाने के लिए मजबूर किया, जबकि बोनमती ने बार पर प्रहार किया।

64वें मिनट में, गेंद केइरा वॉल्श के हाथ में लगी और रेफरी ने लंबी वीएआर जांच के बाद पेनाल्टी दे दी, लेकिन इयरप्स ने जेनिफर हमोसी के प्रयास को विफल कर दिया।

जेम्स ने 76वें मिनट में स्पेन के गोलकीपर कैटा कोल को छकाया, लेकिन उनका प्रयास विफल हो गया।

अंतिम मिनटों में स्पेन खतरनाक बना रहा। लेकिन इयरप्स ने ओना बैटल के हमले का बचाव किया। आखिरी छड़ों में इंग्लैंड की टीम ने कुछ अच्छे मूव बनाए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चार साल पहले राउंड ऑफ 16 में बाहर होने और 2015 में ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में विफल रहने के बाद, महिला विश्व कप में स्पेन की यह तीसरी उपस्थिति थी।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने इंग्लैंड को 4-0 से हराया

बीएनटी न्यूज

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने चार देशों के टूनार्मेंट-डसेलडोर्फ-2023 में इंग्लैंड को 4-0 से हरा दिया। भारत को राजिंदर सिंह (13'), आमिर अली (33'), अमनदीप लाकड़ा (41') और अरजीत सिंह हुंदल (58') के गोल की बदौलत जीत मिली।

मैच की शुरूआत बेहद धीमी रही और दोनों टीमें शुरूआती गोल की तलाश में थी। भारत ने इंग्लैंड को रोकने के लिए शानदार डिफेंस का प्रदर्शन किया।

राजिंदर सिंह (13') ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

एक गोल से पिछड़ने के बाद इंग्लैंड ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक रवैया अपनाया। लेकिन, विष्णुकांत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने अपना दबदबा जारी रखा और इंग्लैंड को गोल करने का एक भी मौका नहीं दिया। भारत हाफटाइम तक 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ की शुरूआत में आमिर अली (33') ने भारत की बढ़त और बढ़ा दी। 2-0 की बढ़त के साथ भारत ने मैच पर दबदबा बनाना शुरू कर दिया। तीसरे क्वार्टर के अंत में अमनदीप लाकड़ा (41') ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत ने अपनी बढ़त को आगे बढ़ाया।

तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली। यहां से कमबैक करना इंग्लैंड के लिए लगभग नामुमकिन था।

समय समाप्त होने में 15 मिनट शेष रहते इंग्लैंड पर मैच में वापसी करने का बहुत दबाव था।

इंग्लैंड ने अपना खाता खोलने के लिए बहुत मेहनत की। लेकिन, भारत ने विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। अरजीत सिंह हुंदल (58') ने अंतिम मिनटों में एक और गोल किया और भारत ने मैच 4-0 से जीत लिया।

भारत की अनहत सिंह ने एशियाई जूनियर स्क्वैश में अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण जीता

भारत के राष्ट्रमंडल खेलों की स्क्वैश स्टार अनहत सिंह ने चीन के डालियान में आयोजित 30वीं एशियाई जूनियर स्क्वैश व्यक्तिगत चैंपियनशिप के लड़कियों के अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। 16 से 20 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में 15 वर्षीय अनहत ने हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले, दिल्ली की स्क्वैश खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया की डॉयस ली और सेमीफाइनल में मलेशिया की व्हिटनी इसाबेल विल्सन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

सैयामी खेर ने 'केबीसी 15' में बिग बी के लिए अपनी दादी के प्यार को किया याद

बीएनटी न्यूज

एक्ट्रेस सैयामी खेर पुरानी यादों में खो गईं और याद किया कि कैसे उनकी नानी मेगास्टार अमिताभ बच्चन को अपना प्यार 'एक घंटा' समर्पित करती थीं।

स्पेशल एपिसोड में, 'घूमर' की स्टार कास्ट अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर और आर बाल्की, 'कौन बनेगा करोड़पति 15' (केबीसी) के सेट पर मौजूद थे।

क्विज रियलिटी शो के होस्ट बिग बी ने दर्शकों से फिल्म निमार्ता आर बाल्की, सैयामी का परिचय कराया और फिर अपने बेटे और अभिनेता अभिषेक की ओर इशारा करते हुए कहाः "मुझे नहीं पता कि वह कौन है"। यह सुनकर दर्शक और जूनियर बच्चन खूब हंसे।

अभिषेक बिग बी की आवाज की नकल करते हैं और उनका मशहूर डायलॉग 'रिश्ते में तो हम तुम्हारे...' तक कहकर रुक जाते है। इस पर सभी खूब हंसते हैं।

सिग्नेचर डायलॉग "रिश्ते में तो हम तुम्हारे बाप लगते हैं, नाम है शहंशाह", अमिताभ की 1988 की विजिलेंट एक्शन फिल्म 'शहंशाह' से है।

इसके बाद बिग बी ने बताया कि उन्होंने बाल्की के साथ कई फिल्मों में काम किया है, उन्होंने कहा, "मैंने सैयामी के साथ काम नहीं किया है। लेकिन मैंने आपका काम देखा है।" अमिताभ फिर अभिषेक की ओर इशारा करते हुए कहते हैं, "इनकी तो हम बात ही नहीं करेंगे।"

वह कहते हैं कि यह पहली बार है कि आप दोनों सैयामी और बाल्की 'केबीसी' में आए हैं। "आपको कैसा लग रहा है?"

इस पर सैयामी जवाब देती हैं: "अमित जी मैं बहुत नर्वस हूं, क्योंकि यह पहली बार है जब मैं आपके सामने बैठी हूं, कैमरे ऑन हैं, हर कोई देख रहा है, लेकिन यह शायद मेरी जिंदगी का सबसे खास दिन है।"

इसके बाद वह बताती हैं, 'हम बचपन से ही केबीसी देख रहे हैं। मेरी नानी, जो रीवा से थीं, कहती थीं '23 घंटे तक मैं तुम्हें प्यार और सब कुछ दूंगी, लेकिन एक घंटे के लिए जब केबीसी टीवी पर आएगा, तो सारा प्यार अमित जी को जाएगा।'

सैयामी आसमान की ओर इशारा करते हुए कहती हैं, 'वह जहां भी होंगी, जहां भी देख रही होंगी, आज वह बहुत गौरवान्वित होंगी।'

बिग बी इसपर सैयामी को धन्यवाद देते है।

कट-आउट स्लीव्स, मैचिंग पैंट और शूज के साथ काले ब्लेजर में सैयामी बहुत खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने चोकर नेकपीस के साथ लुक को पूरा किया और अपने घुंघराले बालों का बन बनाया।

इसके बाद सैयामी बताती हैं कि उन्होंने यह पैसा 'गो स्पोर्ट्स' फाउंडेशन को डोनेट करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन पैरा एथलीटों और ओलंपिक एथलीटों का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, "उन्होंने 'घूमर' में मेरी बहुत मदद की है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि हम 7 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएंगे और हम उनकी मदद कर सकते हैं।"

'घूमर' में सैयामी एक पैराप्लेजिक स्पोर्ट्सपर्सन का किरदार निभा रही हैं।

आर बाल्की द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में अभिषेक बच्चन मुख्य भूमिका में हैं, उनके साथ शबाना आजमी और अंगद बेदी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

अक्षय कुमार की वजह से मुझे 'ओएमजी 2' में काम मिला: पंकज त्रिपाठी

अपने अलग अंदाज के लिए मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी इन दिनों 'ओएमजी 2' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म में अपने सह-अभिनेता अक्षय कुमार के साथ अपने संबंधों के बारे में बात की।

उन्होंने कहा कि अक्षय ने ही फिल्म के लिए उनके नाम की सिफारिश की थी।

'ओएमजी 2' में दूसरी बार पंकज और अक्षय एक साथ देखा गया है। दोनों ने इससे पहले 'बच्चन पांडे' में काम किया था, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

पंकज ने बातचीत में कहा, 'उनके साथ दूसरी बार काम करना बहुत अच्छा रहा। फिल्म में मेरे नाम की सिफारिश उन्होंने ही की थी।'

उन्होंने कहा, उनके साथ उनका रिश्ता मजबूत है और वह बहुत मेहनती अभिनेता हैं। उन्होंने फिल्म में बहुत ही खूबसूरती से काम किया है। मैंने देखा है, इसलिए कह रहा हूं। मेरे उनके साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। मैं उन पर विश्वास करता हूं और उनकी प्रशंसा करता हूं।

'ओएमजी 2' 11 अगस्त को सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत 'गदर 2' के साथ रिलीज हुई थी। रिलीज होने पर फिल्म ने पहले दिन 10.26 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

हालांकि फिल्म अब 100 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है।

ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट किया, स्वतंत्रता दिवस पर बड़ी छलांग के बाद 'ओएमजी 2' लगातार दिल जीत रही है और पैसा कमा रही है, यह वीकेंड 2 में सेंचुरी लगाएगी।

अक्षय ने ट्विटर पर लोगों को फिल्म पसंद करने के लिए धन्यवाद दिया।

रवि दुबे सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक हैं : आराधना शर्मा

कोर्ट ड्रामा 'लखन लीला भार्गव' में मेनका का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस आराधना शर्मा ने अपने को-एक्टर रवि दुबे की तारीफ की है। एक्टर रवि के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा, "निश्चित रूप से, रवि दुबे के साथ काम करना बेहद शानदार एक्सपीरियंस रहा है। वह सबसे स्किल्ड और टैलेंटेड एक्टर्स में हैं, जिनके साथ काम करने का सौभाग्य मुझे मिला है।" "अपनी कला के प्रति उनका समर्पण स्पष्ट है। उनके अथक कार्य नीति के साथ उनका रचनात्मक दृष्टिकोण वास्तव में उन्हें अलग करता है। रवि दुबे एक ऐसे अभिनेता हैं जो अपनी कलात्मकता की शक्ति में गहराई से विश्वास करते हैं।"

शो में अपने काम के बारे में बात करते हुए, आराधना ने कहा, "मैंने वेब सीरीज में एक समानांतर नायक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मेरा किरदार मेनका एक असाधारण महत्वाकांक्षी महिला है, जिसकी सगाई लाखन के सौतेले भाई से हुई है। मेरा किरदार एक वर्तमान महिला की भावना को समाहित करता है, जो तेजी से विकसित हो रहे समाज में अपनी अनूठी यात्रा करने का प्रयास कर रही है।" मैं एक ऐसी इंसान हूं, जिसके लिए अभिनय विश्वास की शक्ति के इर्द-गिर्द घूमता है। मैंने मेनका की कहानी को पूरे दिल से अपनाया।"

कंगना रनौत ने संजय लीला भंसाली को बताया 'भगवान'

एक्ट्रेस कंगना रनौत ने फिल्म निमार्ता संजय लीला भंसाली की प्रशंसा की है और उन्हें 'भगवान और लीजेंड' कहा। कंगना ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि कैसे वह फिल्म निमार्ता द्वारा दी गई भूमिकाएं और नंबर नहीं ले सकीं।

अभिनेत्री ने लिखाः "एक कलाकार के रूप में मैं संजय लीला भंसाली की गहराई से प्रशंसा करती हूं, वह कभी भी सफलता या महिमा का दिखावा नहीं करते... वह इस समय फिल्म उद्योग में रहने वाले सबसे सच्चे कलाकार हैं... मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानती जो सिनेमा से इतना प्यार करता हो और अपने जुनून से इतना प्रेरित हो... सबसे बढ़कर वह अपने काम से काम रखते है, वह लीजेंड है... मैं सिर्फ संजय सर से प्यार करती हूं... प्यार।"

उन्हें 'भगवान' कहते हुए उन्होंने कहा, "सालों से एसएलबी प्रोडक्शन द्वारा मुझे कुछ सॉन्ग/रोल ऑफर किए गए, किसी न किसी कारण से मैं उन्हें नहीं कर सकी, आज भी अगर मैं उन्हें देखना चाहती हूं या उनके साथ बातचीत करने के लिए उनके घर जाना चाहती हूं, तो वह मेरे सामने लिविंग गॉड की तरह बैठे हैं और धीरे-धीरे मुस्कुरा रहे हैं, अपनी आंखों से दया और प्रशंसा की बारिश कर रहे हैं, कम शब्दों में बोलने वाले एसएलबी जी अद्भुत हैं।"

यह 2020 में एक इंटरव्यू के दौरान था, जब एक्ट्रेस ने साझा किया था कि फिल्म निमार्ता ने उन्हें 'गोलियों की रासलीला राम लीला' में एक सॉन्ग की पेशकश की थी, लेकिन वह काम नहीं कर सकी। इसपर उन्होंने अफसोस जाहिर किया।

इस बीच, कंगना अगली बार 'चंद्रमुखी 2' में दिखाई देंगी, जिसमें राघव लॉरेंस भी हैं और यह रजनीकांत और ज्योतिका अभिनीत ब्लॉकबस्टर तमिल फिल्म 'चंद्रमुखी' की अगली कड़ी है।

उनके पास सर्वेश मेवाड़ा की 'तेजस' भी है, जो 20 अक्टूबर को रिलीज होने की उम्मीद है, और 'इमरजेंसी' भी है। फिल्म में अनुपम खेर, सतीश कौशिक और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं और यह 24 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

दिशा पाटनी ने कन्फर्म किया अपना रिलेशन?

टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी एक वक्त में बी टाउन के परफेक्ट कपल माने जाते थे। ऑनस्क्रीन ह या ऑफस्क्रीन, उनकी जोड़ी लोगों के बीच जबरदस्त हिट थी। इनके अफेयर्स को लेकर अक्सर कई बातें होती रहीं। हालांकि, दोनों ने कभी भी इस बात में हामी नहीं भरी। वहीं, बीते कुछ महीनों से दोनों के ब्रेकअप की खबरें आने लगीं। दिशा पाटनी का नाम किसी और के साथ जुड़ने लगा। हाल ही में एक्ट्रेस को एक पार्टी में देखा गया, जहां उन्होंने उस व्यक्ति के साथ शिरकत की, जिसके साथ उनका नाम लंबे समय से जोड़ा जा रहा है। टाइगर श्रॉफ ने कई मौकों पर दिशा पाटनी को सिर्फ अपना अच्छा दोस्त बताया है। यहां तक कि करण जौहर ने भी उनसे 'कॉफी विद करण' में दिशा के साथ उनकी केमेस्ट्री पर सवाल किया, लेकिन उन्होंने एक्ट्रेस को तब भी अपना अच्छा दोस्त बता कर मामले को रफा दफा कर दिया। अब दिशा पाटनी को एलेक्जेंडर एलिक्सिक के साथ पार्टी में शिरकत करते देखा गया।

एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह पार्टी के लिए अंदर जाने से पहले अपनी फीमेल फ्रेंड्स से एलेक्जेंडर का परिचय करवा रही हैं। इस दौरान वह उनसे कुछ कहती हैं। दिशा क्या कहती हैं, इसकी वॉइस क्लियर नहीं है। मगर उनकी लिप्सिंग से लग रहा कि वह एलेक्जेंडर को अपना ब्वॉयफ्रेंड बता रही हैं। वहीं, फैंस ने इस वीडियो पर कई तरह के कमेंट किए हैं।

एक ने लिखा, 'आखिरकार उसने कबूल कर लिया।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'टाइगर श्रॉफ कोने में खड़े होकर रोते हुए।'

दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ टिंसेलटाउन के बेस्ट पेयर बताए जाते थे, चाहे उनके बीच दोस्ती रही या दोस्ती से कुछ ज्यादा। बहरहाल, एक्ट्रेस की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें, तो वह पिछले काफी समय से प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर 'प्रोजेक्ट के' यानी कि 'कल्कि 2898' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।

बढ़ती उम्र के साथ मैं 'थोड़ी मजाकिया' दिखने लगी हूं... पामेला

कनाडाई-अमेरिकी अभिनेत्री और मॉडल पामेला एंडरसन को लगता है कि जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़. रही है, वह और भी मजाकिया दिखने लगी हैं।

'एली' से बात करते हुए पामेला एंडरसन ने कहा, "मुझे लगता है कि जब हम बड़े हो जाते हैं तो हम सभी थोड़े मजाकिया दिखने लगते हैं। जब मैं अपने आप को आईने में देखती हूं तो खुद पर हंसी आती है। मैं कहती हूं वाह यह वास्तव में मैं हूं, मुझे क्या हो रहा है?"

पामेला ने कहा कि वह इस वक्त 'अच्छी जगह' पर हैं। 90 के दशक में वैश्विक सेक्स सिंबल बन चुकीं 'बेवॉच' स्टार ने साझा किया कि आजकल मुझे अच्छा महसूस होता है। मैं एक अच्छी जगह पर हूं।

एसशोबिज डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल की शुरूआत में पामेला ने 'पाम एंड टॉमी' के निमार्ताओं पर निशाना साधा था। इस बायोपिक ड्रामा सीरीज में टॉमी ली और पामेला एंडरसन का तूफानी रोमांस दिखाया गया था।

द गार्जियन अखबार से बात करते हुए पामेला ने कहा, "अभिनेत्री को ऐसा करने की इजाजत कैसे दी गई?" लिली जेम्स ने शो में पामेला की भूमिका निभाई है, लेकिन सुनहरे बालों वाली सुंदरी ने सीरीज में अभिनय करने के लिए ब्रिटिश अभिनेत्री को दोषी नहीं ठहराया। 34 वर्षीय लिली को टीवी सीरीज में पामेला की भूमिका निभाने के लिए नाटकीय परिवर्तन से गुजरना पड़ा। अभिनेत्री अपने बाल और मेकअप ठीक करने में प्रतिदिन चार घंटे का समय लगाती थी, लेकिन फिर भी उन्हें यह अनुभव अच्छा लगता था। लिली ने साझा किया, "एक अभिनेत्री होने के बारे में यह बहुत अच्छा है कि आपको विपरीत भूमिकाएं निभाने का मौका मिलता है। मेरे घुंघराले बाल थे और कोई मेकअप नहीं था, लेकिन मेकअप टीम की चार घंटे की मेहनत के बाद मैं पूरी तरह से बदल गई। मैं इसके लिए अपने आप को भाग्यशाली मानती हूं।"

दिल्ली की अदालत ने जैकलीन को बिना पूर्व अनुमति के विदेश जाने की इजाजत दी

दिल्ली की एक अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज के लिए जमानत की शर्तों में संशोधन किया है। जैकलीन 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपियों में से एक हैं। जेल में बंद 'कॉनमैन' सुकेश चंद्रशेखर इस मामले का मुख्य आरोपी है।

अदालत ने जैकलीन को बिना पूर्व अनुमति के देश छोड़ने की इजाजत दे दी है, बशर्ते वह अपने प्रस्थान से तीन दिन पहले अदालत और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सूचित करे।

विशेष न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने माना कि जैकलीन की पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण लगातार विदेश यात्रा करना जरूरी है। न्यायाधीश ने कहा कि जैकलीन ने कभी भी अपनी जमानत शर्तों का दुरुपयोग नहीं किया है और पूर्व अनुमति की बाध्यता उनके करियर के अवसरों में बाधा बन सकती है।

अदालत ने कहा कि साल 2009 से भारत में रहने वाली श्रीलंकाई नागरिक जैकलीन ने लगातार आयकर का भुगतान किया है और किसी भी जमानत शर्तों का उल्लंघन नहीं किया है।

यह संशोधन जैकलीन के आवेदन के जवाब में आया है, जिसमें कहा गया था कि यात्रा के लिए अदालत की मंजूरी मांगने से अक्सर प्रक्रियाएं पूरी करने में समय लगता है, जिस कारण उन्हें वित्तीय नुकसान होता है और उनकी प्रतिष्ठा पर असर पड़ता है।

जैकलीन ने दावा किया है कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अभिनेत्री होने के नाते वह अक्सर फिल्म की शूटिंग में व्यस्त रहती हैं, कार्यक्रमों में भाग लेती हैं, विभिन्न पुरस्कार समारोहों आदि में भाग लेती हैं, जो उनके पेशेवर व्यवसायों और आजीविका के लिए अपरिहार्य हैं।

कुछ स्थितियों में आरोपी को विदेश जाने के लिए अदालत की मंजूरी लेने में समय लग जाता है, जो जमानत की शर्तों के तहत अनिवार्य है।

आगे दावा किया गया कि इस कारण उन्हें कुछ ऐसी स्थितियों का सामना करना पड़ा है, जहां आयोजकों, निमार्ताओं और अन्य फिल्म उद्योग के पेशेवरों ने भारत छोड़ने के लिए अदालत की मंजूरी लेने की समय लेने वाली प्रक्रिया के कारण अन्य व्यक्तियों को इसमें शामिल करने का विकल्प चुना। अदालत ने जैकलीन के खिलाफ आरोपों पर जुलाई में सुनवाई शुरू की थी। अदालत ने उन्हें 5 नवंबर, 2022 को गिरफ्तारी से पहले जमानत दे दी थी।

ईडी ने हाल ही में मामले में उन्हें आरोपी के रूप में नामित करते हुए अपना दूसरा पूरक आरोपपत्र दायर किया था। जैकलीन और एक अन्य बॉलीवुड हस्ती नोरा फतेही ने मामले में गवाह के रूप में अपने बयान दर्ज कराए हैं।

इससे पहले, जैकलीन की 7.2 करोड़ रुपये की संपत्ति और फिक्स डिपोजिट को ईडी ने जब्त कर लिया था और उन्हें मिले "उपहारों" और "संपत्तियों" को सुकेश चंद्रशेखर से हासिल अपराध की "आय" कहा था।

ईडी ने फरवरी में चंद्रशेखर की कथित सहयोगी पिंकी ईरानी के खिलाफ अपना पहला पूरक आरोपपत्र दाखिल किया था। पिंकी ने ही उन्हें सुकेश चंद्रशेखर से मिलवाया था। आरोपपत्र में आरोप लगाया गया था कि पिंकी जैकलीन के लिए महंगे उपहार चुनती थी और चंद्रशेखर उसका भुगतान करता था। पिंकी उपहार देने के बाद उन्हें उनके आवास तक पहुंचा देती थी।

दिसंबर 2021 में जांच एजेंसी ने इस मामले में पहली चार्जशीट दाखिल की थी।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, चंद्रशेखर ने विभिन्न मॉडलों और बॉलीवुड हस्तियों पर लगभग 20 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने उससे उपहार लेने से इनकार कर दिया था।

अनुपम खेर के साथ काम करने पर खुद को भाग्यशाली मानता हूं: मोहित रैना

एक्टर मोहित रैना नीरज पांडे की रोमांचक थ्रिलर सीरीज 'द फ्रीलांसर' में मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। उन्होंने अपने को-स्टार अनुपम खेर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उनके साथ काम करने का अवसर पाकर खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

मोहित ने कहा, "अनुपम सर मेरे जैसे अभिनेताओं के लिए लीजेंड हैं, उन्हें यह कहलाना पसंद नहीं है। उनके साथ काम करना जाहिर तौर पर एक बेहतरीन मौका है, मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं। आप हमेशा किसी वरिष्ठ को देखकर भी सीखते हैं।"

यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब 'ए टिकट टू सीरिया' पर आधारित है। किताब में इस्लामिक स्टेट के खतरनाक अभियानों के बारे में कहानी साझा करने का प्रयास किया गया है। कैसे आतंकवादी समूह ने एक क्रॉस-कंट्री ऑपरेशन को अंजाम दिया है।

फ्राइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित फिल्म के क्रिएटर नीरज पांडे हैं। उन्हें 'ए वेडनसडे', 'स्पेशल 26', 'बेबी', 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' और अन्य फिल्मों के लिए जाना जाता है। 'द फ्रीलांसर' एक एक्सट्रेक्शन मिशन के बारे में है जहां एक लड़की को सीरिया के युद्धग्रस्त माहौल में बंदी बना लिया जाता है।

1 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली 'द फ्रीलांसर' में सुशांत सिंह, जॉन कोककेन, गौरी बालाजी और नवनीत मलिक, मंजिरी फडनिस, सारा जेन डायस सहित अन्य प्रमुख भूमिका में हैं।

हीरोइन का रोल न मिलने पर फूटा गुस्सा

बालीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही के अंदर टैलेंट की कमी नहीं है, इसके बावजूद उन्हें लीड रोल्स देने में फिल्ममेकर्स अपने हाथ पीछे खींच लेते हैं। इस बात का जिक्र खुद एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में किया है।

नोरा फतेही ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उनके डांस नंबर्स की वजह से फिल्ममेकर्स उन्हें लीड रोल में नहीं लेना चाहते।

उन्होंने फिल्म निमार्ताओं पर चार लड़कियों से आगे न बढ़ने और केवल उन्हें ही अपनी फिल्मों में कास्ट करने का आरोप लगाया। नोरा फतेही ने साल 2020 में स्ट्रीट डांसर 3डी से अपने अभिनय की शुरूआत की थी। लेकिन उन्हें अभिनय से ज्यादा, फिल्मों में उनके डांस नंबरों के लिए जाना जाता है।

उन्होंने बाटला हाउस में ओ साकी साकी तो थैंक गॉड में मानिके पर परफॉर्म किया था। सभी में उनसे मूव्स को जमकर सराहा गया था। नोरा फतेही ने किसी का नाम लिए बिना, इशारा किया कि उन्हें लीड रोल्स नहीं मिले। क्योंकि फिल्ममेकर्स एक दायरे के बाहर नहीं सोचते हैं।

उन्होंने कहा कि सिर्फ चार लड़कियां बारी-बारी से फिल्में कर रही हैं और चारों को लगातार प्रोजेक्ट्स मिल रहे हैं। नोरा फतेही ने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं डांस करती हूं इसलिए वो मुझे कास्ट नहीं करना चाहते। बॉलीवुड में कई ऐसी आइकॉनिक एक्ट्रेसेस हैं, जो बहुत खूबसूरती के साथ डांस करती हैं। और वो डांस नंबर्स में भी कमाल की हैं। तो ये एक अच्छी एक्ट्रेस बनने के लिए पैकेज का हिस्सा मात्र है। एक्ट्रेस के मुताबिक, शायद ये देखा जाता हो कि उनसे अच्छा कौन एक्ट कर सकता है, अच्छे से डायलॉग डिलीवर कर सकता है। किसमें भाषा को अच्छे से बोलने में काबिलियत है। जैसे ही मौका मिलता है, सब टूट पड़ते हैं। नोरा ने कहा कि आज के समय में इंडस्ट्री में कॉम्पटीशन बढ़ गया है। एक साल में कुछ ही फिल्में आई हैं। और फिल्ममेकर्स अपनी सोच के बाहर देख ही नहीं पाते हैं कि उनके सामने क्या मौजूद है। तो सिर्फ 4 लड़कियां हीं फिल्में कर रही हैं। उन्हें ही बारी-बारी से काम मिल रहा है। फिल्ममेकर्स को भी वही चार याद हैं। वो उसके बाहर सोचते ही नहीं हैं। तो आपका काम है कि उन चार को रोको और पांचवां बनो। साथ ही रोटेशन में भी शामिल हो। और हां, ये काम मुश्किल है लेकिन ऐसा हो रहा है। और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। मुझे बस खुद को साबित करना है, ताकि मैं टिक सकूं। यह अगली चुनौती है। बता दें कि अपने डांस मूव्स और हुस्न से सबका ध्यान अपनी तरफ खींचने वाली नोरा फतेही, अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। उनका नाम विवादों में तो छाया ही रहता है।

साहिल रहमान का गाना 'पागल रे मन' जल्द रिलीज

साहिल रहमान एक उभरते हुए सितारे हैं। साहिल रहमान ने असमी भाषा के काफी सारे म्यूजिक एल्बम में लीड रोल किया है और काफी सारे असमी धारावाहिक में भी काम किया हैं । साहिल रहमान बताते हैं कि उन्होंने काफी स्ट्रगल किया है और आज अपनी एक अलग पहचान बनाई है। साहिल रहमान बताते हैं की आज भी वो स्ट्रगल ही कर रहे हैं। वो अभी असमी अल्बम में काम कर रहे हैं। उनको उम्मीद है कि जल्द ही वो बॉलीवुड में भी नजर आएंगे। अभी साहिल रहमान एक प्रॉडक्शन हाउस के बैनर तले बन रही म्यूजिक एल्बम में काम कर रहे हैं। जल्द ही उनका एक और गाना "पागल मन रे" रिलीज होगा। साहिल रहमान को उम्मीद है कि उनका ये गाना लोगों को बहुत पसंद आएगा।

साहिल रहमान लोगों से अपील करते हैं कि लोग अपना प्यार और आशीर्वाद ऐसे ही उन्हें देते रहें।

सायरा बानो ने सिनेमा की दुनिया में श्रीदेवी के 'महान योगदान' को किया याद

बॉलीवुड की आइकॉनिक सायरा बानो ने रविवार को श्रीदेवी के 60वीं जन्मदिन पर उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कला सिनेमा की दुनिया में अहम योगदान दिया।

सायरा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार के साथ श्रीदेवी की एक दिल छू लेने वाली पुरानी कलर फोटो शेयर की।

फोटो के साथ, उन्होंने कैप्शन में लिखा, "शानदार और खूबसूरत अदाकारा श्रीदेवी को उनके जन्मदिन पर याद कर रही हूं। उनकी कला सिनेमा की दुनिया में महान योगदान रहा।

सायरा बानो से पहले श्रीदेवी के पति व फिल्म निमार्ता बोनी कपूर और एक्ट्रेस बेटी जाह्वी कपूर ने सोशल मीडिया पर श्रीदेवी को याद करते हुए पोस्ट शेयर किया था।

बोनी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी दिवंगत पत्नी के साथ अपनी पुरानी तस्वीरें साझा कीं, और पोस्ट को "हैप्पी बर्थडे" और दिल वाले इमोजी के साथ कैप्शन दिया। श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर ने एक इमोजी के साथ "हैप्पी बर्थडे मम्मा" लिखा।

हाल ही में फिल्म 'बवाल' में नजर आईं जान्हवी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने पिता के मैसेज को रिपोस्ट किया।

कुछ समय पहले अपनी नई फिल्म के प्रमोशन के दौरान जाहन्वी ने कहा था कि उनकी मां का निधन उनके लिए बहुत कठिन समय था, जिन्हें वह एक रोल मॉडल के रूप में देखती थी। उन्होंने कहा कि वह दिवंगत अभिनेत्री के तरह अपना करियर बनाना चाहेंगी।

2018 में 54 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट के चलते श्रीदेवी का निधन हो गया था।

मेरे लिए हर दिन अलग है: सनी लियोन

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोन की फिल्म 'कैनेडी' का प्रीमियर इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में होगा। अभिनेत्री अपने निजी जीवन में बेहद व्यस्त रहती हैं। वह तीन बच्चों की मां हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए हर एक दिन अलग है।

अभिनेत्री सनी लियोन ने बातचीत में कहा, "इस साक्षात्कार से ठीक पहले मैं अपने बच्चों के स्कूल में एक मीटिंग में थी और अब इंटरव्यू दे रही हूं।"

उन्होंने कहा, "इसके बाद मैं उन्हें लेने जाऊंगी और फिर और काम करूंगी। फिर मैं दूसरी मीटिंग में जाऊंगी। फिर मैं अपने बच्चों के साथ और काम करूंगी। मेरा हर एक दिन बहुत अलग होता है। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे यह सब संतुलित करने का मौका मिला।"

एक अभिनेत्री होने का कठिन हिस्सा क्या होता है, इस पर अभिनेत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि "क्या सही है" यह पता लगाना मुश्किल चीज है। आपको क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए यह कठिन है। पहले के मुकाबले और अब में काम मिलने में फर्क है।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सोशल मीडिया और इनफ्लुएंसर ने निश्चित रूप से मशहूर हस्तियों के काम करने के तरीके को बदल दिया है। मैं हमेशा से सोशल मीडिया का हिस्सा रही हूं। 'कैनेडी' का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है, इसमें राहुल भट्ट भी हैं। नियो-नोयर थ्रिलर फिल्म 'अग्ली' (2013) और 'दोबारा' (2022) के बाद कश्यप और भट्ट का यह तीसरा सहयोग है। यह फिल्म एक पूर्व पुलिसकर्मी कैनेडी की कहानी है, जिसे वर्षों से मृत मान लिया गया है। 'कैनेडी' भ्रष्ट व्यवस्था के लिए गुप्त रूप से काम करता है।

'कैनेडी' का प्रीमियर 24 मई 2023 को 'कान्स फिल्म फेस्टिवल' में हुआ। इसका प्रीमियर सिडनी फिल्म फेस्टिवल और बुकियॉन इंटरनेशनल फैंटास्टिक फिल्म फेस्टिवल में भी किया जा रहा है।

'गीता गोविंदम' के 5 साल पूरे, रश्मिका बोलीं : उन्हें अब भी 'गीता मैडम' कहा जाता है

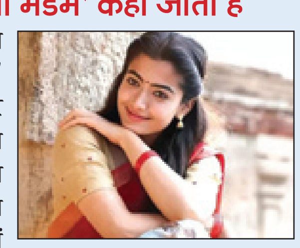

अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म 'पुष्पा : द राइज' में श्रीवल्ली का किरदार निभाने वालीं एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपनी तेलुगू सुपरहिट फिल्म 'गीता गोविंदम' की पांचवीं वर्षगांठ मना रही हैं। एक्ट्रेस ने कहा आज भी उनके प्रदर्शन के कारण उन्हें अक्सर 'गीता मैडम' कहकर पुकारा जाता है। फिल्म में एक्ट्रेस को तेलुगू स्टार विजय देवरकोंडा के साथ देखा गया था, जिसका निर्देशन परशुराम ने किया था। फिल्म का गाना 'इंकेम इंकेम कावाले' चार्टबस्टर रहा था। एक्ट्रेस रश्मिका ने कहा, "पहले से ही 5 साल हो गए हैं? वाह। मुझे अभी भी इस पर विश्वास नहीं हो रहा है... हमारी फिल्म को स्वीकार करने और इसे इतना प्यार देने के लिए आप सभी को धन्यवाद... आज तक मुझे 'गीता मैडम' कहा जाता है। यह बहुत अद्भुत लगता है और मैं बेहद आभारी हूं।" फिल्म में रश्मिका और विजय ने उन पात्रों को चित्रित किया जो कई घटनाओं के बाद प्यार में पड़ जाते हैं, जो वास्तव में उनके पक्ष में नहीं जाता है। एक्ट्रेस ने जिक्र किया, "निश्चित रूप से यह मेरे सह-कलाकार विजय के बिना संभव नहीं होता। 'गीता' का किरदार मुझे देने और मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं हमेशा परशुराम सर और गीता कला टीम की बेहद आभारी हूं।" यह पारिवारिक मनोरंजन फिल्म दोनों प्रमुख अभिनेताओं के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक है। फिल्म ने अभी भी दर्शकों का मनोरंजन करना जारी रखा है। इससे रश्मिका को अपनी पहचान बनाने में भी मदद मिली।

Printed and Published by Mr. Rajendra Kumar Goel for and behalf of BNT Media & Entertainment Ltd. 339, 3rd Floor , Tower B-3, Spaze Techpark, Sohna Road, Gurgaon-122002 Haryana, India.
Printed at Vivek Publisher, A16, Sector-7, Noida, UP.; Editor Rajendra Kumar Goel. Reproduction in any manner, form or part is prohibited